

कान्द्रशृशाः

## নকা শিকাঞ্জ খোচা দলে দু

জ্ঞীত ক্ষেত্র পিতৃকুলের ও শশুমকুলের ও পি কার্কুলের নোনোরকুলের ইন্যাদি শমস্ত কুলসম্পতীর নোর্ছ ক্রিক্ট বিবেচনা পূর্মক এবং স্ত্রীলোককে স্বীলোক পত্র লিবিবার ধারা।

সোপালপুর নিহারী

> সাবেশ্বর বল্লোপাশ্যার প্রাণীত

কলিকাতা।

लेक्स्यूम व नीद्यात

रेडक नाठ रखायत यरत सुखा विक वर्षे -जारिकी रहेगा। २ मर स्थी ।

() ( \* 新文 計画 \* )

# স্থচিপত্ত।

	1 . 10	, Tar	· .
उंदक्षे । मांचाना भारे	1		
্ৰীণ্ডৰু চরণে পত্ৰ লিখিবার্থা	Al Marie Contract	, , ,	~
শিব্যকে পত্ত লিখি।।র ধার।	1 7 . 7		
শ্রীগুরুপত্নীকে পত্র নিষিবার ধা	31	· · · · · ·	٠. ،
ি <b>শিষ্যকে পত্র</b> ালিথিবার ধারা গু	क्रभवी है केरि	<b>5</b> 2	ستي
🖟 🕶 প্রকে পত্র লিখিবার ধারা			R
পিভার শিষ্যকে পত্র লিখিবার	विशि .	196 /	E.
গুরুর পিতামত্ও মাতামহকে	পত্ৰ লিখিবা	র গারা	Q.
পৌজ দৌহিত্তের শিশ্যকে পত্ত	लिणिनात वा	31	৬
গুৰুৰ খণ্ডবের পিতা ও ওকুৰ	त्मरमा छ	<b>ि</b> ।	পিতা
, हैप्शानितक भन्न निर्मितात भ	(TS)	7.00	1,4
पूलर कामाणत भिया ७ भू	ভের খালা	el 8 4	(ভের
माणिद्या हेडानि मण्यकींप्र			
শ্বা		. :	
্ভর শিভাষ্ট ও মাভাষ্টা ইত	য়াপি গুৰুৰ	চাকুৱাণী	निम
্ৰ সম্পৰ্কীয়কে পত্ৰ লিবিবার			7
लोश उ मोहिन हेकानि जो	তি সম্প্রকী	রের শি	गांदक
লিখিবার গারা	A .		. 50
ভক্তর পিতাকে নিখিবার ধারা	****	:	S Y
্ৰভাৰ শিষ্যকে লিথিবার ধারা	e tal a program to the		
क्रम माजून ७ क्रम म्लन हैंडा	र्गिय-जाम्ब्यकी	CO Perf	4714
भारा ।		T 19 1. 19 1.	53
গুক্তর মাডাকে লিখিবার ধারা		1 1 1	3
शुब्दः भिरादक निविशात शाता	A STATE	* . p *	্. ক্র
			_

গুড়র মাতুলানী ও শান্ত্ডী ও মানী ইত্যাদিকে লিখিব	গার
wiai _	38
ेचानित्वमें अ कामांश अ खाठला व देशानित निया	<b>C</b> 32
লিখিবার খারা	3¢
ক্ষালা, ভন্নীপতি ইত্যাদির শিষাকে লিখিবার ধারা	30
ेश्चक्रत <b>आक्रामिशटक लि</b> थियात थात्र। •	59
জ্ঞান্তদিগকের শিষ্যকে লিশিকার দারা	23
ক্তব্য ভাষ্ট্রব্যু ভাষ্ট্র শালী ইন্ড্যামিকে পত্র লিখিবার	
धांत्रा	4
দেবর ভাশ্তর ইত্যাদির বিবাহে লিখিবর ধারা	>4
ক্ষের ভাগপুত্র ও ভারেম ও ল্যানকবুত্র শালীপুত্র ইত	571-
দিকে পত্ৰ লিখিবার ধারা	>3
भूका क रखेश माकृत हैकालिय नियादक नियियात याता	
अक्रत पुळ व्यु ७ खारुष्य ज्यान । जानित्न त्र व्यु हे । वि	८ वह
मिनिवंद्वः भोत्र।	₹.5
শক্তর ও ভাশার ও মাযাশকর উভ্যাদির শিব্যকে লিখি	
বার ধারা	28
ক্ষৰ গুলুপিছা গুৰুৰ গুৰুমাখা ইভাদিকে লিখিবারধারা	24
শিষ্যের শিষা ইভাষিকে লিখিবার ধারা	Š.
क्षित्र अल्पूल अन्तर पुरावद एक्षर अल्प्ना हे कार्षित्व	
্ লিখিবরে শার।	1
शिक्षेत्र निरवात गिया जीत्वात्कत्र मध्दतत निरवात नि	i Wi
हेंचानि निगटक निवियात शाहा	20
् अक्रीकार्यके मित्र मार्था भारत्यन कवित्रा ना शांश कांश	:
भारेयां है माना	Ã.
and the state of t	7.* <sub>x</sub> :

### लाजनाकी शुरुष्टा । पुरु

在有 在第161	Sec.
নিভামহকে মাভামহকে লিখিবার ধরে।	
পৌজ দৌহিত্রকে লিবিবার ধারা	
भेक्किनामा मण्यकी सटक निश्चितां श्राहाः	,
माडी गल्लको सटक लिबिदाइ शाहा-	ì
The state of the s	
in the barrier that the first the first that the fi	W.
	45
নংভিনী সম্প্রীয়তে লিখিবার ধারা	e)
পৌজী দৌহিজা পুজের পুজবধুকে সিধিনার ধারা	2
পিতা জ্যোঠ। বুভা মাতৃল মেনো পিলে শশুর এই করেজ	
ব্যক্তিকে লিবিবার ধারা	Ù
পুত্র ভাতপাল ভাগিনের কামাতা শালীপুত্র শ্যাল্ড	
পুতা ইত্যাদিদিগকে লিখিবার ধারা	۵۵
मां किमी मल्लाकी यहक लल	. Car
মাডা বিমাডা জোঠাই খুজি পিনি মাদি মাডুলানী	
ইত্যাদিকে লিপিবার ধারা	5%
পুত্র বপত্রীপুত্র দেবরপুত্র ভাশ্বরপুত্র জাশপুত্র ভাগিনী	
পুজ ভাগনেহ জামাতা ইত্যাধিনকে লিখিবার ধারা	4
শিকা ভোষা থুকা মাজুল পিনে মেনো শশুর ইকালি	
ু দিগতে শিবিবার পার।	09
कना डारारमा जाभिनी भातकमा भावीकना भूक	
ा वश् रेकारिनगटक निश्चित्र थात्रा का अध्या कार्यक	
माना विमाना (माठार पूजि मानी भिनी मानी भागी।	·
Sartfeetra ferfetata utat	234

क्रमा चलकोकमा जास्त्रकमा (धत्रद्वमा जांधी ज्योकमा

a to analysis

ज्ञाषःक्ना। भूखवंधू हैक्शेक्टिक निविवात बाता	80 -
ब्यार्क साम्रा गटशामत देविमालिय व्याप्रेजुटका युक्जूटका	4 ,1
्रिकालिश्दर निवियोत प्रति। भागा विश्व विश्व	**88
क्रिक खाका मरहामत रेतमाजित्र (कार्ठेक्टका बुक्कूटका	
	85
. ब्याकी स्थी नरशास्त्रा देवमारखन्न हेस्सामिनरक श्रेख	
कनिष्ठं जाता नरहामम देश्याज हेका मिनदक शत	* 88
ক্ষিত ভাগ্ন সংখ্যালয় বৈনাতেয়কে লিখিলার ধারা	. <u>a</u>
<b>्कार्थखाका</b> मदशासत देवभाख एकापि निराहेक	· pick of
ি লিখিবার ধারা	. 8ª
(कार्य) जहीं गरशंकता देवमा दिश केंगा कितारक	•
निविध्यात पार्व	4
ক্ষিষ্ঠা ভ্রমী সংলাধরা বৈষ্যান্ত ইত্যাদিগকে শত্র	85
चामिटक लिबिवांत भाग किए ।	84
জাপন জীকে বিধিবার ধারা	<b>6</b> 8.
ঐ সম্পর্কর দ্বিতীয় পাঠণ	'; i
ভাশুর মাপাকীরিকে লিখিবার ধারা	ିଖର
ভারত্যু দত্পনী স্থকে লিখিবার খারা	à
জ্যেষ্ঠ আতংশতীকে লিখিবার ধারা	de.
टक्सब मूलाकी कटक निर्मायवादः थावा	à
<b>बार्ष भागनेक क्षी</b> भेगकरके निविद्योह भावा	65
কৰিও ভাষপত্নী কৰিও শ্যালককে লিখিবার ধারা	3
स्मार्थ नमन (कार्याकावाक श्वा किरियान धारा)	1 4
the second secon	. 65
• ग्रेशमार्थक हाटखेब निविधात थाता । अस्ति । अस्	
शंबदक प्रोगार्थात्र मिथियात बाता	. go '
আন্ত গশ্স ব সমান্তঃ	t of

.? ;

क्रिका मधात्रवः।
ত্তাত্মণ শিক্ষাগুরুকে চাতুর্কিধ জাতি ছাত্তের শ্রন্ধ
চাতুর্কিধজাতি ছাত্রকে রাম্ব্র শিক্ষাপ্তর লিখিবার ধারা ১৪
ক্ষিত্র বৈশ্য পুত্র এই জিন জাতি, শিক্ষাওয়কে আক্ষা
ভাতের লিখিবার ধারা 🚙 🛼 🔻 💮 💮 🚉
ক্ষত্রির শিকাগুরুকে ক্ষত্রিয় বৈশ্য পুদ্র এই ভিন আছি
ছাত্তের লিখিণার ধারী 👵 💮 💮 🥳
মুগল মান শিকাঞ্জকে চাতুর্কিধ জাতি ছাত্তের পঞ ৫৫
া তাতুৰিবি জাতি ছাত্ৰকে মুদলমান,শিক্ষাগুজুর প্তালিবলাং
লাক্ষাণ শিক্ষাগুৰুকে চাত্ৰিবিধ জাভি স্তীলোক, ছাত্ৰের
লিবিবার খারা :
চাতুর্কিধ আতি প্রীলোক ছাত্রকে প্রাত্মণ শিক্ষাঞ্চর
লিখিবার ধার।
स्यथभाम भिक' एक का का कि खीरवाक सार्क
র লিখিবার শারা
গ্রুফিণ লাভি সীযোক ছাত্রকে মুসলমান শিক্ষাওকর
निश्चित्र भाषा
ভ্ৰান্ত্ৰ প্ৰান্ত বান্ত্ৰ বিভিন্ন ধাৰা .
ু ব্রাক্ষণ প্রজাবক ব্রাক্ষণ প্রঞার লিখিবরৈ ধারে ১৯৯
लाका वाबादक कविद रेवमा मुख वह दिन काहि स्वाह
নিধিবার শার্থ
कवित्र रेशना चूल कहे किन-क्षमादक खामान जाबात
निश्चितः शहर ५० १० १ १० १० १० १० १० १० १० १० १० १०
बाक्तन तामारक रूनलभान श्रमात किश्चित्र प्राप्ता है।
शानगान धावादक खाचा। समात विशिवाकवाक्रा
ा, कवित्र रेवना श्व वहे जिन कांचि संबादक बाक्त
थनाव निभिनात गात्रा कर्या । अस्ति । अस

t sed on	. 40
वाक्र अमरेक कवित्र विभाग्त वह किन माकि ग्रंच	ta i
Carlot and the Color	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
क्षावर्गत्र क्षेत्र व्यक्ति लिश्वात क्षेत्र	. 6
क्षा विश्व के लिए के	1-44
कादित्र समीमांत्रदक रेतमा मूख वह हुई स्नांक क्षमांत	
লিখিবার ধারা	
रिवमा मूख वह छुड़े जाकि श्रकारक काजित क्रभीमारदत	ঙ্গ
निधियांत वांत्री	.,
देवभा पूछ वर्डे क्रेड काकि क्रमीमात्रदक कादिश श्रेकार	<u>&gt;</u>
লিখিবার পারা	ı
कवित्र अवादक देवला गृष्ठ और एहे व्यक्ति समीनादत	<b>5</b> 7
C. Janes with	
भूमनमान समीनातरक ठाष्ट्रांकिय छात्रि शास्त्र	e.g
किरियोद भाउ।	
हाक्षिय लाकि श्रकाटक भूमलमान कमीपादवत	. 3
্লিখিবার ধারা	
क्ष्यानित्रिक मर्श्वाकरक विकार अधिकार अधिकार	**
Safera Mai	
महार्वाचारक कविष्ठ देवना गुप्त वह किन अभाविष	
Secretary of the second of the	
कि है कि है कि है कि है कि है कि	
A Property of the second secon	
लाका महासबटक कवित्र देवना गृक्ष वह किन कारि	<b>5</b>
COUNTY CONTRACT OF THE PROPERTY CONTRACT OF TH	<b>1</b> 4
कर्तिक रेग्ना विश्व विश्व कर्ति । चत्राव्य सम्बद्धाः विश्व	15 1 100 g
यहां वर्ष का विवास का श्री है।	m 3
उर्वित्व वर्षायम् प्रमानाम् वाक्टकत् निवितात् पा	
がで、1元4742、1980年間の変化を行うとは、 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。 。	

यूगलभाम बांचकटक खाचान मशाबादनंद लिथितां में बांदा	eq.
कवित्र रेवणा गृष्ठ এই তিন का कि भश्यमस्य खाकारे	. (-
খাতকের লিখিবার ধারা	6
ব্ৰাহ্মণ পাছৰকে ক্ষতিয় বৈশ্য পুদ্ৰ এই ক্ষিণ কাছি	1.21
महाखदमंत्र लिलिनात धाउ।	· \$
ক্ষাত্র মহাক্ষনকে ক্ষাত্রিষ্ ধাতকের লিখিবার ধাবা	y.
ক্ষাত্র থাতককে ক্ষাত্রিয় মহাজনের লিখিবার ৮বে৷	S.C.
कालप्र महाबन के देनना एक और क्रेड क्रांड नांडान्ड	
चिन्नी दांत चात्रा	Ž,
रेरामा मूख उने छून कर्ता र जन्दक कवित्र महाल	
নেরে বিধাধৰার সাজা	144
ইক্ষা শাস্ত্র এই ভূপ মাতি মত্ত্রমত্ত্ব ক্রিব সাভ্যাত	
अ (निधितान साट)	التريج
कवित्र वाष्ट्रकटक देवला शृष्टु की हि स्वीकटत	
র কিলেন্ত গায়া	<b>,</b>
धनगणान वर्षकत्वर गाविकाण्य श्वतकत्र शिवरति	
स्ति ।	ͺ.
ह। तिकाकि भाकत्व सुरमण्या महामदाह विविधात ल	<b>(3)</b>
खान्त्रव गाँचनद्व बाल्यन हामद्वतः निश्चित्रत्व भारा	ىۋ .
প্রাক্ষণ হাকরতে ব্যাক্ষণ মনিবের লিখিবার বাবা	33
बाजान मनिवरक कांग्रह रेक्ना मुख बहे कित साछि ।	'a'
চাক্রের বিধিবার ধার।	Sec.
कबित्र देनना गृषु এই তিন साकि ठाउदरक खासान	,
মনিত্রর বিজিপার ধারা	4>
हातियांकि अविवदतः मुनलशाम हाक्टब्रब लिथितांत ल	<b>6. B</b>
स्वलमान ठाकरवत ठाज्ञित आंकि योन्टरत निश्चित्र	শূক <del>ব</del>
क जब मनिवदक काजिह हाकदहत निधियांत शाहा	. 94
	1.14

ক্ষরির চাক্রকে ক্রিয়ংমনিবের লিখিবার পর	40
क्क बिन्न मिन्दर है देवना प्रमु अहे छहे चाकि ठाकरतत 😘	• ' •
লিখিবার পর	色
देवना भूख এই छूटे जाकि हाक्द्रत कलित्र मनिद्यत	
লিখিবার পত্র	48
रेवणा श्व वह छह लाकि मनिवदक कावित्र . हाक्टबर	
লিখিবার পত্র	<u> </u>
क जित्र ठाकवटक देवना चुन এই छूई जाकि मनिद्वत	
- লিখিবার পত্র	9 0
देवमा स्मु এই छुर लाजि मानवरक देवमा ও स्क এই	
ছুই স্মাতি ঢাকবের লিখেবার পত্র	न
देवना अ मृत् बहे बहे बहि हातादक देवना मृत् बहे	
छूहे काछि भनिद्वत विधिवात भव	40
ক্ষতিষ বৈশা প্তা এই ভিন জাভি বনিবকে তাক্ৰ	
চাকরের লিখিবার পত্র	4.9
खाका हाकद्रक कवित्र रेग्ना एक वह जिन साहि	
ধনিবের লিখিবার পত্র	É
মুদলমান গানিবকে ভারিজাতি চাকারর লিখিবার ধারা	420
हा विकाकि ठाक्तरक युगलयान मनिदनत निविदात थांश	44
रंगड अक्त्रग्रसः	
পিতামহাদির ও পিতাও ভোঠা ইত্যাদির চাজুর্ফির আ	Fa
দৈতকে এবং আপনার দৈতকে লিখিবার ধার।	93.
देववास्टिकत लिखामर ও माजागर लिखामरी माजामरी	
ः इंड्यानि मन्त्रको त्राक लिथिवाउ थाता	96
दशोटलक देवविरक्तत्रदेवनाधिकमण्यकी ब्रद्धांविवात थाता	97
দৈবাহিকের পিভাও <b>নাভাকে লিবিবার ধারা</b>	50
भूटकत देवराहिक गण्यकील <b>ভा</b> यर दक निश्चितात थाता	4

Fig. 1. 126
বৈবাহিকের পত্নীকে বৈবাহিকের লিখিবার শার্
বৈবাহিক সম্প্রকীয় ভাবৎকে লিখিবার ধায়া 🐡 🦠 🖼
देववाहिटकंत्र भूख ও खाडण्यू ख कना। इंडाबिटकं बिकि 🔗
বার ধারা
वर्गडाक्तन खेळानानी देखानिएक डाक्सटनत निश्चितात थाता । श्रे
রান্দানে বর্ণরান্দান জগ্রদানি ইভ্যাদিকে লিখিনার্গার্য ৮২
বৰ্ণভাষাণ অন্তৰ্ণানি ইভ্যাদিকে ক্ষতিয় বৈশা শুদ্ৰ এই
ভিন জাভির লিখিবার খারা 💮 🚉
क्षजित्र देवना मृम् এडे किन काकिएक वर्गडाव्यन कवानानी
ইভ্যাদিৰ লিখিবার ধারা
वर्गबाकन व्यवनाति वेकाफिर खोटक कालिप्र देवना गृह
এই ভিন জাতিব লিখিবার ধার৷ ৮২
ভূতীর বড়ের প্রথমাত্দি যত যত পুরুষকে গর লেখা
নিবাহেদ ভাগাদের স্ত্রীকে লিখিনার ধারা
পুরোছিলকে ভ্রাঞ্জ মঞ্চমানের লিখিবার ধরি। ৮০
ব্রাহ্মণ যঞ্জমানকে পুরোহিডের লিখিবার খারা ঐ
भूरमाहिष्ठरक कलिय ह रेक्सा ह गृनु अहे हिन साहि
अक्रमादनर निधितांत थाता <sup>औ</sup>
চারিস্কাতি পুরুবের গুরীলোকের পরস্পার লিখিবারধারাঞ্জ
হিতীয় প্রকরণ।
পুরাণ আবণের নিমন্ত্রণ পার
পুরাণ সমাপন কালীনের নিমন্ত্রণ পত্র
তুর্গা পূজার নিমন্ত্রণ পত্র
পুত্ৰৰাত ও কন্যাজাত সংবাদ পত্ৰ
ভারপ্রাশনের নিমন্ত্রণ পত্ত চুডাকরণের নিমন্ত্রণ পত্ত
তুভাকরণের নিশ্বরণ গলে

 $r_i^{\dagger}$ 

The same of the sa

.,

,	
কুলবান ব্যক্তির শুভ সমন্ত নির্ণয় পর	<b>*</b> 4
कम्। कर विकास सम्बंध शक	
পরিবর্তি সম্বতন্ত্রর মহস্ক পত্র ও কারত ইত্যাদির সমস্ক	9GE19
বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্ত	<u>.</u>
কামাকাকে,পুন:বিবাহ নিমিত সানরন পত	22
জ্ঞীন্ত্ৰ প্ৰাধ্য সংবাদ পত্ৰ	ঐ
আদ্যভাদ্ধের নিমন্ত্রণ পত্ত -	**
সলি শুকরণ আছের নিমন্ত্রণ প্র	D
এটকাছিন্ট আছের নিময়ণ পত্র	À
सुमल भारतात । व्याकत गाँउ छ।	
পীরমুরিদকে খাদেমেব লিখিবার সেরেস্তা	たか
খাদেমকে পীৰমূৰিদের লিখিবার সেরেস্তা	وج .
দাদোকে পোডার লিখিবার দেয়েন্ডা	86
পোচ্চাকে দাদোর লিখিবার নেরেন্ডা	· A
मोमी मानीत्क श्रीका माकित लिखिनांव रमदत्रका	AF.
পোড়া মাডিকে দাদী নানীর লিখিবার দেরেস্কা	ક્ર
মিঞাকী চাঢাকা গুগায়রহ সুপাদি ভাবংকে বিথি	বার
নেরেন্ড)	त्रेष्ठ '
লেজকা ভাতিকা গুগায়রহ সুপাদি ভাবৎকে লিথিবা	3
(मदत्रस्थ)	24
ৰভাশ্যাল। বড়াবহ্লাইকে লিখিবার নেরেস্তা	· 👌
ছোটাবহ্লাই ছোটাশ্যালাকে লিখিবার দেরেন্তা	7
দোক্তকে লিখিবার শেরেস্তা	· 🕸
মামাজী ও চাচাজী ভাতিজী ওগায়রছ ভাবৎকে লি	थवात
ा त्याद <del>्वका ।</del>	<b>E</b>
বাণিজ্ঞা সম্পর্কীয়ের লেখাপড়া।	4 3
ক্ষাকর্ডার নিকটে দালাগের একরার	<b>44</b>

भागात्वतानकछ मश्राष्ट्रतत् ७कत्तत् . 🔻 💥 🤫	>0
বায়নাপত্ৰ ওগওদাপত্ৰ	
क्रमोमात्री काम्रमात्र लिया পড़ा (स्टब्रफ्राः	7.8
ক্ষমীপারের নিকট ভালুক্দারের ববুলভি 👙 💢	>0>
दश्रम्था .	308
<b>जानू कमार अंत्र मश्लि</b>	> ১
ইজাদারের কর্লতি	709
हेकाम्बाटवं व मनम्भ	> 670
हेजावमाद्यव पर्शल	330
वैयावभारवत्र मानजाभिन	5.5
শুক পুণ্য হৈছে তি তি	ングラ
कांबुकनारतर शासामान माविया	232
খান্ধানা বাকীর কাষৰ ভালুক্সারের পর জলব চিটি	33.5
ভালুকদারের পর ইস্তাহার	538
के स्थार्टदत दिश्व	330
क्षानुक्षाद्वत्र काञ्चनावृक्षः	
জবিদের আমীনের কর্ল ভ	224
শ্বিপের অন্নীনের সনক্ষ	229
র্গন্ধিরীর ক্রুপ্তি	224
র্ষন্থিরি সন্মা	272
জ্বাবেশের কারণ প্রজা পাইকের পর খে'লাদা	229
হৈমভিক বোরধানা কুতের আনীনের কর্লভি	75.
ধান্যকৃত আমীনের সম্প এবং গোমস্তার করুবতি	252
গোমস্ভার বনক	755
গোমস্তার মারজ্যানী	250
পাইকের কবুলতি	258
পাইকের সন্দ	378

পোমস্তাকে ভালুকদারের লিখিবার ধারা প্রাহ্ণানা বাকীর কারণ গোমস্তার পর ভলবচিটি শহরের ভিতর শহরবার নিকটস্থনাটীভাড়ার করুলভি ১০ নাটীভাড়ার জমার পাটা বাটীভাড়ার গোরহেন্ট বাটীভাড়ার দথলি ও নিরিক বেশী জমার করুলভি ১০ নারিক নেশী জনার পাটা কমা নিশস্ত কারণ প্রভাব পর ইস্তাহার গোমস্তার পর শুভ পুণাহের চিটি লাথেরার জমীর কলল ছাড় নারেধানা প্রজার মহাজন কলল ছাড় লিখিবার ধারা ১০ পরিমিটের পাশ ও পোলীবের সমন ভানপ্র থরিজকী করালা ভ্রম্মুক্ কর্জা টাকার রবিদ ও কর্জা টাকার কিন্ধীবন্দী সার্থক লিখিবার ধারা	Part View Plants	
আমাবন্দী সুরীত প্রজার পাটা গোমস্তাকে তালুকদারের লিবিবার ধারা গালানা বাকীর কারণ গোমস্তার পর জলবচিটি শহরের ভিত্তর শহরবার নিকটস্থনাটীভাড়ার করুলভি ১০ নাটীভাড়ার জমার পাটা বাটীভাড়ার গোরমেট বাটীভাড়ার দথলি ও নিরিক বেশী জমার করুলভি শনিরিক নেশী জমার পাটা কমা নিশস্ত কারণ প্রজার পর ইস্তাহার গোমস্তার পর শুভ পুনাংহর চিটি লাখেরার মামীর কলল ছাড় লিবিবার ধারা ১০ পরিমিটের পাশ ও পোলীবের সমন দানশ্র থরিজ্ঞী করালা ভ্রমংসুক কর্ল্য টাকার রবিদ ও কর্জ্য টাকার কিন্তীবন্দী স্বাহথ্য লিবিবার ধারা ১৪ পরিবিত্ত লিবিবার ধারা ১৪ পরিক্রিক কারার বিদ্যার প্রস্তাহার কিন্তীবন্দী স্বাহথ্য লিবিবার ধারা ১৪ পরিস্কিত লিবিবার ধারা	शाहरकत्र नालकामिनी अस्थ्यकात्र थाकानांत माबिना	1.520
পোমস্তাকে ভালুকলারের লিবিবার ধারা প্রাক্তানা বাকীর কারণ গোমস্তার পার ভলবচিটি লহরের ভিতর শহরবার নিকটক্ষমাটীভাড়ার করুলভি ১০ মাটিভাড়ার জমার পাট্টা বাটিভাড়ার দখলি ও নিরিক বেশী জমার করুলভি ১০ শৈরিক নেশী জনার পাট্টা কমা নিশস্ত কারণ প্রজার পর ইস্তাহার গোমস্তার পর শুভ পুণাংর চিটি লাখেরাক্ষ কমীর কমল ছাড় নাভেরাক্ষ কমীর কমল ছাড় লিবিবার ধারা ১০ পরিমিটের পাশ ও পোলীবের সমন দানশ্র থরিক্ষণী কবালা ভ্যাংকুক কক্ষ্মিটাকার রসিদ ও কর্জ্য টাকার কিন্তীবন্দী কারখন্ড লিধিবার ধারা ১৪ প্রিক্ষিত লিধিবার ধারা ১৪ প্রিক্ষিত লিধিবার ধারা ১৪ কারখন্ত লিধিবার ধারা ১৪ কারখন্ত লিধিবার ধারা	व्यतिल क्यारकी मुताक श्रवात कर्तिक 👾 👉 🤏	© 3 <b>≈</b> 4
প্রাক্তানা বাকীর কারণ গোমস্তার পার তলবচিটি প্রহরের ভিতর শহববার নিকটক্ষমাটীভাড়ার করুপতি ১০ মাটীভাড়ার অমার পাট্ট। বাটীভাড়ার গিরিমেট বাটীভাড়ার দর্যনি ও নিরিক বেশী অমার করুপতি ১০ মারিক নেশী অমার পাট্ট) কমা নিশন্ত কারণ প্রজার পার ইস্তাহার গোমস্তার পার ভাত পুরুহের চিটি মার্থেরার অমার কলল ছাড় নিথিবার যার। ১০ প্রিমিটের পাশ ও পোলীগের সমন দানপ্র থারিজনী কবালা ভ্রমঃসূক কল্মী টাকার রসিদ ও কল্মী টাকার কিন্ধীবন্দী সাহবিভ লিথিবার থার। ২০ ইন্ডাল্প কাগজের মুল্যের জাইন	অমাবন্দী সুরীত প্রকার পাউ৷	) ३३५
শাহরের ভিতর শহরবার নিকটক্ষ মাটীভাণার করুলভি ১০ যাটীভাণার জমার পাটা বাটীভাণার গিরিরেট বাটীভাণার গিরিরেট বাটীভাণার দর্খনি ও নিরিক বেশী জমার করুলভি ১০ শারিক নেলী জনার পাটা ক্রমা নিশন্ত কারণ প্রজার পর ইন্তাহার গোনভার পর শুভ পুনাহের চিটি লাবেরাল জ্মাই কলল ছাড় নার্ভোয়ান প্রজার মহাজন কলল ছাড় লিবিবার গারা ১০ পরিমিটের পাশ ও পোলীগের সমন হানপ্র থরিজভী করালা ভ্রমঃসূক কল্পিনার রশিদ ও কল্জা টাকার কিন্তীবাদী সার্গ্রহ লিবিবার থারা ইন্তালপ কার্গজের সূল্যের জাইন	ংগামস্তাকে ভালুকদারের লিখিবার ধারা	1500
বাটীভাছার জমার পাট। বাটীভাছার গিরিবদেট বাটীভাছার দথলি ও নিরিক বেশী জমার কর্লভি শনিরিক নেশী জনার পাটা) কমা নিশন্ত কারণ প্রজার পর ইন্তাহার গোনভার পর ভাভ পুণাংহর চিটি প্রাথেরাক্ষ ক্ষমীর কলল ছাড় লিখিবার গারা ১০ শনিবেটর পাশ ও পোলীগের সমন ভালপ্র থরিককী কবালা ভ্রমঃ কুক বর্জা টাকার কিন্তীবন্দী সার্থিভ লিখিবার থারা ইন্ড্যালপ কাগজের মূল্যের ভাইন	শ্রাজানা বাকীর কারণ গোমস্তার পর তলবচিটি	· 🖨
বাজিভাতার গিরিমেন্ট বাজিভাতার দথলি ও নিরিক বেশী জমার কর্ল্ভি ইনিরিক নেশী জ্ঞার পারী) ক্রমা নিশস্ত কারণ প্রজার পর ইস্তাহার কোনস্তার পর শুভ পুণ্যংহর চিটি লাখেরার জ্ঞার মহাজন করল ছাড় লিখিবার গারা ১০ পরিমিটের পাশ ও পোলীর্বের সমন কানশ্র থরিজ্ঞা ক্রালা ভ্রমান্ত্র রিমিল ও কর্জা টাকার কিন্তীর্ন্দী সার্থিজ্ঞা কার্যার থারা ইন্ড্যাল্প কার্যজের মূল্যের কাইন	ূশহরের ভিতর শহববার নিক্ট <b>ন্থনাটীভ</b> ্ডোর কবুলবি	5 >>>
বাদিভাভার দখলি ও নিরিক বেশী জ্বার কর্ল্ভি ১০  শনিরিক নেশী জ্বনার পার্টা)  ক্রমা নিশন্ত কারণ প্রজার পর উন্তাহার  গোদন্তার পর শুভ পুণাংহর চিটি  লাখেরাল ল্লাই ফলল ছাড় নাডোয়ান প্রজার মহাজন কলল ছাড় লিখিবার ধারা ১০ পরিমিটের পাশ ও পোলীবের সমন  দানপ্র থরিজ্ঞী ক্রালা ভ্রমঃসূক্ কর্ত্রা টাকার রিশের রিশের বিশ্বীবন্দী ১৪ কারেশ্রভ লিখিবার ধারা ১৪ ইন্ডাল্প কার্গাজের মূল্যের ভাইন	মাটিভাছার জমার পাটি।	202
শ্নিরিক নেশী জনার পাটা।  ক্রমা নিশন্ত কারণ প্রজাব পর ইন্ডাছার  গোদন্তার পর শুন্ত পুন্তংর চিটি  লাখেরাল ক্রমীর কলল ছাড় নালেনান প্রজার মহালন কলল ছাড় লিখিবার গারা ১০ পরিমিটের পাশ ও পোলীবের সমন  দানপ্র থরিজনী কবালা  ভ্রমানুক কর্মী টাকার রবিদ ও কর্ম্মী টাকার কিন্ধীবন্দী ১৪ কারখন্ড লিখিবার থারা  ইন্ডালন কাগালের মূল্যের কাইন	বাটীভাত্যর গিরিংমট	342
ক্ষমা নিশন্ত কারণ প্রজাব পর উন্তাহার পোনভার পর শুভ পুণাংগর চিটি লাখেরাক ক্ষমীর কলল ছাড় লাখেরাক ক্ষমীর কলল ছাড় লিখিবার মারা ১০ পরিমিটের পাশ ও পোলীবের সমন লালপত্র থরিজকী কবালা ভ্রমঃসূক কর্জ্যা টাকার রিশিল ও কর্জ্যা টাকার কিন্তীবন্দী ১৪ কারেখন্ড লিখিবার থারা ইন্ড্যাল্স কাগাভার মুলোর কাইন	্রাটীভাড়ার দখলি ও নিরিক বেশী জমার কর্লভি 🧢	· 200
লোদভার পর ভভ পুনাংহর চিটি লাথেরাল লামীর ফলল ছাড় লিখিবার গার। ১২ কারিমিটের পাশ ও পোলীপের সমন ভানপত্র থরিজনী কবালা ভ্যঃসূক কর্জা টাকার রসিদ ও কর্জা টাকার কিন্তীবন্দী ১৪ কার্থিড লিখিবার থার। ইন্ড্যালস কার্যভার মূল্যের ভাইন	<ul> <li>निदिक (वणी कदाब शांग्रे)</li> </ul>	250
লাখেরার ক্ষাই ক্ষর ছাড় নাখেরার প্রনার মহাজন ক্ষরত ছাড় লিখিবার ধার। ১২ পরিমিটের পাশ ও পোলীদের সমন নান্ত্র থরিজ্ঞী ক্রালা ভ্রমঃসূক কর্মো টাকার রসিদ ও ক্র্মো টাকার কিন্তীবন্দী ১৪ কার্থ্ড লিখিবার থার। ইন্দ্রাক্ষ কার্যাকর মূল্যের ভাইন	ক্ষমা নিশন্ত কারণ প্রজার পর ইস্তাহার	7.38
নাতে। যান প্রজার মহাজন কবল ছাড় লিখিবার গারা ১২ পরিমিটের পাশ ও পোলীবের সমন ভানপত্র থরিজনী কবালা ভ্রমঃসূক কর্জা টাকার রবিদ ও কর্জা টাকার কিন্দীবাদী ১৪ কারখন্ড লিখিবার থারা ইন্ডালস কাগাজের মূলোর ভাইন ১৪	ংগোদস্ভার পর শুভ পুণ্যংক চিটি	3.2b
পরিমিটের পাশ ও পোলীদের সমন  দানপত্র  থরিজ দী কবালা  তমঃসূক কর্জা টাকার রসিদ ও কর্জা টাকার কিন্দীবদ্দী  ১৪ কারেখন্ড লিখিবার খারা  ইন্দ্যাল্প কাগভোর মুলোর কাইন  ১৪	व्यारथंडाम मगोड कनत हाउ	· 3
দানপ্তা থারিজ কী করালা ভ্নঃসূক কর্জা টাকার রাসদ ও কর্জা টাকার কিন্ধীবন্দী ১৪ কারেখন্ড লিখিবার থারা ইন্দ্যালস কাগভোর মূল্যের ভাইন	नाट श्वान अजार मर्गजन करण छाछ निधिबाँद गाँव	4:5
থারিজ দী কবাল। ত মঃসূক কর্মা টাকার রাসদ ও কর্জা টাকার কিন্তীবাদী ১৪ কারেখন্ড লিখিবার খারা ইন্দ্যালস কাগাজের মূল্যের ভাইন ১৪	পরিমিটের পাশ ও পোলীদের সমন 🥠 🤫 🔻	1 >8.
ভ মঃসূক কাজ্য টাকার রবিদ ও কর্জা টাকার কিন্দীবনী ১৪ কারখন্ড লিখিবার ধার। ইন্দ্রাল্প কাগাজের সুলোর ভাইন ১৪	नान भ्र	185
কর্জা টাকার রবিদ ও কর্জা টাকার কিন্তীবন্দী ১৪ কারখন্ত লিখিবার খার। ইন্দ্যালস কাগজের মুলোর জাইন	খ্রিজাফী ক্রালা	385
কারখ <b>ভ লিখিবা</b> র ধার। ইন্দ্যা <b>ল্স কাগভে</b> র মূল্যের <b>ভাইন</b> ১৪		>88
रेंख्यान्त्र कार्याच ब्रुटलात कहिन ३८	कर्का होकात त्रांगन ७ कर्का होकात किन्ही वसी	. 28¢
The state of the s	ক্রিখ্ড লিখিবার ধারা	588
,		`\$8 <b>9</b> ,
२ ५५ ५ अ <b>व्योगियाँकसमार्थक</b> । १०० ४ ४४ छो ।	·	
	ভাৰত প্ৰকাশ কৰিছে কৰা প্ৰতিষ্ঠান কৰিছে কৰা প্ৰতিষ্ঠান কৰিছে কৰিছে কৰা প্ৰতিষ্ঠান কৰিছে কৰিছে কৰিছে কৰিছে কৰিছে বিষয়ে	A 3 [ ]

# खानको भूमी।

#### -484

# শ্রীপ্র চরণে শিষ্যের পত্র লিথিবার ঘার। উৎকৃষ্টি পাঠ।

#### ১ পত্ৰ।

शिविषय तिविद्यान्तिक किन्द्रीकिक त्वनम्बिक वाक्षी, ज्ञानका। कना मानका शोर मोत करक वस्त्र निरुष्त कावन वादि केवाविक कराविकार कार्येत मोत करक वस्त्र निरुष्त कावन मार्थ में प्रदर्शन विक्ता कराण्यक्ष विद्यान्त कालक प्रकार एक करान्य कार्यांच्याः।

तित भटन मिन्त्र्वि स्थिति । वार्त्वि स्थिति । विद्यानि । विद्य

चित्रमाया ।

শরণ ধার্মন বান্ধন্ত প্রত্তির সহার্মন। প্রতির্বাস্থ্য পরাবেদ্ গুরু শিক্ষার প্রতি প্রভ্যুত্তর পত্র লিধিবার ধারা। উৎকুষ্ট পাঠ। ২ পত্র।

নিতা কুশলাকান্তি কণ জীশিবশন্তর দেবশর্মণ পরম
শুভাশীরু ক্ত ভরবরা বিজ্ঞাপনফানো ভবতঃ কারিক বাচিক
মানদিক দকলাভীষ্ট দিছার্থ একামনা পরদেবতা দমীপে
আনব্রত প্রার্থনা করণে অস্মাকক পরমানন্দ মিতি। পরে
ভব প্রণতি পুর্পক বচন বাচনপরী প্রাপ্তি মাত্র প্রমোলাগ
সংপ্রাপ্ত ইলাম কক্ষণে ভর্মেন্দ গমন প্রয়োজন তথ্য
বৈশাবদানের ক্রেরণদশ দিনে শমন কালীন স্ক্রাপ্ততা ভব
মনোভিলায় প্রিপুণতা জল স্মাপনান্তর গমন ইবেক।
শির্নামা।

সদানু এই প্রিয় পর মেক্রিয় জীয়ুত কালী কিন্তুর মুগোণা ধ্যায় বাবাজী উমনোভিলায পুনেনু।

শ্রীভন চরণে শিষ্টের পত্র লিখিবার ধারা। বামান্য পাঠ। ২ পত্র।

বেৰকানু দেহক ীকালীপ্ৰদাদ ঘোষ।

শত সাহস্রিক প্রণাম। নিবেদগাদৌ সহাশরের ইচিরণ গ্রান সদা সর্বন। প্রার্থনা করিতেছি ভাহাতে দাসামুদা-দের ঐতিক পার্বত্রিকের মঙ্গল হয় নিশেষঃ।

পরে আমার মধাম পুত্রকে মন্ত প্রদানের কারণ ২৪ ফাগুণ গুরুষার এ বা টীতে পদার্পণ করিবেন সাক্ষাৎকার দক্ষ নিবেদন করিব ইতি তারিখ ২ মাঘা

भिद्रनामा ।

পরম পুজনীয় শুলীঠাকুর মহাশয় শ্রীচরণ কমলেয়।
গুরু শিষ্যের প্রতি পর্জ লিথিবার ধারা।
নি সামান্য পাঠ। ৪ পত্র।
সদা শুলানুধ্যায়ী শ্রীশিবশন্তর দেবদার্মণঃ।

পরম মহোনতি বিজ্ঞাপন্থাদৌ ভোনার বাঞ্ছিরিজ ফল কামনা সদা সর্বদা করিছেছি ভাহাতে অত্তানন্দ হয় বিশেষ। পরে ভোষার পত্তের ছারা স্নাচার জ্ঞাত হইয়া পরমাপ্যারিত হইলাম আর জামাকে আপন বাটীতে যাই বার বিষয় লিখিয়াছেন ভাহা জবশু ষাইব জ্ঞান আহরণ করিবেন ইতি ভারিখ ১৪ মাঘ। শির্নামা।

পরম কল্যাণীয় জীবৃত কালীপ্রধাস ঘোষ বাবাজী <sup>জ</sup> পরম কুশলেণ্ড

গুরু পত্নীকে শিবের উব্তি। হুক্দাড়ীকে শিবের গুরু লিখিবার গালা। উৎক্রমী নাউ। ৫ পত্রি।

শ্রীপাদ পদ্ধ জ্ব গ্রাস্থীন শ্রীরাদ্যোগনং শর্মাণঃ।
প্রশামানস্থা নিবেদনপ্রাদৌ এ আজ্রানুষ্ট জনার নিজার
কারণ অপার সংসারাশন পারাধার তর্নী শ্রীচরন থাল স্থান লোচন জ্ঞানাঞ্জন প্রদান করিতেছেন ভদর্থে মঞ্জন বিশেধঃ। শির্মামা।

ত্রীচরণ শশীজ্যোতিঃ প্রকাশ মনঃ তিন্তু নাশিনী
ত্রীমন্তী ঈশ্বী গুরুপদ্বী মান্তা ঠাকুরণী
ত্রিণ মনোচকোর মকরন্দ পানেঃ।

শিষ্যকে গুরুপত্নী প্রাক্তান্তব লিবিবার বার:। উৎকৃষ্ট পাঠ। ৬ পত্র।

তব মঞ্লাকান্তি কণী শ্রীমতী আনন্দম্যী দেবী। পরম শুভাশীবাং রাশ্যাগন্ত ভোমার মঞ্জানন্দ মনঃ সঞ্চয়ার্থে আশু বরার্পণ করিতেছি ভদর্থে অত্তানন্দ হয় বিশেষ। শিরনামা।

> নদা সুখাভিলাবংসত শ্রীযুত রামমোহন চট্টোপাধ্যায় যশোভাগেটাদরেয়ু।

ঐ পরিজের সামান্য পাঠ। ৭ পতা। সেরককা সেবক শ্রীরাধাবলত দাসবসু।

প্রণামনিস্তর নিবেদনগোগে আপনার শ্রীচরণ ধ্যানাস্ত দাধানুদাদের পারতিকের নিস্তার পরং তদর্থে এখানকার মঞ্চল হয় বিশেষঃ।

#### শিরনামা :

পরসপুজনীর শ্রীমতী গুরুপত্নী মান্ডাঠাকুরাণী শ্রীপাদ প্রস্তুত্ব ধ্যানাবলয়িতেবু ।

ঐ নাগান্য পাঠের প্রভাতের । ৮ পত্র।
ভাবত পালনীয়া শ্রীনতী আনক্ষমী দেবী।
পারম শুলাশিলাদ বিজ্ঞাপন্ঞাদো বাবাজীন মঞ্চলার্থে বরা
প্রদান নিয়ত করিভেছি ভদর্থে অব্রানন্দ বিশেষঃ।

শিরনামা

পরম কল্যাণীয় শ্রীযুক্ত বাধাবল্লভ বসু বাবাকী চিরকীবেয়ু :

গুরুপুত্রকে শিষ্যদের পত্র লিখিবার ধারা। উৎকৃষ্ট পাঠ। ৯ পত্র।

শ্রীপদ পারত ধ্যারীন জীনীলমণি দেবশর্মণঃ।
প্রাণামন্তির নিবেদনফানো মহাশবের শ্রীচরণ পদ পঞ্জ
মনঃ ভূক মকরন্দ পানাসক্ত মত্তরপে ভ্রমণ করিতেছি ভদর্থে সানন্দ বিশেষঃ।

#### শিরন ম।

অপার দংসার সিন্ধু ভরণীক্তপ শ্রীশ্রীঠাকুর পূক্স ঠাকুর মহাশর শ্রীচরণ কমলে মনোর্গিভেরু।

গুরুপুজ শিষ্যকে প্রভ্যুত্তর লিখিবার ধারা। উৎকৃষ্ট পাঠ। ১০ পত্র।

जनमञ्जाकां हि कुन्: श्रीप्राधाकां छ त्वनमर्मनः।

প্রম শুভাশীবাং রাশরঃসম্ভ ভোমার সুখাভিলাবীন দ প্রদানার্থে বরাপণ করিতেছি ভদর্থে কুশলিছিলেয়:।

শিরনাম:

র্দ্ধারুষংগন্ত শ্রীধৃত নীলমনি মুখোপাখ্যার। যশোভাগ্যের।

ঐ ণরিজের সামান্য পাঠ। ১০ পত্ত।

ङ्गानुङ्श श्रीनमनि मान श्रायः। श्रिनामन छत्र निर्वतनश्रीरमो महास्यात श्रीत्रत्र धानिट्छ भागानुमारस्य नमा सानस्य विरम्पदः।

শিরনামা।

পরমপুজনীয় ছিন্সীঠাতুর পুত্র মহাশর শ্রীচরণ গঞ্চজে মনোর্গিভেষু।

ঐ সংমাদ্য পাঠেব প্রত্যুক্তর। ১২ পত্র।

প্রতিপাল। শ্রীরাধাকান্ত দেবশর্মণঃ প্রমণ্ড গালীকান বিজ্ঞাপন্ধানৌ তোমার মঞ্লাথে সঞ্জা বং এলান করি তেছি তদর্থে সানন্দ বিশেষ ইতি।

শিরনামা :

পরম কলগানী তীযুক্ত নীগমনি ঘোদ ভাইনী চির্ভীবের।

গুরুর পিতামহ ও গুরুর মাতামহ এই চুই পরাৎপর গুরু চরুবে পৌজের শিষ্য ও দৌহিজের শিষ্য এই ছুই ঘাজির পত্র লিখিবার ধারা। উৎকৃষ্ট পাঠ। ১০ পত্র।

শীপদপক্ষ জ মনোজ সরোজে বিরাশ বাঞ্ছিত শ্রীগোপী মোহন দেবশর্মাণঃ প্রণামানন্তর নিবেদন্যাদৌ মহাশরের শ্রীচরণ ধ্যান করণৈ: এদীন দাসের মঙ্গুল বিশেষ ইভি।

# ' শির্মামা।'

জাদিকমলাবস্থিত মনোরগুনীয় পরাৎপর পদার্থ শ্রীযুক্ত কর্বানস্বার ভট্টাচার্য্য সধ্যম ঠাকুর মহাশহ শ্রীপদ পদ্ধজেষ্ট্র

ঐপত্তের গুজান্তর। গুরুর পিভামদ ও মা**ভাম**হের উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ১৪ প্রা

ভবং সুগাভিলাফাংক্ষিণ শ্রীশিবশক্ষর দেবশর্ত্তা পর্ম শুভাগীখাং রাশ্যাংসন্ত পরং গোষার জাতুইংশ্রী রুত্তাহ্বদাঙ্গরে নিরস্তর ক্ষীভারে বর প্রদান করিছেছি ভদর্থে কঞানন্দ থিশেব ইতি।

শির্নামা।

সর্ক্রা কুশকঃসম্ভ জ্রীলোপীমোহন চট্টোপাধ্যায় মনোনীফ সিদ্ধের

গুরুব পিন্তামত ও মাতামহাক পত্র লিখিবার ধারা। নৌত্রের শিবা ও দৌহিজের শিধ্যের উক্তি। সামান্য পাঠ াব গাত্র

ভূত্যান্ত্ত্য ভীরাধাচরণ দাস দেবতা প্রণামা শতকোটি নিবেদনফাদৌ মহাশবের জীচরণ প্রসাদাৎ এ দাসানুদা-দের অহিক পার্ত্তিকের নিস্তার প্রং তথ্যৈতে জন্মাকং মক্ষণং বিশেষ। শির্নামা।

প্রম পূজনীয় মৎপ্রাথনীয় জীজীযুক শার্রত্ন ভট্টাচার্যা মধ্যম ঠাকুর মহশিয় জীচরণ শর্মিরহরাজের।

প্রসামান্য পরের প্রান্থার। প্রকার পিতামহ ওমাতামহের উক্তি। ১৬ পত্র। তবং শুভানুকাংকিল কীরড়েশ্র-দেবশর্মাণঃ পরম সুখা- ভিলাষয়:দম্ভ প্রং ভোমার অচলা কমলা দর্মদা দক্ষণা গিরিবালা পাদোপাত্তে একাত্তে প্রার্থনা করিভেছি ভবৈসতে জিব্রানন্দ বিশোষ ইতি। শিবনামা।

সমা শুভাদৃষ্ট বিশিষ্ট ইন্ট নিষ্ঠান্তঃকরণ মৎ প্রান্তিপালক শ্রীল শ্রীযুক্ত রাধাচরণ সরকার। নির্ম্বীবেদু।

জরার শশুরের পিছা ও গুরুর পিদেব পিছা ও গুরুর মেদোর পিছা ইত্যাদি লোককে পুজের দ্বামা ভার শিষ্য ও শ্যালকপুজের শিষ্য এবং শালীপুজের শিষ্য এই করেক ব্যক্তির পত্র লিখিবার ধারা। উৎক্ষী পাঠ। ১৭ পত্র।

ক্ষিত্ত বিষয়াভিলাষ পাশ নিৰাশ নিমিন্ত ছীচ্নণা-জিত ভূত্যানুভূতা ছীরামগোপাল কেবশমাণঃ প্রাণামাসংখ্য নিবেদন্কাদৌ মহাশহেব ছীচ্নগোপালে একান্ত খ্যানাথে অশাস্ত মনঃ শাস্ত করিতেছি তবৈশতে অতানন্দ নিশেষ।

শিরনামা।

পরমঞ্জান খ্যান কস্পানীয় শ্রীরুক্ত তর্গালস্কার ভটোচার্যা মধ্যম ঠাকুর মহাশ্য শ্রীচরবে মনোর্গিতেমু।

ঐ পত্রের প্রভারের।
উপরের লিখিত পুত্রের জামাতা প্রভৃতির শিষা
দিগকে পত্র লিখিবার ধারা।
গুরুর শশুরের পিষা ওগুরুর পিসেব পিতা ও গুরুর
মেশোর পিতা ইত্যাদির উক্তি।
উৎকৃষ্ট পাঠ। ১৮ পত্র।
ভবানকা কুশলাকাংকিণ জীরামনারায়ণ কেবশর্মণঃ

পরম মুখাভিলাবংশস্ত পরং ভোষার মনোভীষ্ট প্রকৃষ্টক প নিদ্ধার্থে কাক্ষণত্বৈ চিত্রার্পিড ছারা নিভ্যবরার্পণ করিতৈছি এতদর্থে অত শুভ্যিশেষ।

मित्रनामा।

তদেষ গুণযুক্ত ইফ পদাভিষিক্ত ভক্তমন শ্রীণ শ্রীযুক্ত রামগোপাল মুখোপাগায় দীন প্রকাশ যশোভালগান ছেনু।

উপরের লিথিক গুরুর শ্বস্তরের পিকা ইভ্যাদিকে পঞ্জ লিথিবার ধার।

भूत्वत सामाजापित छ। एक।

मामाना भारत । ३० भव।

নাশানুদাশ ভদাশ খ্রীগোরীবিলাস দেবশন্দাং সান্টান্ত প্রথতি পুর্ফাচ প্রধামানস্ক সবিনর নিবেদনপাগে শুগ্রীসুক্ত আরাধ্য সংখ্য ভব শ্রীপদ পরবছর আগ্রেম মাত্রে শুগ্রী শুভ বিশেষ।

#### मित्नामा ।

গতি মতি বিহীন দীন দ্বিত ভঞ্জন ধন শীশীবুজা বিদ্যাভূষণ ভট্টাচার্যা ভূতীয় ঠাকুর মধাশয় শ্রীচরণায়ুকেনু।

ঐ ভাষা পত্তের প্রভ্যুতর। উপরের লিখিত ঐ পুজের জামাতার শিষ্য ইত্যাদিকে

গুরুর শ্বন্থরের পিতা ইত্যাদি পরিচেয় উক্তি লিখিবার ধারা।

मामाना পाठ। २० পता।

নিতাভাশীর্বাদক তব অতুল বৈভব চিন্তাকারী শ্রীগোরী শক্ষর দেবশর্মনঃ পর্ম শৌক্ষবাহ্নিত গৌতাগ্য প্রকাশসংসম্ভ

পরং ভোমার পরম কল্যাণ পরাৎপর পূজাক্ষে প্রজ্যাবিধি প্রার্থনা পুর্বক অত পর্যাপ্যায়িত বিশেষ।

#### भित्नामा।

সর্ব গুণাবলম্বিত স্বধর্ম পরিপালিত সুপ্রভিত্তিত জীল জীবুক্ত গৌরীবিলাস গঙ্গোপ্রাথায় भवम ज्ञानकि त्वम्।

গুরুর পিতামহী ও গুরুর মাজামহী ও গুরুর শুলারের মাছা ও গুৰুৰ পিলেৰ মাছা ও গুৰুৰ মেনোৰ মাতা ইত্যাদিকে পত্ৰ লিখিবার গায়। গৌজের শিষা ৩ দৌহিজের শিষা ও পুজের ঋণমাতরে শিষ্য ও পুজের শ্যালকপুজের শিষ্য ও পুজের শালী পুডের শিষা এট কয়েক ব্যক্তিব উক্তি। उद्भाषे भाष्ठ। २३ १.उ.।

ত্রস্ত কৃত্যান্ত প্রদায় জন্য শ্রীচরবেশপান্ত প্রিয়াদী শিকাশীনাথ দেবশব্দাণঃ প্রম চর্ণলাভ ভংলার্থ ভত্তজান পুৰ্কক প্ৰণৰামি শতকোটি নিবেদনগালে ফ্ৰদয় পদ্ধক ভিষিত্ত দলিত তব জীচরণাঝ্রণ ঘ্যান জ্ঞান গেবন মাত্রে অত লরমা**র্য ভত্ত প্রান্থ্যে কিলে**স।

#### मित्रागा।

ছন্তার সংমার পারকারিনী জ্রীতরণ ভরণী প্রমায়িণী পরমঞ্জ প্রদ্বিনী শ্রীপরাৎপরা গুরুপত্রী মাতা ठाकुतानी मध्यमम अनिहिरी मधार्कतन्तु। ঐ পত্রের প্রত্যান্তর।

উপরের লিখিত ঐ সকল পৌজের শিষ্য প্রভৃতিকে পরাৎপর গুরুপত্নীদের পত্র লিখিবার ধারা। পরাৎপর গুরুপত্নীদের উক্তি। ২২ পত্র। মেরুদণ্ডোদ্ভব। মুরারি বল্লভা স্বভাব ভাবাক্রমে ভবাশ্রমে বিরাজমামা প্রার্থনা কারিণী শ্রীমতী তারিণী দেবী পর্ম শুরুলাজভের বিজ্ঞাপনখাদৌ তব অতুল গৌরবোদ্ভব ভবছর ভাগ্যোদয়ে ভাক্তরনায়ে প্রকাশ করিতেছেন দৃই মাত্রে মনোভীষ্টোদরোচন প্রফুলোজ্জন সফল্যিশেষ।

শিরনামা।

দর্ক শাস্তাবদক্ত অশেষ গুণাবলফ্ত ইইভক্ত শ্রীল শ্রীষ্ক মুক্তারাম তর্কচুভামণি ভট্টাচার্য্য মথৈব গুহিপালকেযু।

উপরের নিবিত গ্রের পিভামহী ওঞ্চর মাতামহী ও গুরুর শৃশুরের মাতা ইত্যাদি প্রাৎপর গুরু গড়ীদিপকে পত্র লিখিবার ধারা। উপরের লিখিত পৌজের শিব্য ও দৌহিজের শিব্যওপুজের জামাভার শিব্য ইত্যাদি কথেক ধ্যক্তির উক্তি। শামান্য পাঠ। ২০ পত্র।

্ ভূত্যানুভূত্যসা ভূত্য প্রীক্ষারাম দাস মিত্রস্থ প্রণামা শতকোটি নিবেদনকাণে খ্রীমতী ঠাকুরাণী শ্রীচরণোপান্ত একান্ত চিন্তা পূর্বকে এ ভূরিতের ইহ পরকাল পবিত্র হুর বিশেষ।

#### **लित्रनामा**।

শ্বনান্যগতি মংপ্রতি আশীর্কাদকতী শ্রীপ্রবাৎপর প মধ্যম গুরুপত্নী মাতা ঠাকুরাণী শ্রীচরণারবিন্দেষু। ঐ ভাষা পাঠের প্রত্যুক্তর। পৌজাদির শিষ্য প্রতি পত্র লিখিবার ধারা। উপরের লিখিত গুরুর পিতামহী ইত্যাদি উক্তি।
। ২৪ পত্র।

প্রভ্যাবধি পরাৎপরি অচ্চনানন্তর নিরস্তর আশীর্কাদ

প্রদায়িনী শ্রীমতী কাত্যারণী দেবী পর্ম কুশলংস্কু বিজ্ঞা-প্রঞ্জানে ভবৈব কুশলাভাতিরে অত্র কুশলবিশেষ।

শিরমাগা ।

नना माधुमक श्रिय मना मनाश्चिय शहय कलागिय দ্রীল শ্রীযুক্ত বৈকুণ্ঠনাথ কণ্ঠাভরণঃ মদৈব শ্বরণ र्ां अव्र ७व्।

গুকার পিভাকে প্ত্রের শিষাদের পত লিখিনার ধরে।। भूटलत भिटवाद डेकि। छेरक्छे भावे। २६ शद।

জীত্রণোপান্ত প্রিয় জীপ্রতাপনারায়ণ দেবপর্ম , এণম্য সত্ত প্রমন্তত্ব প্রাপ্তার্য নিবেদমধ্বানৌ শীলীপ্রমন্তর্য গ্রাকুল वश्लय श्वयानीकां प्रकानित्ये कनार्य मीमराउन्त मानम भिश्वतं १४ विटमच ।

#### भिव्यक्षण :

পরম জানোপিত কুণাবলম্বিচ নিজ্যাতা পুঞ্ছি ন্ত্রিপরস্থার টাকুর স্থাশ্য জীচরণ মন চিন্তনেষ্। প্রভু:ভর :

পুত্রের শিষ্যকে পাঠ হিছিন্দ ধারা। গুরুর পিছ'ব উক্তি। हिट्ट्रस्ट भाग। २७ गडा।

ভবৈৰ যশঃ পৌৰুষ প্ৰকাশ প্ৰিয়াশালাংকিন জীপাত্ৰ-লোচন দেবশ্যাণ: পর্ম কুশ্লংবভ বিজ্ঞাপন ঞাণে তেমার মহোলতি প্ৰপতি প্ৰকৃতি প্ৰত্যাৰ্য কৰিছেছেৰ ভাৱা-তে ভাত্ৰ ভাত সিম্মে।

#### শিরনামা।

প্রমপদ ভাবক স্থাবক প্রাণাধিক্যা প্রাণাধিক নেবক মৎ প্রতিপালক শ্রীনপ্রীযুক্ত প্রভাপ নারায়ণ মুথোপাধ্যার চিরুজীবেয়।

के छेपदात निधिष्ठ

গুরুর পিছাকে পুরুত্তর শিষ্টের পত্র লিথিবার ধারা।

পুত্রের শিব্যের উক্তি। নামান্য পাঠ। ২৭ পত্র।

সেবকারু সেবক প্রীমৃকুকরাম দাসবস্থ প্রণামা শক্তসহস্র নিবেদনগুলো মহাশয়ের প্রীচরণ ধ্যান পুঞ্জক এ ভূচ্যানু-ভূচ্যের প্রহিক পার্ত্তিফের নিস্তার বিশেষ।

लिइनाना।

পরম পৃঞ্জনতা পুজনীয় শুগ্রিগীলর্মজ্যু ঠাকুর মহাশয় শ্রীপদ শ্বজেবু।

ঐ দাম্ন্য পাঠের প্রভান্তর। পুজের শিলেনর প্রতি গুরুর পিতার পর্র শিলেনার ধানা। গুরুর পিতার উদ্দি।

। २४ भद्र ।

व्यवना भूगानीकामक खोकाताएतन स्वनानं नः भत्यामू यः त्रकृ विकाभनकारमी दशयात सोजारणामश्र यनः अमा-वार्ष्य वाका कहिरकां कार्य अकामम विरमय।

> পরম কল্যাণীয় জীযুক্ত সূকুন্দরাম ঘোষ 🦠 সামন্দ বিলাপেয়ু ৷

গুরুর মাতুল ও গুরুর খণ্ডর ও গুনুর মেরো ও গুরুর পিদে এই কয়েক গুরুলোককে পত্র লিখিবার ধারা। উপরের লিখিত

ঐ গুরুর ভাগিনের প্র হৃতির শিষ্যদের উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ২৯ পত্র।

ভবাশিত জন শ্রীচরণারবিদ্দে মকরক পানানক ক্রী ভালিকুল স্বৰূপ শ্রীৰূপ নারায়ণ দেবশর্মণঃ বৃদুমতি লুঠনা ভিদিক্ত প্রণতি সংখ্যাতিরিক্ত নিবেদনঞ্চাদৌ মহাশারের শ্রীচরণ অরণ ধ্যান জ্ঞানোৎপলে আকর্ষণ মাজানুসারে অত্য শুভবিশেষ। শির্মাম।

প্রচণ্ড কালদণ্ড খণ্ডন জনাপ্রিরং প্রম পুরুনীয়ন্ত পুর্জনীয় শ্রীভিকলিন্ধার ভট্টাচার্য্য মধাম ্ঠাকুর মহাশঙ্গ শীচরণ সর্লিক্লংরাজেন্। গুরুর মাতাকে পুরুর, শিষ্যের পত্র নিথিবার ধারা। পুরুর শিষ্যের উক্তি। উৎকৃষ্টি পাঠ। ২০ প্রা।

क्रीहर्व श्रमानकार्य पानावृत्तां क्रीश्रितिसाहन (परणक्षीः श्रमा लक्ष्म श्राह्म क्रिकां क्रिया लक्ष्म श्राह्म क्रिया क्रिया क्ष्म श्रीष्ट्र क्ष्मिया क्रिया क्ष्मिया क्ष्मिया

चित्रमाभा ।

ধর্মাদি চতুষ্টম সদা পরমাশ্রম প্রদায়িনী পরাৎপর প্রন-বিনী শ্রীশীগুরুষাতা ঠাতুরাণী শীচরণ তর্ণী

> ভবার্ণবোজীন সম্বাবনের। উৎকৃষ্ট পাঠের প্রভ্রান্তর।

পুজের শিষ্যকে গুরুর মাতার পত্র লিখিবার ধার।। গুরুর মাতার উক্তি। ২১ পত্র।

অচ্যতানন্দ অর্জনৈত্বির অতুল বৈত্ববর প্রাণ্ডোদ্ধর বর দারিক শ্রীমতী হর মুন্দরী দেবী পরম কুশলঃসম্ভ বিজ্ঞাপন-গোদৌ ভোমার-সৌভাগ্য প্রকাশার্থে স্বত্ত্ত্থাবলম্বিত প্রক্ ভিরমা পরমানন্দে বিশ্রামে তবার্ত্রমে বিরাক্ষমানা তব্য তে অত্যানন্দ বিশেষ।

#### শিরনামা।

প্রাণাধিকার্মজ জাশীর্বাদ সরোদিজ আকাংকিত জন
সৌভাজন শ্রীযুত হরমোহন বন্দ্যোপাথায়

পরমাত্মতত্তে প্রমত্তেরু।

্গুরুর মাতা ঠাকুরাণীকে পত্র লিখিবার ধারা।
পুজের শিব্যের উক্তি। নামান্য পাঠ। ৩২ পত্র।
অনিত্য সংসারার্গবোত্তীর্ণ পদাবনত ভ্ত্যানুভ্ত্যস্য এচ বানন্দ দন্তস্য প্রণান সংখ্যাতিরিক নিবেদন্ধাদৌ এদতীর এচরণসরোজে মনঃ মধুকর নিরস্তর ভৃগুান্তর্কিশেষ।

শিরনামা।

প্রচণ্ড ভগনামন সন্ধোচ সংহারক পরম পুর্বনীয়া প্রিত্রিঞ্জনাভা ঠাকুরাণী প্রিচরণ শরণাকাংক্ষিভেন্ত।

ঐ দামান্য পাঠের প্রভাতর। পুজের শিষ্যদিগকে পত্র লিথিবার ধার।। গুরুর মাজার উক্তি। ১০ পত্র।

অতুল বৈভব ভবস্ত ভাবিমী শ্রীমতী হরসুন্দরী দেবী শ্রীক্রীক্রমারদত্ত পরম মহত্বলাভঃসস্ত বিজ্ঞাপনফাদৌ ভোমার মঙ্গল পূর্বকে অত্যক্ষল বিশেষ। শিরনামা।

সাধনাৰ্থ সিঞ্চিত্তন স্মর্থকারী প্রীয়ুত ভবানন্দ দাস দক্ত পর্ম কল্যাণ্বরেন্

গুরুর মাতৃলানী ও পিনী এবং মাবী এই করেক মহা গুরুপত্নীদিগকে পত্র লিখিবার ধারা। ভাগিনের স্থামাতা ভ্রাতম্পুক্ত এবং ভ্রমিপুজের শিষ্য এই করেক ব্যক্তির উক্তি। উৎকৃষ্ট প্রাঠ। ২৪ পত্র।

পর্মপদ্দশিতিকন নেবিভ @পেদারবিন্দ বাঞ্চি 🕮 রমা

নাথ দেবশর্মাণ: অশ্বজনার্জিত পাতিতা, নিবার্ণ নিমিন্ত পদাবনত পূর্বক শতং নিবেদনগোদৌ শ্রীমতীর গ্রের আশী বাদে নির্ভ শ্রীচরণাগ্রিতের নক্ষিয় শুভিয়িশেষ।

শিরনামা।

ভবঘোরভীষণ নাশন কারণ শ্রীচরণ স্মরণাবলম্বনদাত্রী 🦣 পরাৎপর পরাক্রী শ্রীশ্রীপরম গুরুপত্রী মাভা ঠাকু রাণী পার্বত্রিক নিস্তাহের যু

वे उरक्षे भारतेत्र खड़ाखतः।

আদিনের এবং জামাভার শিষ্য ইত্যাদি উপরের লিথিত। এই কয়েক ব্যক্তিকে পত্র লিখিবার ধারা।

উপরের লিখিত গুরুরমাতুলানী এবং শাশুড়ী ইভা।দি করেক ব্যক্তি মহাগুরুপন্তীর উক্তি। ৩৫ পত্র।

সদা সর্বদা প্রীকান্ত প্রীচরণার বিন্দ্র সেবিভা কমলাচরণ পরিপালিতা প্রীমতী কাত্যারণী দেবী পরম সুগাভিলাখো-দুব ভাগাবর বিজ্ঞাপন্থাদৌ তব শুভলাভান্তরে মখৈন কুশলমিশেব। শিরনামা।

कोরোদার্শবোদ্যবাণাক্ষপানি বল্লভা স্থিরভবাইনং বৈভবা কীন মনৈব প্রতিপালনকারী শ্রীরমানথ বন্দ্যো-

পাধ্যায় পরম কল্যাণবরেয়।

**छेलदात विश्विष्ठ**।

গুরুর মাজুলানী শাশুড়ী প্রভৃতি ইড্যাদি মহাগুরু-পত্নীদিগকে পত্র লিখিবার ধারা। ভাগিনের এবং জামাভার শিষ্য ইড্যাদির উক্তি। সামান্য পাঠ। ৩৬ পত্র।

त्मरकानूदमरक बीतामक्लाल मामरमू ।

প্রামা শত সহস্র নিবেদন্ঞাণে প্রীশ্রীঠাকুরাণীর প্রীচরণ । প্রাম্পুর্কক এ দাসানুদাবের স্কাত্তিক সকল হয় বিশেষ।

### ि १८८८ १८ **भित्रमाम १**८८ १६ ८८८ ।

প্রামীপরম গুরুপত্নী মধ্যমা মাতা ঠাকুরাণী প্রতির্গার্থিসভয়েন্।

ঐ সামান্য পাঠের প্রভান্তর।! গুরুর মাতুলানী এবং শাশুড়ী ইত্যাদি মহাগুরুপড়ীর উক্তি। ৩৭ পত্র।

ভক্তিরত্ন ভরণাকাংকিনী গ্রীমতী ভুবনেশ্বরী দেবী। পরম শুভাশীর্কাদ বিজ্ঞাপন্থানো ভোমার মঙ্গল শ্রীগ্রীণ ভানে প্রার্থনা করিছেছি ভাগতে অগ্রানন্দ হয় বিশেষ।

#### **मित्रनां**मा।

পরম কল্যাণীয় সদাঞ্জিয় স্বধর্মাঞ্জিয় জীয়ুক্ত রামত্রাল বসু সরলাভঃকরণেরু।

গুরুর ভগ্নীপতির শ্বালিপতির শিষ্য ইত্যাদির উক্তি।

তি প্র ।

নিভাস্থ পদাবনত ভূতা শ্রীহরেক্কণ দেবশর্মণঃ। প্রণামা পরমতভূজনানিবেদনগোগে মহাশরের শ্রীচরণ স্মর পাভরণ গ্রহণমাত্রে অত শুভ বিশেষ।

#### শিরনামা।

জারাধীয় পরম পুজনীয় জ্যেষ্ঠ মুখোপাধ্যায় ঠাকুর মহাশয় জীচরণ কমলোপাত্তেরু।

> ঐ উৎকৃষ্ট পাঠের প্রভাবর। উৎকৃষ্ট পাঠ।

উপরের লিখিত ভালকের শিব্যদিশের পত্র লিখি-বার ধারা।

গুরুর ভগ্নীপভ্যাদির উক্তি। তন পত্র।

माशतांक विदायकात्रवनात्रं वृत्यामात्रिक धामना वेतमा क्व इव मर्केनः व्यानीकीन धानात्रैक अठ्ठाकामक स्वयम्बनः शतम ্মক্লংসম্ভ বিজ্ঞাপৰঞ্চাদৌ ভোমার বিপক্ষ প্রকাইশ্রভাক লাভি স্থাপক্ষপক্ষে জয়তি প্রীপ্রীথ করিভেছেন প্রক্রমারে ত্র ভাত বিশেষ।

শিৱনামা।

পরম প্রিমবর পদাবিন্দানন্দিত জীযুক্ত হরের্ফ চট্টোপাধ্যায় কমলানুগ্হীতেলু।

উণরের লিখিত।

ঐ গুরুর ভন্নীপতি এবং শ্লালক ইত্যাদিকে পত্র লিখি বাব ধারা। শ্লালক ভন্নীপতির শিষা ইত্যাদির

উব্তি। ৪০ পত্র।

প্রতিরণাপ্তিছ সেবক জীজাজারাম লাস দেবসা। প্রণামা সম্ব্যাভিরিক্ত নিবেদমঞ্চানৌ মহাশ্যের জীচরণারা-ধন শারেন্সত্র মঙ্গল বিশেষ। শিরনামা।

মমার্জনীয় পরন পুজনীয় জীমধাম চট্টোপাধায় ঠাকুর মহাশয় জীচরণামু জেযু।

ঐ শামান্য পাঠের প্রভাজর

শুরুর ভ্রীপৃতি খালক ইভাদির উক্তি। ৪১ পত্র।
অচিন্তাচিন্তা পুর্নক নিয়ভাশীর্লাদক শ্রীগোলোকচন্দ্র দেব
শর্মণঃ পরম শুভাশীর্বাদ বিজ্ঞাপনগুলাগে ভোমার মুন্ধির।
বাজনক্ষী শ্রীশ্রী। করিতেছেন ভাহাতে অ্রানন্দ বিশেষ।
শিরনামা।

পাপাংশ বহিষ্ক অশেষ গুণাবলম্বিত শ্রীযুক আতারাম সরকার সমাশ্রমের।

গুরুর ভ্রান্তাদিগকে পত্র লিখিবার ধারা। ভ্রান্তার শিব্যের উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ৪২ পত্র। ভবোঙীর্ণত্রয় বিনাশ আশ্বন্য শর্ণ্য দাস শ্রীকৃত্তিবাস দেবশর্মণঃ প্রমচরণলাভ ভাষার্থ বিজ্ঞাপনকালের মহাশ বের জীচরণ করণনাতে অত্যাপ্যায়িত বিশেষ।

**শित्रनामा**।

অনিত্য পাতিত্ব পরিরতাত্মক সুকৃতিজনক কর্তৃক পাসংহ পর ঠাকুরাঞ্জর জীজীঠাকুর মহাশহ জীচরণ স্মরণ প্রদানেয়ু

গুরুর জ্যেষ্ঠ ভাতাকে ঠাকুরাগ্রজ বলিয়া লেখা যায় বদ্যালি ঠাকুরের কমিষ্ঠ ভাতাকে লেখে ভবে জীজীচাকুরা-নুজ ঠাকুরমহাশয় শ্রীচরণ স্মরণ প্রদাদেদু

লিখিরা অর্থাৎ শ্রীশীঠাকুরের জন্ম না লিখিরা অনুষ লিখিবেক ঐ পাঠের প্রভ্যুত্তর ঐ উপরে লিখিছ।

ভ্রাতাদির শিষ্যদিগকে পত্র লিখিবার ধারা।

গুরুর ভাতার উক্তি:। উৎকৃষ্ট পাঠ। ৪০ পত্র।

জ্বিসরোসিজাবস্থিত বীজতন্তাদি ব্যাপিত জন সাধনা নস্তর অতিরিক্ত বরপ্রদায়ক পরমতত্ত্ব লাভ ভাব প্রমাশী-কাদক শ্রীভৈরবচন্দ্র দেবশর্মণঃ চিভান্তন্ম বিশিষ্ট নরপ্রেষ্ঠ স্থাভীই অঙ্গনে প্রকৃতিক্পাংশে সদা বৈভব বিজ্ঞাপন্তা। দৌ ভোমার অনিষ্ঠকার জনার সংহারভাব গ্রহণে অত্রপক্ষে শুভহিশেষ।

পরম পদারবিন্দ ভাবকস্থাবক পরমপ্রিয় সেবক শ্রীযুক্ত শ্রীনিবাদ গঙ্গোপাধ্যার দদা দানন্দবরেযু। উপরের লিখিত।

গুরুর জাতাকে পত্র লিখিবার ধারা। আছার উক্তি। সামান্য পাঠ।

ক্রিরণাত্রিত দেবক জ্বিপুর্বরাম দাস নিত্রস্য।

33

अशोगा मक्यस्य निरंबस्यकार्यः यहांसरप्रत्निव्यक्षनीर्यः अस्तिम्हारमतः सम्बद्धः विस्ति ।

> পরম পুলনীয় ঠাকুরাএল কিয়া ঠাকুরানুল ঠাকুর । মহাশয় শ্রীচরণে মনোর্গিভেব, ।

ঐ সামান্য পাঠের প্রভাগ্তর। ভাতার শিষ্যকে পর্ত্ত লিখিবার ধারা। গুরুর ভাতার উক্তি। ৪৫ পত্র।

নিভান্তাশীর্বাদক প্রীপভয়ানক দেবশর্মণঃ। পরম ওভাশীর্বাদ বিজ্ঞাপনঞ্চাদৌ ভোমার মলল প্রীয়ী/ ভারা প্রার্থনা করিতেছি তাহাতে অত্যানন্দ বিশেষ।

শিরনাম: ।

পরম কল্যানীর প্রীযুত অপুর্বার মিত্র চিরজীবেদ্য

গুরুর জ্যেষ্ঠ ভ্রান্ডার পারী ভাত্তবধু ভগ্নী শ্যালকপারী এবং শ্যালী ইত্যাদিকে পত্র লিথিবার ধার।। দেবরের ভাশুরের ভ্রান্ডার নন্দাইর এবং ভগ্নিপ্তির শিষ্য ইত্যাদির উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ।

৪৬ পতা।

পদাজিতভ্তা শ্রীপার্বতীশস্কর দেবশর্মা:। প্রাণামাসঙ্খা কোটি নিবেদনঞালে আপনকার শ্রীচরণ আ-শ্রমাত্রে এ দীনদাদের শুভদ্য প্রকাশ্য হয় বিশেষ। শিরনামা।

পরমাশীর্কাদ প্রদারিনী পরম পুজনীয়া এ এ এরপত্নী
মাতা ঠাকুরাণী এ চরণারবিন্দেষু।
গুরুর জ্যেষ্ঠভাতার পত্নী মাতা ঠাকুরাণী গুরুর স্বদা মাতা
ঠাকুরাণী গুরুর শ্যালকপত্নী এ এমহাশ্বের শ্যালকপত্নী
মাতা ঠাকুরাণী ইত্যাদি ক্রমে ক্রমে লিথিবেক।

উপরের লিখিক উৎক্ষী পাঠের প্রত্যুত্তর। ঐ দেবরের আক্ষরের শিষ্য ইত্যাদি করেক ব্যক্তি কে পত্র লিখিবার ধারা।

গুরুর কোর্ডভাতার প্রত্নী এবং ভাত্তবধু ইত্যাদি করেক স্ত্রীলোকের উক্তি। ৪৭ পত্র।

ভক্তি ভাবাদি লাভাকাংকিত। শ্রীমতী সুরধুনী দেব্যা পরমোৎকৃষ্ট সুখলাভ ভাবে সুখী ভবতীতি বিজ্ঞাপন কাদৌ তোমার প্রকৃষ্টকপ মঙ্গলাচরণ চিন্তাপূর্বক ভাত্র মঞ্চল বিশেষ শিরনামা।

পরম পদার বিন্দবলম্বিত সুপ্রতিষ্ঠিত ঐযুত পার্কিতী শঙ্কর ভট্টাচার্য্য মৎপ্রতিপালকেনু। ঐ উপত্রের লিখিত।

পুরুর জ্যেষ্ঠভাতার পদ্ধী ভাদ্রেন্ড শ্যালকের স্থী শ্যালী এবং ভলিনী ইম্যাদিকে পত্র লিখিবার ধারা। উপরের লিখিত দেধরের ভাশ্তরের শিষ্য ইত্যাদি কয়েরু ব্যক্তির উক্তিঃ। শামান্য পাঠ। ৪৮ পত্র।

পদাজিত দেবক জীবলরাম দাস ঘোষতা। প্রধামা নিবেদনগুলো আপনকার শ্রীচরণ ধ্যান পুর্বাক এ দেবকের মঙ্গল হয় বিশেষ।

#### শিরনামা।

শরম পুন্ধনীরা পরাৎপরাগ্রন্ধপাত্নী কিয়া জ্রীক্রর স্বসা কিয়া গুরুর শ্যালকপত্নী ইত্যাদি রূপ লিখিরা যাতা ঠাকু-রাণী জ্ঞীচরণ সরোক্তেম্বু।

উপরের লিখিত ঐ পত্রের প্রত্যুত্তর। ভাসুরের এবং দেবরের শিষ্য ইত্যাদিকে পত্র লিখিবার ধারা। সামান্য পাঠ।

গুরুর ল্যেষ্ঠভাতার পত্নী ক্লুকর ভাতবধু গুরুর শালী ওশ্যা-

লকপত্নী এবং ভাগিনী ইত্যাদির উক্তি। ৪৯ পত্র।
সদা ভভানুধ্যায়ী শ্রীমতী হরসুন্দরী দেবী।
পর্ম শুভাশীবাং রাসরঃসম্ভ বিজ্ঞাপনগাদৌ ভোমার মঞ্চ ল শ্রীশ্রী/ করিভেছেন ভাহাতে অত্রানন্দ বিদেশ।

णिइनामा।

পারমকল্যাণীর শ্রীবলরাম এজ চরভীবেদ্।

শুরুর ভ্রাভঃগুল্ল ভাগিনের শ্যালকপুল্ল শ্যালিপুল্ল এবং আমাভা ইত্যাদিকে পত্র লিথিবার ধারা। খুড়া ও জ্যোঠার মাতুলের লিনের মেনোর এবং স্থান্টরের শিষ্য ইড্যাদির উল্লি। উৎক্ষুষ্ট পাঠ। ৫০ পত্র।

শ্রীচরণারবিন্দ হাঞ্ছিত পদাবনত তীবুত প্রভাপনারায়। দেশপর্যাণঃ পরম চরমকাল ভাবার্থ পুর্থাণভাহং নিবেদন-ফাদৌ মহাশবের শ্রীপাদ প্রাবাশ্রয়মাত্রে অত্র শুভিদিশেষ। শিরনামা।

বিমল কালকল কলুশাঙ্ক্ শ নারভত্বত্ব কৃতি প্রির শীম পামঠাকুর ঠাকুরপুত্র মহাশর কিয়া ভৃতীর ঠাকুর মহাশর কিয়া যেমন পরিজের হন গুলুঠাকুরের আতপ্পুত্রদিগকে এই রূপে লিথিবেক। আর গুলুর ভাগিনের এবং ছালক পুত্র প্রভৃতিকে মধ্যম চট্টোপাধ্যার ঠাকুর মহাশর কিয়া জার্ড বন্দ্যোপাধ্যার ঠাকুর মহাশর গ্রীচরণোপাত্তে নিভাত্ত সুজনেব্।

ঐ উৎকৃষ্ট পাঁঠের প্রভাগের।
থুড়া জোঠা মাডুল এবং শশুর ইভ্যাদির শিবাদিগড়ে
পত্র লিখিবার ধারা।
গুরুর ভাঙ্গিত্র ভাগিনের এবং সামাভা ইভ্যাদির

ু উক্তিঃ ৷ ৫১ পত্র ৷

সুমকলার্থ উদ্ধ নিভাগাধক নিভান্তাশীর্কাদক প্রীক্ষানন্দ চন্দ্র দেবশর্মণঃ প্রম শুভাংশু আশু প্রকাশ মনন বিজ্ঞাপন ফাদৌ ভোমার ঐহিক পার্ত্তিক গাড়িক স্থাপনামস্পলে অন্ত মকলং বিশেষ। শির্মামা।

মনঃ নয়নোৎপল প্রফুলাকার গৌরভ শ্রীযুভ প্রভাপ নারায়ণ চট্টোপাধ্যায় চিরজীবেদু।

গুরুর জাতপ্র ভাগিনের এবং জামাত। ইত্যাদিকে পত্র লিখিবার ধারা।

খুভার জ্যেঠার মাতুলের এবং শশুরের শিখ্য ইক্যাদির উক্তি। সামান্য পাঠ। ৫২ পত্র।

**শেবক জীরাধানাথ দাস ঘোষস্তা** 

धाना निर्वयनकारमः महाभरत्रत्र जी हत्र तालास्य अकास धान भूक्षक अमानानूमारमत्र ममस्य मक्ल इत्र विराम ।

শিরনামা।

পরম পূজনীয় জ্ঞীযুক্ত জ্যেষ্ঠ ঠাকুর পুক্ত মহাশয় জ্ঞীচরণে মনোর্পিভেচু।

গুরুর ভাতপু জনিগকে এই কপ লিখিবেক আর গুরুর জানিনের কিয়া জামাতাকে মধ্যম চটোপাধ্যার কিয়া বল্ল্যোপাধ্যার মহাশ্য জীচরণ কমলেয়ু।

ঐ সামান্য পাঠের প্রভাবর।
বুড়ার জাঠার মাজুলের শশুরের শিষ্য ইত্যাদি
কর্মক ব্যক্তিকে পর্ত্ত লিথিবার ধারা।
গুরুর ভারুপুজ এবং ভাগিনের ইত্যাদি করেক
ব্যক্তির উল্ডি। ৫০ পর্ত্ত।
প্রতিপান্যাশীকাদক প্রীজানন্দক্ত দেবশর্মাণঃ।

> 5

পরম কুশলঃসম্ভ বিজ্ঞাপনঞালো ভোমার মঙ্গল জীজী।
করিতেছেন ভাহাতে অতানন্দ বিশেষ।

শিরনামা।

পরম পূজনীয় প্রীযুভ রাধানাথ ঘোষ চিরজীবেছু।
গুরুর গুজুবগু ভাতপা, জবগু ভাগিনেয়বগু শ্যালকপুত্রবগু
এবং শ্যালীপুজুবগু এই ক্রেক ব্যক্তির গুরুদম্পর্কায় স্ত্রী
লোককে পত্র লিখিবার ধারা।

জীলোকের জ্যেষ্ঠ শশুরের খুড়া শশুরের মামা শশুরের পিরশংশরের এবং মারশ্বস্থারের শিষা ইড্যাদি করেক কাজিন শিষ্যের উজি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ৫৪ পত্র:

প্রতিরণপ্রিত ভূত্য প্রীরুন্দাবনচন্দ্র দেবশর্মণঃ। প্রণামাসন্থ্য নিবেদনগোদৌ শ্রীমতীর শ্রীচরণোপাত্তে ভ্র বাস্ত শ্রুকীভঃকরণ মিদং বিশেষঃ।

मित्रनामा।

পরম পুজনীয়া জ্রীমতী গাঁকুরপুত্রবধু লাভঃপুত্রবধু এবং ভারিপুত্রবধু ইত্যাদি মাতাগাঁকুরাণী জ্রীচরণ পক্ষকে মনোপিতেব।

ঐ উৎকৃষ্ট পাঠের প্রত্যুক্তর। উপরের লিখিত গুরুর পুত্রবন্ধ আদি করেক স্ত্রীলোকের উক্তিঃ।

ec शब ।

জন্ত সুকুশলম্থ তবতি ইতি বদতি শ্রীমতী তারিংী দেবী পরম শুভাংশু সুধাংশু তুলা যশোভব প্রিয়াস বিজ্ঞা প্নঞ্চাদৌ তোমার সুমকল ঘটিতাক্ষর বাটিত পঠিত পুর্বাক অপুর্বানশোদ্রব মিদং বিশেষঃ।

### শিরনামা।

স্বধর্ম দক্ষতা জনকতা শক্তি বিশিষ্ট অনুরক্ত বিমৃক্তান্তঃ করণ শ্রিবুক্ত গৌরীচরণ মংচটক নাট্যাদি অন্তীদশ

भूत्रान श्रद्धारमणु ।

উপরের বিধিত ওকর পুজবধু এবং জাতঃপুজবধূ ইত্যাদি ঐ পঞ্চ স্ত্রীকোককে পর

লিখিবার ধারা:

স্থীলোকের শশুরের শিখ্যাদি ঐ উপরের লিখিত পঞ্চ জনার উল্লিঃ। সামান্য পাঠ। ৫৬ পত্র।

নেবক জীনেবকরাম দাস মিত্রসা।

প্রণামা শতসহস্ত নিবেদনকালে আপানকার শ্রণমাত্ত অত নঙ্গল বিশেষঃ।

#### भित्रवाया ।

পরম পুজনীর। শ্রীমতী মধান ঠাকুর পুজ্ঞপত্নী মাতা ঠাকু-রাণী কিয়া উপরের লিখিত ঐ সকল উল্লেখ করিয়া লিখি-বেক অমুকী মাতা ঠাকুরাণী শ্রীচরণোপাত্তেযু।

নামান্য পাঠের প্রভ্রান্তর।

জীলোকের খণ্ডরের শিখ্যাদির উপরের নিধিত ঐ পঞ্জনাকে পত্র লিখিবার ধারা।

গুরুর পুত্রবধু ইন্ড্যাদি উপরের লিখিত পঞ্জন। ক্রীলোকের উক্তিঃ। ৫৭ পত্র।

অবশা তদ্য প্রতিপালিত। শ্রীমতী পার্মতী দেবী পর্ম শুরাশীর্মাদ বিজ্ঞাপন্ধাণে তোমার মঙ্গণ নিয়ত প্রার্থনা করিভেছি ভাষাতে অত্র মঙ্গল বিশেষঃ।

#### শিরনামা ।

স্বৰ্গাপ্ৰশাদি প্ৰয়াস নিমিপ্ত সত্তপথাবিলম্বিত শ্ৰীযুক্ত
শীতানাথ চটোপাধ্যায় সুক্তৰৱেলু।

### WINCE THE PROPERTY OF THE PROP

### গুরুর গুরুপিতা গুরুর গুরুসালা এই কয়েক ব্যক্তিকেই পত্র নিধিধবার ধারা।

निर्यात निया भूक এवः भिर्यात्र भिना हेकाभित्र छेकिः। छेदक्के शार्थ। त्यथक छ नामाना

(मथक हेक्यां कि।

লকলে লিখিলে শন্তৰ হয় একারণ বাছলা না কৰিয়া সংক্ষেপে লিখি। ৫৮ পত

ভূত্যানুভূত্য শ্রীবসন্তক্ষার দেবপর্যাণঃ প্রকাশ শক্তসহস্ত্র নিবেদন্দান্তী শ্রাপনকার শ্রীচরণ ধ্যান বুজাই এ দীন্দাসের জৈহিক পায়ার্তিকর নিস্তার হয় বিশেষ গুরুত্ব গুরুপিতাকে এবং গুরুত্ব গুরুতক।

#### भित्रामा।

অসার সংশার নিস্তারকর্তা কর্ত্ত্ব পুলিত শ্রীশ্রীনহাগুরু ঠাকু রমহাশর শ্রীসরণোপাত্তেরু।

のかな おしまになり

#### **শि**ड्रवामा ।

অনার বংগার ভারক কর্তৃক পুদ্ধিতা দ্রীন্রমহাগুরুপত্নী মাক্তা ঠাকুরাণী জীচরগোগান্তেতৃ।

ঐ পরের প্রভাতর।

গুরুর গুরু গুরুর পিতা এবং গুরুর ন্রুমাতা এই ভিন ব্যক্তির উক্তিঃ।

সৌভাগ্য সৌরভ গৌরবাতুল লাভ ভব ভবইব চিস্তা-কারী প্রীয়ুরারিচরণ দেবদর্মাণঃ কিয়া যদি স্ত্রীলোককে লিখেন ভবে জ্রীনভী অনুকী দেবী প্রম শুভাশীশাং মঞ্চলঃ বস্তু বিজ্ঞাপনঞালে ভোমার ধন জন নম্মন দিন জ্রীর্দ্ধা

र्ने **काटन आर्चना भूक्टिक शत्रमाशात्रिक विरम्य**।

The state of the s

ভাবক ভাবকু -প্রাণাধিকবর প্রিয়বর সৈবক প্রীয়ুত বসস্ত কুমার বিন্দ্যোপাধ্যার অশেষ গুণার্ভেন্তু। গুরুর গুরুপুত্র গুরুর গুরুর গুরুর গুরুকন্যা এবং

গুরুর জামাতা পিতার পিবার শিবা এবং শব্দের কিন্তার শিবার শিবার শিবা ইত্যাদির উক্তিঃ।

त्वकाशिक (भएकना त्वक शितंबकताथ (मनणायनः व्यवंधा शहाद भूच व्यत्यांच श्रावंबीय श्रमात्रिक वित्यस्य कारमे यहायायत्र रिन्दा जीत्वाकत्क गमि विश्वितक हम करन श्रीकिटाकृति हो के कि हन व्यवश्याय प्रात्य करन मारेट्य मार्काहिक्यांची शिक्तित्व व्यवश्याय प्रात्य करन मारेट्य करवद श्रीक मूर्णान्तिक वित्यया व्यवस्था व्यवस्था । क्रमायक मरक्षा वार्तिक स्थात स्थात्र विद्यार कि प्रदेश्या

কিস্বা ঠাতুর নহাশয়গঃ ঠাতুব ভাষাত। ঠাতুর নহাশ্র ভীচরণ সর্লেরহ্বালের ,

জার ঠাকুরের ঠাক্ব পুজবধুকে শিরনামা লিখিবে ১৮চুর মহশিষ্যা ঠাকুরপুজ্বধ্ মাভা ঠাকুরাণী

ত্রীষ্ণর পোপাত্তে মনোর্গিতের। ঠাকুর মহাশয়ঠাকুর কন্যাকে লিখিবেক ঠাকুর মহাশয়ত্র ঠাকুর কন্যা মান্ধ। ঠাকুরাণী জ্রিবন

कमलबद्ध मनः मश्टराद्याषु ।

প্রভাগের। ঠাকুরের ঠাকুর পুজ ঠাকুরের ঠাকুর পুজবধু ঠাকুরের ঠাকুরকন্যা ঠাকুরের ঠাকুর শীমাতা ইভ্যাদির উক্তি।। ৮০ পঞ্জ।।

স্বৰ্গাপৰৰ্গ দৌজাগঢ়ানি প্ৰাপ্ত ভৰ্তৰ চিন্তাকারী প্রিয়-কুন্দবল্লভ দেবশর্মণঃ অভিন্তঃ চিন্তাৰ্গৰ নিঞ্চিতেত্তিৰ ধন প্রাপ্ত জন্য ভয় ভার পূর্বতে নিঃভর আয়ীর্ক্তি করি। তেছি ভত্তে অত্যানস্থ বিশেষঃ।

পরমাজভজু ভাবক নিভ্য সেবক জ্ঞীনেরকরাম চক্টোপাধ্যায়:
সমাজভজু ভাবক নিভ্য সেবক জ্ঞীনেরকরাম চক্টোপাধ্যায়:

ঐ অর সম্পর্কীয় অন্তঃভূত তাবং ব্যক্তিকে পাঠ ও শিরনান। পৃথক পৃথক লিখিতে অভিশ্য বাছ্না হয় একারণ
গুরু সম্পর্কীয় সমাপন করিলান কিন্তু সংক্ষেপে দংগ্রহ পাঠা
দি হইছে নির্মন্ত কারো বিবেচন। পূসক নিবিলে গুরুর
নৈকটা সম্পর্কীয় ও অপরাপর জীলোকে ও পুরুষ ভাবং
কে পত্র লিখিবার পাঠাপাঠ প্রকৃত হল সমাপন ইইছে
পারে অভএব গুরু সম্পর্কীয় সামান্যতং রচনা করিয়া অ
ন্যান্য পাঠাদি বাছ্লা ত্রপ ভিবেদন করিছেছি।

श्यम श्रेष्ट नमालः ।

'ধতীর খণ্ডারড়া!

---

আত্ত সন্পঞ্জী র

পিতামহকে ও মাতামহকে পত্র লিখিব'র ধারা।
্পুক্ত ও দৌহিজ এই তৃই ন্যক্তির উক্তি।
।। ৬১ পত্র।।

শ্রীচরণাপ্তিত ভূতানিভ্তা শ্রীরত্বেশর বেবশর্মণঃ
প্রধামানস্কর নিবেদন্থানে মহাশ্যের প্রীচরণ ধ্যান পুর্ককে

এ শিষ্যানুশিধ্যের মঞ্চল বিশেষঃ পরং নিবেদন পুর্ক পরে
ভাষাত করিয়াছি যে প্রাণাধিক শ্রীযুক্ত নরনারায়ণ চট্টোপাশাক্ষ ভাষার শুভ সহক্ষের বিষয় বরাহনগর গ্রামের শ্রীযুক্ত

रगीती मेखन विकास गांच के कि विशेष महा गटहरी मधा में कमानित ं गरिक स्टिडीक्द्रने स्टेझाँट्स धर्वर अ वाजिद्र गकरन गमान हरू য়াহে অভএব মহাশমের ভাজা ব্যতিরেকে কি প্রকার ক্রিয়া সমাপন করিতে পারি যদিস্মাৎ অনুমতি করেন ভবে নি র্ভর দেওয়া যায় আর শিবকেত্র নিযাস চুই বিপ্রা সন্তান নীপ্রীপাদপ্রেম পিওপ্রদান মনন করিয়া অর্থ সমর্থে অসমর্থ निमिष्ठ वश्रामारमञ्ज निक्छेन्द्र इटेट छ हम विद्वहम। कविटक জাক্তা হটবেক পরে নিবেদন বক্তালাবধি মহাশ্রের <u>জ</u>িচ-রণ দর্শমাভাবে অন্তঃকরণে যে পর্যান্ত বেদনা ভাষা লিপি खाँद्री विटमंद नाल जानेशक कतिटल सीमा ११ मा इस्ता ७ छ ভাকে যে পর্যান্ত ভারে ভারীক্রান্ত করিয়া লাখিয়াছেন ভাষ্ তে দিবার্ডের ন্যায় কাল যাপন করিভেছি নিক্টপ্ত হইরা জীচরণ দর্শন করি এভাদুলী বাবকাশ নাই মহাশয় यमाि शैकिशां वर्षनार्थं अक्टलरण यात्रमन करतन करव প্রভাক প্রীপাদপদাবলে।কন পুর্বকে ক্রভ ক্রভার্য গ্র निट्रमन मिछि।

#### শিবনামা

পরমজ্ঞান খ্যান কংশনীর শ্রীযুক্ত পিতামহ ঠাড়ুর মহাশর শ্রীচরণ সরসিরুহরামেই "কিয়া মাতামহকে লিখে,, ভবে শ্রীযুক্ত মাতামহ ঠাড়ুর মহাশর শ্রীচরণ সরসিরুহরামেয়।

> ঐ পত্রের প্রত্যুক্তর। পৌজ ও দৌহিত্রকে পত্র লিখিবার ধারা। পিভাবহ ও মাভাবহের উক্তি। ৬২ পত্র।

অবশ্য পুয়ানুপুষ্য শ্রীবৈক্তবচরণ দেবপর্মাণঃ। বিষয় কল্যাণমন্ত বিজ্ঞাপনধান্তে খোমার অভুল যদঃ পৌরবার্থে প্রীক্তান বারা প্রার্থনা করিতেছি ভাষাভে পরা দুর্য পূর্ব কল বিশেষ পরং ভোমার প্রীকর কমলান্ত ত পরী দুর্য পূর্ব কে পরমাপ্যারিত চ্ইলাম শুল সহজের বিষয় যে লিখিরাছ ভাষা বিবেচনা করিয়া পরোস্তরে লিখিব প্রমপ্রায় প্রচল আছি বিজ্ঞানাগর ভট্টাচার্যোর পে মধ্যমা কন্যার সমন্ধ মূচ না কত স্থানে হইরাছিল কোথাও শ্বির করণ হর নাট ইহা-ভে বোধ হয় কোন দোঘাঞ্জিত হইতে পারে অভগ্র বিশে র রূপ বিবেচনা করিয়া যাহা কর্ত্তবা হয় করিবে আর শ্রীপ্রীপাদপন্মে পিগুদান কর্ত্তক ভালাণদিগকে পজতুদ্রা দাত ব্য লাবা পরিভোষ করা গেল জ্ঞান্ত কারণ লিখিলাম ভ্রন-শেষ যে বিষয় লিখিয়াছ গে অভিমান করা মিখ্যা সংসাবি কার্যে নিরম্ভর অভীভূত ভিলাদি অবকাশ নাই সমিস্যাহ শ্রীপ্রী করেন ভবে ঐ শুভ বিবাহের কালীন প্রম্পান মন্ত্রাল্য পরিপূর্ব করিব ইতি।

#### শিরনামা।

শ্রেণাধিক প্রিন্ন পরম কল্যানী র শ্রীযুক্ত রত্বেশর বন্দে।।পাধ্যার অভুল নৈভবে চির্ন্নীবেচু।

লিভার জাঠা ও লিভার খুড়া ও লিভার নাডুল ও লিভার মেনো ও লিভার লিনে মাডার জোঠা ও মাভার খুড়া ও মাডার মাডুল ও মাভার মেনো ও মাভার লিনে খন্তরের লিভা ও খন্তরের জোঠা ও খন্তরের খুড়া ও খন্তরের মাডুল ও গন্তরের মেনো ও খন্তরের লিনে ও শুন্তরের মন্তর লিলের লিভা ও লিনের জোঠা ও লিনের খুড়া ও লিনের মাডুল ও লিনের লিনে মেনোর মেনো লিভা ও মেনোর জোঠা ও মেনোর খুড়া ও মেনোর মাডুল ও মেনো র পিলেও দেনের মেলে ঐ উপ্রের নিবিক এই প্র ক্রিক হাজিকে পত্র বিধিবার ধারা । । পৌত্র ও দৌবিক ইড্যাদি নাডি পরিকে-

and a great property of the second of the se

্তিরকানুসেরক জিল্ডেমোহন দেহশর্মার। প্রশাস্থা পরম্পদ প্রাপ্ত জন্য নিবেদ্দঞ্চাদ্যে সহাশক্ষের প্রীচ রণ স্থারণ ধ্যান জ্ঞান সাধন মাত্রে জন্ত মঞ্চল বিশেষ।

> পিতামহ ও মাতামহের জাতাদিগকে শিল্পামা।

পরৰ পুজনীয় सমাচ্চ নীয়

শীরুত মধ্যম ঠাকুরণাদ। মহাশম কিয়া কৃতীয় ঠাকুরদাদ। মহাশয় কিয়া যেমন গরিজের হন সেই রূপ উল্লেখ ক হিয়া লিখিবেক যে ক্ষমুক ঠাকুরদাদ। মহাশ্য

क्षाव्यदगद्भव ।

### भिवस्ता।

উপরের লিখিত পিতামহ ও মাতামহের ভ্রাতা ব্যতিরিক্ত উল্লেখ করা ঠাকুরদাদা পরিজেয় ঐ যে নকল ঐ দকল ব্যক্তির পক্ষে

- শিরনামা।

পরম পুজনদা পুজনীয়

শীযুক্ত মধ্যমতেটোপাধার ঠাকুরদাদা নহাশর কিয়া
বিভীয় ঘোষাল ঠাকুরদাদা মহাশয় কিয়া জেগ্রুতি
পিতমণ্ডী ঠাকুরদাদা মহাশর কিয়া চতুর্ধ গড়গড়ি
ঠাকুরদাদা মহাশয় কিয়া বভ্যম ঘোষক বসুক বিত্রক
ঠাকুরদাদা বহাশয় জিপদ প্রক্রক কারক মনোক

ভাষার পৌত ও ভারের পৌত শালীর পৌত 
ও শালকের পৌত ভাষার কেবিজ ও ভারের নাহিত্র ও
শালীর দৌহিত্র ও শালকের দৌহিত্র নাহীলালাভা ও ভা
দার নাহীলাশাভাওভারের নাহীলাশাভাও শালকের নাভী
লামাভা ও শালীর নাহীলাশাভাও লাশালার মাযাভার
পুত্রের শালীপুত্র ভাগের ভাগালীপুত্র ভারের শালীপুত্র শালীপুত্র

এই ক্রেক ব্যক্তিকে প্রাক্তিবার ধারা। উপরের লিথিত ঠাকুবলাদা পরিক্রের ঐ ক্যেক ব্যক্তির উক্তি। ১০ ৬৪ পত্র।

প্রতিবালানুপ্রতিপাল্য ভবজ কুশল চিন্তাকারী
নিরেণগীচরণ দাস মিত্রস্য পরম শুরুশীবাং বিজ্ঞাপন
কাদৌ ভোমার অচলা কচলা সরলান্তঃকরণে জনবরভ অস
রবর অর্চনাশ্তর বর প্রার্থনঃ পুরুক্তে মইমব কুশলবর্বিশেষ
পিরনামা।

প্রম প্রিয়বর গুণ্শাগর

श्चितुक मदीनहस्य मिळ मरेमव डिल्पूलक कर्ड्क सम हिन्न सीटनहूं।

পিতামহ ও মাতামহ ইত্যাদি সহকে স্ত্রীলোকের পত্র লিখিবায় ধারা। পৌজী ও দৌহিত্রীর উক্তি।

मानानुमानाक्षीकामाकाशकिनो जीमको कानमञ्जती (मरी धनामा मान्यक्ष्यद्वायसक श्रमक मिट्यमसभारमे स्थानदेवत जीवत्रद्वां श्रम युगम मानदना शत्म सांस्था माद्य अ मानीक कांत्रक मदनाक मतदक विवासकाती शाकिकारभंधारम भूकिक नर्स एक विद्यान १०१० । १०१० । १०१०

📆 अत्र अ्कनगा भूकनीत मनावाधीत গ্রীযুক্ত পিতামহ ঠাকুর মহাশন্ত শ্রীচরণার বিজ मर्भनामम् अनाम कर्जु रक्षु । An experience

মাতামহ পক্ষেত্র শিরনামা কিন্তু মাভামহ উল্লেখ করি या निधित्वक बीयूक माजायर ठाकुत महाभग आत सहरत्त পিভাবে লিখিবেক শীবুক শঞ্চাত ঠাকুর মহাশয় মাত্র,প্রভেদ নাত্র আর সকলি ঐ মাত্র।

### अजाखर ।

रिशोकी (मोहिकी अ भूरकात भूकावश्व वहे किन यन) জীলোককে পত্র লিখিবার ধারা। পেতামধ্ও মাছামহ্ও 'গালরের পিভা ইত্যালি ठाकुतमाना अदिएकदमत छेकि।

38 ME 1

**क्लिकार प्रीक कर्क्क अवन्यानी** संग्रक **একমলাকান্ত দেবশর্মণ: পরম শুভুমস্ত বিজ্ঞাপন্যভাগে তো** মার স্বধর্ম সমজাবাচল ছাহিতা পদারবিন্দে প্রার্থনা স্থাপনা भूकंटक वाज अक्र विषय।

### ं मित्रनामा।

নয়নানন্দ লায়িকা প্রাণাধিকায় প্রাণাধিকা শ্রীমতী চন্দ্র मिलका रमवीगाविजीनेममाञ्चव शकिखका रागीवदत स्तीतरङ ् हित्र कीटवसू । अस्ति कीटवसू ।

পিকার [জাঠাঞ্জাপিকার বুড়া পিডার মাতুল পিডার: নেলে পিভার পিলে মাতার লোঠা ও মাভার শৃত্য মাভার

মাতৃল ও মাতারমেলো ও মাতার পিলে ও মাতৃলের বঙ্গর ও মন্তরের পিতা ও মন্তরেরজ্যেটা সম্ভরের খুড়া ও বঙ্গরের মাতৃল ও বস্তরের মেলো ও বস্তরের পিলে ও মন্ত রের মাতৃর এই করেক ব্যক্তিকে ক্রীলোকের প্র লিখি বার ধারা

खाडल्युटलं कमा ६ कई शिरमं कमा मानीयूटकः कमा ६ मानिक्युटलं कमा और करहरू नाकितः छेडिंग जाडाह सोविली के खग्नीयिक होति है। विशेषक सोविली के खग्नीयिक होति के मानिया करहरू नाकि के खानिया के खिला करहरू नाकि के खानिया के खिला ।

ভাতপাতের পুত্রবদু ও ভাগিনের পুত্রের পুত্রবদু শ্যাল কপুত্রের পুত্রবদু শ্যানীপুত্রের পুত্রবদু জামাতার পুত্রের পুত্রবদু এই করেক ব্যক্তির উক্তি।

। ७१ भडा।

শ্রীচরণারবিন্দ দেবনাভিলাধী দাসানুদাসী শ্রীমতী লবজলতা দেবী প্রশাসা পরম হিতার্থে নিবেদন কাণে শ্রীযুক্ত ঠাকুরদাদা মহাশয়ের শ্রীচরণাবস্থন মণ্ডে করে শুক্ত বিশেষ।

শিরনাগা।

পিতার জাঠা ও পিতাব খুডার প্রতি পরম প্রিত্তন্য পুরুষীয়

শ্রীযুক্ত মধ্যম কিন্তা ভূতীর ঠাকুরদাদা মহাশম শ্রীচর: সরক দ্বমেরু।

ঐ পিতামহর জাতা ও মাতামহর আতা ব্যতিরিক্ত উপরের লিখিত আর প্রকারে শির্নামা পেই ঐ মত বিশেষ লিখি ভিতীয় মুখোপাধ্যার ঠাফুরদাদা মহাশম কিয়া চটোপাধ্যার ঠাফুরদাদা মহাশর এই কণে নাম উল্লেখ করিয়া সকলি ঐ পিরসামা সভ

্রতি ও ্রী ক্রিপাঠের প্রভান্তর। 🚈 🧸

উপরের লিখিত ভাতঃপুত্রের কন্যা ও আহার দৌহিজী ও ভাতঃপুর্ত্তের পুত্রবধু ঐ ভিন নিশকীয় যে কেই নাড্রী পরিচেম্ম স্ক্রীলোক ক্রীলোকের প্রতি

পত লিখিবার ধারা।

পিছার জোঠা ও মাতার জোঠা খালুরের পিতা উপরের লিখিত ঠাকুরদাদা পরিজেম করেক

ব্যক্তির উক্তি।

। ७० भेल ।

সর্বদা ভবজা মহৎ সুখাজিলাধী প্রীটগাকান্ত দেবশর্মণ:। পরম শুভাশীধাং বিজ্ঞাপন সিদং ভবত্যাতুল সৌভাগ্য নর্মকণ বাঞ্চা করিছেছি ভাষাতে অত্যানক প্রং।

· শিরনামা।

পরম যশঃশতি সুক্জনানকরমণীয়া

শ্রীমতী লবকলতা দেবী সাবিত্রী সদৃশাঞ্চবরাষু।
বিধবা পক্ষে শিরনানা অনবরত ধর্মারভাষু।
পিতামহী ও মাভামহী ও শ্বশ্বের মাতা এই তিন
যাক্তি স্ত্রীলোককে পর লিখিবার ধারা।
পৌজী ও দৌহিজী ও পুজের পুজবধু এই জিন হাক্তি

া ৬৯ পত্তা

क्षित्रभावितम एव शांसाखन कामा विकास समावनिद्या क्षिण क्षिण क्षिण क्षिण का विकास समावनिद्या का क्षिण क्षिण कि का कि कि का का का कि कि का का कि कि का का कि क

### निवस्था ।

त्र्वरमाक कठोकाणीकाम कनाश्यम खनाविनी श्रिकेडी शिटामरी ठाकुतानी किया श्रीमठी माठावरी ठाकुतानी किया चला जनमी ठाकुतानी मिमी ठाकुतानी श्रीप्रतानी

### প্রকারে।

পৌজী ও দৌহিন্দী পুজেব পুজবধু এই ভিন ব্যক্তি প্রালোককে পর লিখিবার ধার। পিতামধী ও মাজাখলী ও বশুবের মাত। এই ভিন বংক্তি প্রতিকাকের উল্লি।

#### 14. 学选生

, शत्र करामि मारिएक छात्रामुखारिएक शिवकी खिल्हा मधी माथा क्रभावः मधु विकाल लिए हो कि शाह्य छात्र छात्र जिकासम्बद्ध में भी दूष्ण गद्ध देविना कहान समाहित अस्व सिट्याम ।

#### भित्र नेवा।

পূর্ণারন্দ অনক খন ভাবিকে হব প্রানানিকে

শীমনী বসমন্তাবী সাবিদ্যা নিমান প্রার্থন করে।বালু ।
বস্তাপি নাভিনী সম্প্রিকা প্রীলোক বিধরা হয়
ভবে ভাহার পঁকে শিরনামাতে সাহিদ্যা মহান না
গাথিয়া লিখিবেক ভোগভিঃধর্ম প্রাপ্ত এরেরিগ্রু।
পিতার জাঠাই ও পিতার খুড়ী ও পিতার মাতৃলানী ওপিভার পিনীও পিতার মানী এবং মাভার জোলাই
লানী ওপিভার পিনীও পিতার মানী এবং মাভার লোলাই
নাভার মানী খাওবের জোঠাই ও শশুকের খুড়ী ও শশুকের শাভারী
পিনের জোঠাই ওপিকের খুড়ী ও পিনের মাতৃলানী ও

পিদের মানী পিদের পিনী মেনোর জ্যেচাই ও মেনোর বুজা ও মেনোর। মাজুলানী ও মেনোর পিনী ও মেনোর মানী এই করেক ব্যক্তি স্ত্রীলোককে পত্র লিখিবার ধারা। উপক্রের লিখিত ঐ চারিদ্যা চাকুরাণী দিদী ব্যক্তিয়া জীলোক দিগকের অনুনশ্যকীয় বাতিনী

পরিবেয় স্ত্রীলোকদিগকের উক্তি।

१ १३ शक

चानी संमाडिना विशे कितरमा शास এकास खाविशी किमरी जनक (मानिनी प्रियो क्षणामा मख दकांकि निर्दर्शन-खादन की मछीत किन्द्रन सूगारख कुलारदम ममार्ग्शन शत्रामा-लाग का का मिसिना है।

मित्रमा ।

পর্য পুজনীয় জনারাধ্য সাপ্য প্রকৃতী শ্রীমজী মধামা কিমা তৃতীয়ঠাকুমানী নিদী শ্রীচরণামুক্ষে ।

অভারত।

নাতিনী সংক্রিয় ভাষে প্রীপোজে পাত লিখিবার ধারা। উপরের লিখিত ঐ সকল ঠাকুরাণী দিদী সয়দ্ধিয়

1 42 92

ভাক ভবারবিল মুকুলে প্রতিপাল্যা শ্রীমনী কৌশল্যা দেবী মনোভীষ্ঠ সিদ্ধিউবভু বিজ্ঞাপনখানো ভোমার অধর্ম নৌরভ সন্মান গৌরব জনবরত সভত পরত প্রার্থনা পুর্নকে জরওত্থিশেষ।

শিরনামা।

गडीय वर्ष शतिशामित्य खाँचिक्ट अवही सनकट्यास्त्री (क्यी अवस्थाप्य हु। পিতা ও জোঠা ও খুড়া ও মার্ল ও মেনো ।

ন পেনে ও,খান্তর এই করেক বাজিকে

পত্র লিখিবার ধারা।

পুত্র ও ভাজ:পুত্র ও ভাজিনের ও আলি পুত্র ও
ভালক পুত্র ও ভামাতা ইন্ড্যাদির

উল্ভি। ৭০ পত্র।

### निव्यनाया ।

প্রমার্চনীয় কিমা প্রম পুদ্নীর প্রীযুক্ত পিতা সাকুর মহাশার কিমা কনিও পিত্বা ঠাকুর মহাশার কিয়া মাজুল মহাশার কিয়া পিলে মহাশার কিয়া মেলো মহাশার জীচরণ সর্সাক্ষরালেয়ুঃ

### প্রভূতির। উপরের লিখিছ

পুত্র ও ভাতপাত্র ও ভাগিনের ও শানীপুত্র ও শালক পুত্র ও খামাতা ইত্যাদি করেক বাজিকে পত্র

लिका ६ ब्याठा ७ श्रृहा त मान्त अतिहत ६ व्याग ६ वक्षेत्र हेशानि करहक आक्रिय हेक्सि ।

। १५ मती।

অবশ্য পুষাশীকাদক শিক্ষণাহান্ত দেবশর্মণঃ পর্ম শুড়াশীবাং রাশয়ংসন্ত শবং ভোমার গৌরব সৌরভ উদ্ধন্দ সর্বদা প্রার্থনা করিকেছি ভাষাতে অত্য শুড় বিশেষ,।

### मित्रभाषा ।

প्रम (भारतिक विक्र स्वट्योश्न करहेरियां गाव किया दर्शन किया नमू वानाको छ हित्रको ट्रम् माडा क तिशेषा क (बाठाई ७ वृक्ते व लिनी ७

मानी ह मांचड़ी हें जाति वाहरू क्षीरमारूटक शब मिश्रियात थाता।

ুপুত্র ও স্বপদ্ধীপুত্র ওভাতেরের পুত্র ও দেনতের গুত্র क व्यक्ति व नगीन्य र माना हजारि

क्रिक थालित के कि। १८ शब।

भागावनक एका की दिश धनवक की बासकर छ एक वर्ग औतः व्यक्तिमा श्रेमाश् कच अकन निर्वेष्ठ निर्वेषकशादमी द्यावधीत विभाग गर्क भावन भारक अल्ट्डाइ महीतिक सक्त विद्रमवः **बिह्नाया** ।

পর মার্কমীর কিয়া পত্ম পুরুলীয়া শীম্ভী মাতা ঠাতুরাণী क्या विमानोग हुनभी किशा एक वा पड़ी ठोड़ वा नी किशा मारू विषा ठाकूप्रति किया लिए यन। ठेक्सिनी दिया माङ्-नारी ठाकुरानी ७ बळालडी मांचा ठाकुरानी शिवद्रन नेवित्रस्टिने (स्पर्)

### ख्यांख्य ।

श्रम । जर्महो । जाकरत्त्र श्रम । त्मवरत्त्र श्रम । े जाकः थूळ ७ जानिहम्म ७ जानाका रेक्शानि करवक बार्कि जीरमाक्टक मेज निविध्यात धारा माणा क तिमाणा अ त्यांग्री क पूजी क माजुनाकी e नित्री e मानी क माउकी वह करके वाकि

खोलाटकड छोक । १७ भव।

स्तमा भूषा मिक्ष माहिका क्षित्रको भूषदम्बती (मधी भावमध्यानीचार ब्राम्बरग्रह लिवर एका के काण्या के की चाटन गर्सना श्राचमा कडिएककि डाइएक अवस्थल दिएसम्ब

वर्षेत्र शिक्षभावक श्रिक जान-महन्त्र प्रदेशभावाहि

शिका त्यारी । भूका क आकृष क निर्देश कर्मा । क समार केमा कि करकूक वा किएन छ । दस्र (क

शक्ष किविशेष और।

कना। ७ क्रांक्समा अभी कना। ७ भागित कना। ७ जानित कना। ७ मूख्यव्यू वह करहरू गांख जीरणारकत केंगि।

199 लंडा

প্রিরণ কমলালিতে দালা জীমতী নকুমারী দালা প্রশাসা শতরহস নিবেদমগালে মহাশরের প্রিরণ স্বরণ মাত্তে অর মঙ্গল বিশেষঃ।

#### শির্মামা।

প্রনার্জনীয় পার্য পুজনীয় জীয়ুকে পিতা ঠাকুর মহা-পায় কিছা পিতৃত্য ঠাকুর মহাশাম কিছা পিলে মহাশাস কিছা নেলো মহাশাম কিছা খণ্ডর ঠাকুর মহাশাম জীচরণাব্লছনেশ্

প্রকার বিরা-

क्रमा ६ जांक्कमा ६ छाई ६ मानिक क्रमा ६ मानिक क्रमा ६ गूळवध् ८६ स्टब्स् गुल् खोर्लाकरक अंज सिसिन्द भारा ।

निष्ण । ब्राजी र पुष्ठ। र माजून । जिल्ला हिन्सी

। कि भी व

अवस्था नुगानि सं एक क्षेत्रा की गरनाहरू मार्ग हैं।

পরম অভাশীর্বাদ বিজ্ঞাপনজাতে ভোমার মুবাভিলাব পূর্বাশীর্বাদ করবে ছামার সর্কত কুশ্প বিশেষ।

> भावमभानवाहरू श्रीम श्रीमवक्रूणाती लागी मां खतनी भावस्थानका प्रशिव्य कि स्थापन

विध्वादक विभिन्न (क्यांकिन्यां खिएक्। यांका उ निर्माण है (क्यांट्रोड्रे क यूंकी क प्रामी क लिमी क बाकुनानी क यांक्सी कहें बदबक वांक्स की व्यक्तिन शब विधिवाद भारा।

किमा ७ चन्डीकमा ७ ज कटतत कमा ७ त्वरतत कमा ७ जावी ७ जासकमा ७ जवी कमा ७ पूज्यपु १३ वटहक गांकि व्योग्नाटकर किंकि। १० श्रा

প্রাথা পাত্যকল নিবেদন্তা তিম্ভী বালক্ষারী দাবা প্রথামা পাত্যকল নিবেদন্তাতে শ্রিন্থীর উত্তর প্রক্রেশারে তার মঙ্গল বিশেষ বহুনিবসার্থি শ্রিম্ভীর শ্রিম্বানির সমান্তারাদি না পাইরা জা প্রক তে পর্বান্ধ যেলনা তারা লিবিরা কি আনাইর জাণনকার প্রক্রমত সেই ম্লান আনক লোকের বাকিত তবে ইতিমনো বারেক তুইবার আনক লোকের বারি প্রক্রমত করি বার্থি প্রক্রমত করি নিক্তি নামর করিয়া নহনের বারি নরনে সম্বর্গ করি বালনা করিছা ভ্রমান করিছা দ্বানার বালকা প্রার্থিত করিছা ভ্রমান্তরে বিশ্বানির ভ্রমান্তরে বিশ্বানির আলক বালার বালকা প্রার্থিত বালার বাহারে প্রক্রমান্তরে বিশ্বানির আলকা আনার বালার ভ্রমান্তরে বিশ্বানির আলকা করিছাম ভ্রমান্তরে বিশ্বানির আলকা আনার বালার বালার

शरम कर माहे अध्येत निकाशिकृत मरामग्राक कहिटवर अक यों अस्य जिन्द्यतं अन्य अधिद्व लहेश द्या सामि समक कमनीत शिरतन कर्मन कशित्रा उन्निर्मा छत्। श्रीमठी एप्लेक লভার সহিত বির্লে ব্যিষ্ধ, অন্তঃকরণেয় গোপনীয় ভঃগের कथा करिया महत्र अखिलाय तुत्र केतिर निरंतमन शेलि।

পদের রস্তান্ত যে লিখিলাম এ কিবল অননীর প্রতি কন্যার উদি পুজবধু প্রভৃতি যে ধর্মন যাহাতে পঞ্জি লিভি-विक भाषा विषय किया विकास किया किरिया विविद्ध हो है। **लिइनामा**।

> शतम दक्रगातागीरम शतम भूजनीरम जीमछी माधा-रेड्यानी क्या पूत्री शक्तानी किया माद्रलानी विकृतानी किया अशियाकाठी कुलानी बिह्न परम् ।

### প্রভারে।

कता। मलपुरे करा ६ खाखरत्व ६ (मबद्दव कवा) अवशात अगा। आक्रकता क कांगी क मुख्यत वर रहप्रक वान्ति द्वीदलाकदराञ्जीदलादकत गढ निश्चित्र भारा।

भाषा व दिमाचा उत्साहाई उ थुए। व बाबुगानी क्र मांभी व लिमी व मालकी वह कटमक वान्ति औरमारकत के जिल्हा ।। १० मन ११

श्रीशुथ नखनाबानाकार्य गाकुन छान मनन नहता গ্রীনতী চিত্রাক্ষম ধ্যাস্যা পরস শুসামতি লাভভবতি বিজ্ঞা श्रमकारमा रकामांव विकास शिवस्या थानमा संबंध करवर्ष सूक्र क्राविटमंपर केशायात व्यवसाति शक् आख्र मृत्व 5 4.

निवाधिक शूर्वदक बकाश्याम छात्रा छात्रा छिष्टिंश नावः करण भीवन रहेवार धार्ममाव श्रेष्ठ कणाल सृत्यिक विद्रुक्त मार्टक होगात करणा छिषिक इहत उद्यावादना कर्नाय धार्यका छि-तिका रहेनाम यमवि छुबि धार्गाधिका (भाकाश्वर रहेना एम भाखरत श्रेमन कृतियान छुन्वभि छान यम धार्गामिटक खामात नमें छिटा होटन तहनम कृतिया भिन्ना सूना (वह सहेन्ना) भववर भ भक्तिल स्थान कृतिरक्ति स्थानि धार्मात क्षा ध्वार धेकाम हर स्टूब स्टूब स्थानि भटक हिम्मा। भावि क्षा हिन्द देव हिन्द ।

#### मिद्रमागः।

कर नवस्थिक आन्द्रावित्र आन्द्रिक शिवकी नास्त्रारी शानक्षावी इटमांश्वी लागवा भूटांध्। कार्यसाम प्राप्त कर देवसारक्ष अ कार्यित युक्कृष असमान स्थानक असाराज देकारित युक्कृष

ব্যক্তিকে পত্ত কিছিবার ধার।।

के मलाकी व करिएं खांचार छे। न । +> गद।

• সেবক শ্রীন করুমার সাসবস্থাণাথ সংখ্যাতি বিজ্ঞানিতে দন্ধাণে মহাপদের জীতরণ আর্থাণ একুরীতি জ্ঞান ইছিত উচ্চার অহিক পার্ত্তিক স্থানিক বাচনিক স্থাথে ওভদ্যা ভবভাগিপেনঃ।

### भिद्रमामा ।

शहर शृबनीय खोगुक खद्यस मामामशासय जोकप्रशासारकव कावित छ गृज्क के हे छानिएक खोगुक स्टाइक बसू नामा नहामस किया खोगुक शासाहक महस्वास स्कीय मामा महाभाव खोग्डब समस्याय

#### 等。如此中心的是一个**对对对对**

ক্ষমিষ্ঠ আছা সংখ্যের ও বৈদাত্তের দেঠিছত ধুত্বত মামান্ত ও পিসভত ও মামতত ইত্যাদি করেক ব্যক্তিকে পত্র নিখিবার ধারা। ঐ সম্পর্কীয় জ্যার্ড আতাদিশের উক্তি।

॥ भर श्रेब ॥

অতুলৈয়ণ্য প্রদানার্থ তব্ধ স্থিনাবসক শ্রীনহেন্দ্রনাত্র দানবমু পর্য শুভাশীর্নাণ বিজ্ঞাপন্ঞানে ভোষার রাজে। দ্বি শ্রীক্রী করিভেচ্ছে ভাষাকে অন্তানন্দ প্রং।

किया करना भूग जीगरस्खरमाध्म मामतम् भारम काला नीकान रिकाशनकारम रहामात् मक्य जीखी करिएकरहन काणाः करामम अतर्।

#### भित्रस्य।

खराधिति छ दशासिक साराधिक सीयुक्त नक्ष्मात मानवस् कालाकी छ दिएकी हत्।

কোট নহোদরা ভাগনী ও বৈষাত্রেয় ভাগনী ও জোঠভঁড ভাগনী ও গুড়তক ভাগনী ও মামাত ভাগনী ও মান্তক ভাগনীও পিন্তত ভাগনী ইভাগে ভালোককে পান লিখিবার মাবা।

লাককে পাত্র গোষাবার ধানা। ক্লিক ভাতার উক্তি

一日本の 対西で

পদাবনত ভ্তা জীশিবলকান দেৱশার।: প্রশাসা শতকোটি নিবেদন্ধানে ত্রীমভীর জীতরণ ধ্যান করণাৎ এ ভ্তোর স্কালিক নিভাব সম বিশেষ। বিরনামা।

शहमार्कनीय स्वीमकी (मार्थ) कृतिकी किथि शक्ति। वीष्ट्रत समस्त्रक

# वे शुरुषः समावत ।

कृतिक छात्रा नार्वाहरू दनः देनगारका ७ व्याप्टिक शुक्क अमानि निर्मित्व अ मानस्य देशानि क्ट्रक शास्त्रिटक खोटलाटकत गांव

ं विविधान देशा।

के मुक्त मन्त्रकीय (कार्यक्रीय गटहांच्या ६ देवमाटकन क्षा है के अपने के समिति व शितक क स्ति वक हेकारिक करबक शास्ति (कार्यक दिन

ी. 🕟 डेंबिस एस पत्र ॥

े खरनी व्यक्तियामा किए कि बानस्कृशिटी (मरी श्रम खड: खेळाड विकाश मधारेको त्वांकार धनापूछ का को मालार हो शासन कार्यना कृति एक कि बाना कर स्थान

বিলেবঃ

শিক্ষাস
শিক্ষ

्किनिर्वक्रिकि मदद्दाल्या ७ देवमाद्यात ७ (वार्व ४० छ श्युक्त । मामाक । लिग्न । स्मान । इंडार्ग स्वतं वादि श्रीदन तरक

পত্র লিনিয়ন্ত্র থার। এ বঞ্চল সংস্থানীর জোওঁ ভালোর উত্তর গ্রাক্তর হাত্র গ্র

भारत छन्। नीसा रच जिल्लाहर के त्यानाता त्रेता क्षेत्रामस्त्रेगेष्ठ विकाभनकारमा कामार मक्स छित्र करि ्डरहम खाहाटच अब कुणमंत्रिरम्यः । । । । । ।

निवस्ता ।

शातम तादालि विक्रा शोक शुका जुकिला, कीमकी अमर्थनी

#### প্রভাউর।

জার্চ লাভা নহোদর ও বৈমার্ট্রেয় ও জাঠতত ও ধু ভত ও পিগতত ও গামাত ওম্পত্ত ইডানি থয়েক ব্যক্তিকে পত্র লিখিবার ধারা। ঐ সকল কমিতা ভাষ্যর উক্তি।

11 65 43 11 10 10 10 10

स्त्रश्नुवाशकारिकनी श्रीमको अवसूर्गा स्वी व्यापा गक महत्र निटबमनकारश महागरवत किन्तुर्ग गानि कार्य काल महत्र हिस्सवा।

#### चित्रक्षा ।

अत्रम भूकती। श्रीयुक्त कार्यनाण मानः यहामह किए। श्राम माना यहामह श्रीवंदन दमस्मपूर् क्लार्यन्ती नरणामहा ७ रेममार्क्षक अ स्माप्तक ७ शृक् क्ल ७ भागांक ७ जितक ७ यामक हे आनि व्यक्तकशांक कार्यक्रियों क श्रक क्रियंगांक थाहा। के मकल किर्यक्ष क्रीड के क्लि।

#### ॥ ५१ भंज ॥

माना श्राह श्रिक्ष श्रिक्ष स्था कि निर्देश कि निर्देश

### WITH CHIECT !

त्रमा मुद्राविकायां निर्माप साम्रिका अने आविशाविकां (बार्य क्यो किया दर्जामची कीम की उत्तर्वका। के जिल्लानी निर्माण सदस्वया

किन्छ। नटश्मना ७ देवगार वय ७ रामक छ छ। कि भुक्क अ सामा ७ विश्व के सामक छ छ। कि कर्यक टारिक किनि छोटिक शक्त विश्वित सामा । वे मक्त मुक्ति में स्वित के कि । ४५ शक्त ।

प्रत्या निकान धना तिका नमा प्रथम छ विद्य के प्रको छ छ रून। मानी शत्र क छ निकान विकान स्थादन शत्र दिस रतमा धिक्कत कावना अ छ व करेग्रदक स्वत १६ व रनवे

#### বিভীয় পাঠ।

उनका व्यावना अमेकी क्वादना सामाह नतम अवा

नौकांच विकालनकाटन ट्यामाव मकल नेजियारन आक काब्रिट एकि काश्रीटक कार्य सक्ता विद्यापः दक्षामात विकास क्ष लाह किला पूर्व कतियों सोर्ट शहम इश्विक स्हेलांच होतांकि बीजी देवहा जीन धार्गारिटक किनसे जिनने भारत किराना जिनिटक दिलोगिकटक अध्वेद मोर्च इंग्रेटक्स श्रेनवाह चा মাৰ ভূঃখের কৰা ভোষারে অ'নাইয়া হেমির ভাপিক আৰু বিজ্ঞা জালিত করা আখার উতিত নতে তথালি সং ্কলে ুলিপিয়ায়: ফিঞিব জ্যাত করিভেছি কোমার ভাগি নীপতি নামের্বর সংক্তমে হাক্রি করিতে বিভাছেন শুলি-রাছ দে চাকরিতে বিপরীত চাকরি উপজ্জি শীহাতে হয় हेन्क। त्वाककाव कविषाकित्वन कोश निब्धाकेटवन योगः चंद्रह क्ष्टिरस्ट हर माहा क्लेक ल्वांब क्यारव काला किनटा छेल्छ इहेरामाहि साल्माता स्परम गांचमा कविषा आर्थन ब्राह्म (यग्रांक द्वांग इहेट्टट्स ८० याहार के क छात्रांत्र नगांत्र অতি কুম্বানে চট্টোপাধ্যান মহাশ্যের বুজেরা এক এব ক্ষ इक एक मर्स्त्र भगना वाहाटक राजाबाद कराम नहां ाव श्राम शाब्दिक भाग कालाटकर कालि वक्ष विषय । अभारम नरमद्व पूर्ण भार नामारक बिधिनूरच तारमम वमक वस नामहोद, विद्वहमा कविय मधुना भाषात्र ६५ मणा । धौनात टम हे ने भी छड़े क जिनी ८० छूट एउका जनाह दा जिल्ला जर छ श्रेद्रत शादी शिक्षिणतकायांग कवित श्रीक कि निवित ं ्रिश्मागा। 老年!

व्यागानिक व्यापणी अस्ति । क्षित्र निर्माणी कारी कि श्रीकिन नर्क भूट्य नमस्त्राच्य किंग्रेसीटक प्रश्री विश्वित क्षित्र । व्योद्यादक व्याभीटक प्रश्री विश्वित क्षेत्र ।

होत्र छोजा मन भवा

क्रिक्र नक्षी क्रियानित गायन (बंबनी मोदी किर्

### सिवगामा ।

জাহিক পাছিত্রিক নিজার কটুদ ভবার্থি নাথিক জীবুজ প্রাণেশ্বর মধ্যম উটাচাগ্য মহাশ্ব পদপঞ্লবাজ্য প্রদানেশু।

> ঐ সম্প্রকীয় খিতীয় পাঠ। স্বামীকে স্ত্রীর পত্র লিখিবার ধারা। স্ত্রীয় উলি। ১০ পত্র।

শ্রীচরণ দেবনাকাংক্তিদেবিকা শ্রীমনী গোরীবনি লাগী শ্রণামা শভগন্ত নিবেদনঞাগো মহাল্যের শ্রীচরণ স্বরণ মাত্রে জ্ঞানস্থল বিলোধঃ।

्रिवंबनीया।

शतम श्वामीश श्रिक मधाम शिवक महानेश प्रमालदृष्

## काम को यूनी ।

#### প্ৰভাৱৰ।

প্রথম পাঠের আপন জ্রীকে পত্ত লিছিব'ব ধারা। সামীর উক্তি।

ं ।। कर्र शब्द ।।

भित्र श्रिकार्गन गर्ने य गीत है। नियामिक वर्णनात्काप्रित्निक निकास श्रीकार्धाकार कि श्रीकार्याकार के जिल्ला संकार
कार्तिक प्रतिक व्यक्ति श्रीकार्धाकार कि विकाल स्थापिक स्थापिक प्रतिक कार्या कर्मा स्थापिक स्थापिक

#### रेमा दस्त्रा ।

দেহা ৬:পাবং, ভিনা গুণানিক। স্থান্ম প্রিপানিকা ইনিকী সালতীমুগ্রনী দেবী প্রবিত্রী

वर्षाता कर्ने

স্থামীর জ্যেষ্ঠ ভ্রান্ডাকে স্ত্রীলোকের প্র নিবিধার ধারা। ভাতেনত্ত উল্লেখ

11 % 서명 1.

मानानूमानी (सशंजिनानी क्षिमकी श्रीनंगानी (मधी।

# कानदर्भ में।

প্রণামা শক্ষতে টি নিবেরনঞ্চাদের মহাশরের ইচরণ স্থরণ মাত্রে অত্ত শুক্ত বিশেষ।

भिहेन्स्य।

भारत भूकतीय कीयूंक वहाता के किया ग्रामाय किया गर्मायक के किया

প্রভাগের :

জানসংক্ষেপত কিথিয়ে ৮০০। আনুচের উটিন ১৮৫১।

नता २ च जानी कार्यक शिवृत्त चान्यता । ११ वर्षः । श्रीम खर्शानिकाम विच्याल्यक्षादमी है ५६ देव है। अर्थानी ५ कीर्यक्षान महिल्ला १८ वर्षाना स्थान

भित्रमात्र।।

तका खनान्छि चनको सिक्षिण किए हैं दिस्ती करिन्छ। खाक्षणती कि सीरवर्ड़

ष्ट्राह्मशाहरूत्रीहरू मूक्ट्यन १७००० थ्यात भारत । जनस्य केलि । ३८ १७००

भाउत्तर्शिक ज्ञा नि किया त्वत् के व्यक्षिक सामवश्च अवस्थानस्वत गिर्त्यसम्बद्धानी क्षीवनीत मिठवर अवस्थार क ज्ञात काविक भागतिक विषयिक सामादिक सम्बद्धिता सुक्षिरतास्व। सित्रमाथा।

গরন পুজনীয়া শ্রীমতী জোর্ছ লাতপারী বিদ্যা মধাম লাভ পারী মালা ঠাকুরানী শ্রীতরণোপাঞ্জেয় :

थङ्खां हराष्ट्रायः,

तका महाभोगीक पाहिका जिएको विसा अखिशालका विषयो अपनक देशे मुद्दी भवन खडामीवार बामग्रनस भवा कार्यात आना कितिक देव भू भी के विश्व कर्या कार्या क

# ब्लानदरी पुरी ।

12.

#### बिह्नामा।

शवम शिक्षवत स्वतं श्रीष्टुक हुन्धानक भागेतम् ।

गर्भो एव पिनकीरवषु ।

कार्ष भागातक छ हि। ई ज्योशिक करे पूर्व शिक्टक

शव विश्विवातं थाता ।

क्रिकं ज्योशिक छ क्रिकं भागात्तक छिप्छ ।

हंभ शव ।

নাজাজানী জীপকাকিলোন দাস ছোম্যা। প্রিয়া পুক্র সমস্বাহা নিবেনন্জালো মহাশ্যের জনুটা। লয় মাতে এল শুভ্রিশেদ।

#### रेम्ब्रह्मामा

সংক্ষেত্ৰ সদ্ধ সমাজ্ঞার প্রিক্তি কাবু সোকিংকচন্দ কয় জ ছত্যিকা মন্ত্রিকালেন্ড

#### लबाइर ।

ক্ষিষ্ঠ দলী বৃদ্ধি ও কনিষ্ঠ শ্যালককে দত্ৰ লৈ বিষ্ঠার সংগ্ৰহ ্ত ই শ্যালক ও জোষ ভগ্নী প্রতি দিক্ষে।

#### ३.७ वाज ।

व्यवका भूषा शिर्माविक्षाच्या प्रश्न वर्ग ग्रेम युग्रिकाय प्रश्निकालिकारको स्थापात सूचित क्यात ध्रवन पार्ट्य व्यवकारिकाम क्रिकामात्र ।

गर्काळपाँ जिथिक श्रीमुङ शङ्गाकिरणाः । भागक श्रीकारमु।

জোষ্ঠাননদ ও জোষ্ঠা ভাজু এই চ্ট ব্যক্তি স্ত্রীলোককে স্ত্রীলোধের পত্র লিখিবার ধারা।

किमर्थ। समय ७ किमर्थ। जाकु এই छुई खीरनारकत्र फेक्टि।

अनुबर्शाखरक अकिलानित्व क्षिमको कुक्मिन मानी ।

ध्यनामा निटवत्रमकारमा श्रीमिक्ति श्रीश्रः मानीकारम अब ७७ मिरमधः। व्यापनिकारमा ।

পরম বন্দনীরা প্রীর্মন্ট ক্যোষ্ঠা আতপাত্রী কিয়া প্রতিস্থার ঠাকুলারী আশীর্কাদ প্রদারিনী সুপ্রসন্মায়। প্রতাপ্তর।

किमर्श नमन ७ कमिर्छ। जाज এই छूई, दाक्ति और शांकरक शब्द लिखियांत्र थात्रा ।

(कार्क) समम ও (कार्क) जाजू এই पूरे जीटशादकः। जिल्हि। इन श्रद्ध।

লোক্তাল্য ভাৰইৰ ভাৰিকে শ্ৰীমকী রাধামণি দংশী। পরম মুকলাক বিজ্ঞাননফালো কোমার প্রিয়বর প্রাণেশ্র নির্মার কৰাক্তর ভাব ভব ভবৈশ্বতে অত শুভ বিশেব।

#### শিরনামা।

নিবাদক হয় প্রিম্বরা জীমতী রুফমণি গাবী বিবাদিশি আদরামূহাভিহিজেলু। অখাপক ভট্টাচার্যকে পত্ত লিখিবার ধারা। চাত্রবিধ জাতীর চাত্রের উক্তি।

१०० भारत ।

পদাবনত ভূত্য শ্রীঅভিকাচরণ দেবশামাণঃ। প্রণমা পরিমাণাতিবিক্ত নিবেদনঞ্চাদৌ শ্রীগুরুদেব ভট্টা-চার্ব্য মহাশ্যের শ্রীচরণ কণা কির্নাঞ্জন গ্রহণ মাজে দিব্য জ্ঞান লোচনান্ধকার বিমোচন বিশেষ।

#### শিরনামা।

प्रशंख महन व्यशिव (माय विमान क्वाना क्विनाय क्षवान कहा कर्क्क मना क्षा क्वानी क्वान क्षवाधिक क्षिणका किटनाह क्या गाया क्षकटमय ठाकुत महानद्र क्षित्वस्था महनिक्क सहित्य

### क्षांनदकामूनी।

# ' প্রভাব ।

ं।। २०५ शब ।।

সদা শুভাশীবাদ দায়ক জীগঞ্চাকিশোর দেবশর্মণঃ। পরম প্রয়োজন লাভ ভাব বিজ্ঞাপনঞ্চাদৌ তথানার সুধী রভা নৌরভ গৌবব অভুল বৈভব ভবদারা ভবাহর নিব্দর প্রোধন। পূর্মকে শ্রুমাকং শুভদিশেষঃ।

#### सित्रनाथा।

নান্য লাপ্তাদি ভূমিত আজিত গুণসাগার পরন তিচাবর জীল জীবুজ অধিকাচরণ বিদ্যাধাণীশ

श्रीतका स्वित्त

কিয়া **ভীযুক্ত** ভাপালেখন লেন কলঃ চিন্তুশনীকেন

विकीम चंख गमाल .

#### -will themen

### क्बीस थक्षांबसः।

প্রান্থ শিষ্যকে শুকুর পাত্র নিষ্ধি।ও ধারা। প্রান্ধি ক্রির বৈশ্য এবং সূত্র এই চারি এ(ভি পুরুষ কারের উক্তি : ১০২।

অদাননত ভ্রা এটেভরবীশররে দে।শর্মণঃ । কিন্তা দাস ঘেশিওবোমা সংখ্যাভিত্তিক নিবেদনগাদৌ মহা শবের এচরণ অরণভরণ করণ মাত্রে ভাতসিংশেষ।

শিরন ম।।

পরমারাধনীর পরম পুজনীর শ্রীযুক্ত গরারাম চক্রবন্তী জ্ঞানোপদেশক গুরু ঠাকুর মহাশয় শ্রীচরাগারবিদেকু।

### <u>্রিটি (১৯৯) পাক্রাপ্তর ।</u>

ष्ववंभा (भाषा जिन्दीताम (स्वनार्यनः। 🖖 পরম শুভাশীর্মাদ বিজ্ঞাপনকালো তোমার মঙ্গল 🗟 🖺 🗸 ভাবে নিয়ত প্রার্থনা ক্রিভেছি ভাহাতে আমার স্কার্থে मक्त इस विटल्य!

### শিৱহামা।

পরম কলাণ্ণীয় শ্রীযুক্ত ভৈর্বীশক্ষর চট্টোপাণ্যায় 🖰 मत्नाजीके मिटक्षम्

ক্ষাত্রয় বৈশ্য এবং খুদ্র এই ভিন জাত্তি শিকাগুরুকে পত্র লিখিবার ধারা ত্রান্ধণ ছাত্রের উক্তি। 200 अखा

षाकाकाती शिष्टणारुताम (एवणर्मनः। भ्रम खलामी द्रार वा महामळ भ्रतर महाभटवत अनुवाहाव्यव मांत्व एक श्रिटमाय।

### मित्रामा।

ज्लागा कि अनामक श्रीयुक्त घटकेश्वत मारशक्त শিকাগুরু মহাশয় নমাশ্রহেরু।

এই शिवनामा धावाटक अना अना भिका शक्रक छेला ধি বিশেষ করিয়া লিখিবেক।

ক্ষত্রিয় শিক্ষাঞ্জুকে ক্ষত্রিয় বৈশ্য খুদ্র এই ভিন জাড়ি ছাত্র দেবক জীপাঠ ধারা মাফিক বিশেষ করিয়া লিখিবেক।

# 

ত্রাহ্মণ ছাত্রকৈ প্রত্র লিখিবার ধারা। ১০৪ পত্র। ক্ষতির বৈশা পুত্র এই ভিন্ন আতি শিক্ষাগুরুর উক্তি। त्मवक श्रीवालियात मारहाम क्रिया देवनावदर्ग निविद्यक किनामस्यव साम् विषयः त्यन् वर्षः विषयः एकवरमे निविद्यकः দান ঘোষ কিছা দান বসু প্রণামানস্থর নিবেদন্দারে আপনকার অনুগ্রহাশ্রেমে মাত্রে অত শুভাঘান্দার :

পরম পুজনীর শ্রীযুক্ত অংশাকনারায়ণ চট্টোপাধ্যার বাবাজীউ মমানুগ্রহিতেষু।

সুসলমান শিক্ষা গুরুকে পত্র লিখিবার থারা। প্রাক্ষণ ক্ষত্রিয় বৈশ্য এবং পৃত্র এই চারি স্বাভির উজিং।)
। ১০৫ পত্র ।

খাজেরদার বানল জিটকলাশচন্দ্র দেবশর্মণ:।
কিন্তা বর্মণ: কিন্তা দেনস্য গুপ্তান্য কিন্তা দাবস্য ঘোষন্য নেলাম বহুত বহুত ছাহেংবের ক্ষম পাহ্নারতে বস্দান ভা মাম প্রেএবধোবিদোদ।

### निवस्मा।

्र्णाकाक कारम्यातमा शमाद्यत कार्यका ब्रीटेस्टकताम्य स्थानि अस्ताम की गाउन्त कारमन्।

প্রকারের।

ব্রাহ্মণ ক্ষরিষ বৈশ্ব এবং পুত এই চতুর্বিণ সংক্রের পাত্র নিধিবার ধারা। মুসলমান শিক্ষা গুড়ার উজিং। । ১০৩ইপাত্র ।

বাদওলত প্রবেশে এন্ডজার ফেরনার শ্রীমরকেরাম-ভালি দোরা বভত বভত ভোমার হক আদাধ এরদান হক ভালা দরওগার হামেলাল হোনজ বন্দিগী বাহাল ছুরভ বমোস্তবে গরিব দোয়াকোনেন্দার গ্রার ছুরভ বেহেতর গোদ।

নেক কেরগার জীযুক্ত কৈলাশচন্দ্র চটোপাধ্যায় ব বালাজান জেলেগানি খোন্ডাবা বাহাদেশুন শিক্ষাঞ্জ ভাত্মণকে পত্র লিখিবার ধারা। ভ্র.কাণী ক্তিয়াণী ইয়াখানী এবং শুদ্রাণী এই চাতুর্কিধ ক্ষাতি প্রীলোকের উক্তি।

া৷ ১০৭ পত্ত ৷৷

कानाक्षम छेशार्कन विभिन्न श्रमांदम्क। माना। शिमको प्रदम्भतो (मनो खनाया नाष्ट्रकाष्टि निट्टममक्ष्नंदमो यशान्द्रम क्षिप्रत् खनादम अ त्मबद्द्रम् कारोद्रक कृत्वव विद्यम्य।

भि:तस्भाः।

পারম পুজনীর শ্রীসুক্ত নিরপ্তন চক্রবন্তী শিক্ষাগুরু মহাজয় শ্রীসুর্ব সর্বেচন্দ্র ।

প্রকান্তর:

ত্রাকানী কালিয়ানী বৈশ্বানী এক প্রাক্তি এই চাড়ুকিং তাতি দ্রীলোককে পর বিভিন্ন ধার। বাজার বিক্ষাপ্তকার উক্তিঃ।

।। ५०% भारत ।।

পরম শুভাশীর্কাদ জিনিরঞ্জন দেবশর্ম্বর পারম শুজা-শীবাং রাশয়াসন্ত পরং প্রিমতীর শ্রীয়াংশ সফলভা সর্বাদ্য প্রার্থনা পুর্ককে কত্র শুভ'দ্যদেব।

শিরনামা।

পরম কল্যাণীয় এমিন্ডী ভূবনেশ্বরী দেবী কিছা দাসী সাবিত্রী সদৃশাভব কিছা যন্তাপি বিধবাকে লিখে তবে লিখি বেক ধর্ম সমানভিব।

হুদলমান শিক্ষাজ্ঞককে পত্র লিখিবার ধারা। ঐ চান্তবিধি শান্তি স্ত্রীলোকের উক্তি:।

(मात्रा (मोलंक देताकन अहंकिकत्रमनी क्यामको अल्लाजी

त्मरी विमिनी (दङ्गा आवस व्हड्डिश्व अश्वामः महिंद्रवेद कन्म भाराना ह्रवट्ड कामात त्थरतत त्याविरताम ।

भित्रवामः।

হরছৌনরে গোলরবাগ ছএল কেনেন্দা শ্রীদেথ **পাসকালি ওস্তাদ** চাত্তের

कल्ट्यम् ।

চাভূদিধ আতি স্ত্রীকোককে পত্র লিখিবার ব্রো। মুবলনান শিক্ষাগুক্তর উল্ভিন

। ১১০ পরা।

त्रकरदकाटनमा चिट्नय जानवकानि त्माया वर्ष्ण दङ्क काटल वरमोला**ठ जाटलटणगानि ७**हत्क खिन्मद्दल काम्यन वास्त्र (वटक्टब्ब तामि।

শিরনামা।

वर्षाक माकांच वर्तक तरमक्तानि छेगात्र क करता हो। क्षिमकी खक्रमानी स्त्री चाछेग्रल सक्तर

(वर्श्हरकरम्)

ব্ৰাক্ষণ রাজাকে পত্র নিথিকার ঘার।। ত্রাক্ষণ প্রজার উক্তি।

1 355 村瀬 1

অধিকারত প্রান্তর্ভাগান্তঃ ছিতঃ তঃখিত ভিকাইারী আক্রাকারী প্রীচন্দ্রচুত দেবশর্মাণঃ শীমগ্রহারালার বিপাক পক্ষ ক্ষরতি আশীর্জাদ নিবেদনঞানে মহাশ্রের ভ্রিভর ক্ষলা প্রিয়মা দফল মাত্রে সর্বত্তি শুভস্থিশেবঃ।

मित्रामा।

ধনেশ জুলা ধনী যতি শিরোমণি নৃপ্মণি শ্রীণ শ্রীযুক্ত জনমেজয় ভটাচার্যা জনীবার মহাশর প্রবল প্রভাপেষ্ট

# क्षांनद्वीपूर्ण ।

# া কি প্রাক্তিক পর লিখিবার ধারা। প্রাক্তির প্রক্রিক পর লিখিবার ধারা। প্রক্রিক ক্রিকে:।

### 1 ३५२ शव।

आणि जीवांका कि अध्येक्टर अविशालिक शिक्तरम खद (पर्वेक्चे के कि विवास के एको स्थान एवं कि व्याप्त के कि व्याप्त के कि व्याप्त के कि व्याप्त के कि कि कि कि

### बि.इ.भाषा ।

কলুম বিষয়কোরকাল পাষ্টক ভাষক ভাষক ঘটেসক পাজ শীক্ষাদ চ শীনুক চন্দ্রত্ত চট্টোপাধ্যা। চন্দ্রত চিন্দ্রটেন্ট

ঐ আহিণ রাজাতে পজ লিখিবাৰ ধারা। ক্ষাত্রিয় বৈশা এবং গুলু এই ভিন জাভিঃ উকিং। ১১২ প্রে।

्म्बकान् (भरक खन्न्तिवक शिर्शाशांत्रहरू नर्सनः। किन्ना मान किन्ना मानंदर्गं च क्षाया मान्यस्य निर्वणनकारित शिकुक कार्यमात्र ठाम्ब महामारेश्व शिक्वरणारास्य वक्रासः कार्य भावना मान्य काषाकः कर्णावनायः।

### (MAATA: 1

াতি মতি বিধীন দীন আকিঞ্চন জন জনক ভুলং প্রতিপালক উন্মূত জনীধার জনমেজয় ভট্টাচার্য্য মহাশার জীচত শেয়।

### প্রেক) ভর।

উক্ত এই ভিন জাতি প্রজাকে পত্র লিখিবার ধারা। অন্দিঃ ধালার উক্তি।

ममा , मुशाबिलाय ध्याम ध्याप छ उद्देव आ मिसामक

ाः च विश्वित्रवाशि । विश्वित्रवाशि । विश्वित्रवाशि । विश्वित्रवाशि । विश्वित्रवाशि । विश्वित्रवाशिक्षा

সদাভভানু চিভির পরমকল্যাণীর প্রমুক্ত খোপালস্ক বর্নাণঃ কিয়া-ছপ্র বসু পরম কল্যানীরে বুন ঐ প্রাহ্মান আঞ্চারে পত্র লিখিবার ধার। মুসলমান প্রভার উক্ত।

गा अंद शक्ता

त्वांक नरताक वाश्वां काश्वां मात्र वाश्वास त्वरह छ दि त्यस क कारतना कीरमध य मेत्राम नरमधी देव ह उवक नीयुक क्यों मात्र कारहरवत अनकार्य (सरहत्वां म पूत्रक वास्तात (नरहरकत त्यां म)

### भित्रक्षाः ।

ভাউরল আথবভবাপ্ত হক্তালা ভগুংলোভি চলাত-বারদার জমীদার ভীযুক্ত ক্রমেজর ভটোচার্ব্য মহাণার গভীর প্রবেজন্তেয়ুঃ

> প্রকার প্রকার করিবার ধারা। ধুনলমান গ্রহ্মান রাজার উক্তি।

> > ্যা ১১৯ পরে ।। 🔭 💮 👵

fraktation (

মবহামদোশা কোনেশা এবেশ ককিবী কা ভাতেম মেহেরবাণী অক্রয়লাকেন্দ্রানে

# ক্তির ও বৈশ্য ওপুত্র এই তিন কাকি ক্রীদারকে পুত্র ক্রিবার ধারা। ভাকাণের উক্তি। ১১৭ পত্র।

শ্রীপ্রী অর্চনানস্কর নিরম্ভর আশীর্কাদ শ্রীউমাকান্ত দেবশর্মণঃ পরম শুভালীর্কাদ বিজ্ঞাপনক্ষাদো শ্রীযুত মহারাজর
শর্তবাহার গান্তীর্যা ধীরভার প্রাথব্য দৈব শক্তির আশ্রুয়া
জ্ঞানব্যারের মাধুর্যা মুবিচারের নৌক্ষর্যাভা বসুমতী বাহ্ন
লাভা কমলার জনলতা ভচল ছহিছা সকলভা কর্ণাৎ এ
স্থিকারক আশীর্কাদকের সমস্ত শুভারিশেব:।

### मित्रामा ।

নদা অচ্যতানন্দ ভাবক ভাবক ক্ষণথা দীন প্রতিপালক শ্রীল শ্রীযুক্ত বাবু স্থাকুনার মাহাতা কিছা বাবু চন্দ্রকুনার রাম কিছা বাবু গকাকুনার ঘোষক ক্ষীদার নহাশন্ত নোর্দ্রগ প্রভাগে ভাবে গভীর গৌরবেয়ু। প্রভাগের।

ভাজানকৈ পত্র লিখিবার ধারা। ক্ষত্রির ও বৈশা ও পুদ্র এই তিন আতি জমীদারের উক্তি। ১:৮ পত্র।

नर्समा आगीर्वामाकारिक हिहूर बीहरनाविष्ठ बीय्राक्यात वर्त्सन किया हस्तक्यात त्मन शश्च किया नव्या-क्यात मान त्याम व्यनामा नर्थाणि विष्क निरंबममश्चारमी बीयुक चढीहार्या मश्चारम्य व्यवस्थामीर्कारम व्यक्ति माद्र माधिकात महान्य एक पिरामा

शिवनाम्।।

সন্ধিতে জিন প্রিম প্রম প্রনীর প্রীযুক্ত উম্কিতি ভট্টাচাট্য মহাশর সমর্থিকার প্রিত্তের।

# ক্ষতির অমীদারকে পত্র লিখিবার প্রারা। ক্তির প্রকার উক্তিঃ।

্ত ১১৯ পত্র।

আজাকারি প্রতিপাল্য শীন্ত্মনর্ম বর্মণঃ প্রণাম। সংখ্যা বৈভব দত্ত নিবেদনকাদৌ শীবুক্ত জনীদার মহাশ-মের অভুলৈম্বর্য শ্রীশ্রী করিতেছেন ভাগেতে অত্র শুভিদি-শেষঃ।

### चित्रनामा ।

প্রবল প্রভাপাত্ত জীল জীযুক্ত বাবু গিরীশগন্ত মাহেক্ত। ক্যীদার নহাশর ভাচলা ক্মলাভাতেণু।

প্রভাতর।

ক্ষত্রির প্রজাবে পত্র লিখিবার ধার।।
ক্ষত্রির শ্বমীদারের উক্তিঃ।

১২০ পরা

ভবদ্মকলাকাজি শীপিরীশচন্দ্র বর্দাণঃ নদকারা বিজ্ঞাপ্র গ লাদৌ ছোমার গৌরকাদি সকাধিপ্তাপ্ত কল্প প্রদায়ক প্রদায়ক প্রদায়ক প্রদায়ক প্রদায়ক প্রদায়ক প্রদায়ক প্রদায়ক প্রদায়ক

मित्रामा।

নানা গুণাভরণ ভূষিত। সূপ্রতিটিত শ্রীবৃত নছমনরাম মাহাতা সদাশায়েলু।

ক্ষত্রির অমীদারকে পত্র লিভিনার ধারা বৈশা ও শুদ্রের উক্তিঃ।

निकासः श्राहिताना श्रीभवखताम तम खर्थ किया मान चाय श्रामा त्र्यं क नित्तमनश्चारनो श्रीयुक्त क्रमीनात महामा त्रत श्रुक्त देवस्व मन। मत्तकन श्रार्थम। त्र्वं क्रिक स्वस्त मनन विराम दे।

# कान्द्रशहरो।

### শির্মামা।

পরমার্চনীর সংখ্যার শীযুক্ত বাবু গিরীশচন্দ্র মাংহন্দ্র জমীদার মহাশীর অসংখ্যাদীন প্রতিপালকের প্রত্যুক্তর।

বৈশ্য ও শুদ্র প্রজাবে পর লিখিবার ধারা। ক্রিয় স্বাধীনারের উজিঃ।

५२० भव।

ভবৎ মুখাভিলাঘ প্রিয়াসকারি জ্বিরীশচন্দ্র মাণঃ। নসকারা নিবেদনমিদং ভোমার অভুলোদ্ধর গৌরব জ্জিচি ক্রিভেছেন ভাষ্ঠিত অত্র গুড়াইলেয়ঃ।

### শित्रनामा। \*

সদাসুজ্বার পর্ম থ্রিমবর জীযুক্ত পরতরাম দেন কিম। বসু অতুল বৈভব প্রাণ্ডেষ্

নেশ্য ও খ্ত এই ছুই জ:ভি জুমানারকে পত্র লিথিবার ধারা ক্তির প্রজার উক্তিঃ।

### ুহ্ পত্র।

ভবন বৈভবাভিলাধ প্রিয়াসকারি শ্রীপঞ্চরজারী বর্মাণঃ নসকার। নিবেদনগোদৌ শ্রীযুক্ত অমীদার মহাশাসের মহো-নাত শ্রীণাতি অহরহ করিতেছেন তক্তৈতে অত্র শুভবিশেষঃ।

শিরনামা।

নদা সদাজির অধকাপ্রিয় শ্রীল প্রীয়ুক্ত বাবু বিনদ-বেহারি সেন কিয়া যদুজ জনীদার মহাশর যদ গৌজন্যতা সফলতা প্রাপ্তেরু।

### প্রজ্যুত্তর :

ক্ষত্রির প্রজাকে পত্তা লিখিবার ধারা। বৈশা ভশুত্র এই ছুই জাতি জ্ঞাদারের উক্তি:।

### ३२० भना

সর্ব স্বচ্ছনদ ভবন কুশলানন্দ ভাব শ্রীবিনদবেহারি সন গুপু নমকারা বিজ্ঞাপন্ধাদৌ ভোমার মনগভ ভিমিরভ দূবভা স্কানা প্রার্থনা অন্ত মঞ্চল বিশেষঃ।

### विद्रनामा ।

মক্বিদ্যাভিনিক্ত গুণুভিরিক্ত শ্রীযুক্ত পঞ্চালারী মাহাতা বদা সং চরিত্রেণু।

ম্বলমান ক্ষমীপারকে পত্র লিখিবার ধারা। বাদ্দণ ও ক্ষত্রিয় ও বৈশ্য ও প্র এই চাড়র্কিষ প্রকার উভিন।

वर्षमभटक वरश्रक शृंद्यतवाला श्रीमानवानक (पर भग्नेश किए। वर्षाण किला श्रमकाश किए। मानवसू (एए) भ वक्त वक्तक वाम श्रीवृक्त समीमात गांद्यत्वत (स्क्रमका मृ वर्ष शांत्र वास्त्रीत (त्रश्रक्ति शांस्र)

### बिल्लामा मा

পর ওয়র বর অনী ল জিলেশ সেনাজনের ছা লগী দাহ সাহেবের বক্তবেলিন্দারু।

### अकाष्त्र ।

ভাজাণ ও ক্ষাত্রয় ৪ বৈশ্য ও শৃত্ত এই চ'ত্রিব প্রজাকে পর লিখিনার ধারা: মুদ্রমান জমীলারের উত্তিঃ।

### ३२७ शब ।

वषत्रशाहत्रहून त्यशमक छेला कारमण विष्णा श्रीरमध क्षमाक्रमहा वाष वरुषणी लोगोता खटसद थाविषापन सूतारक वास्तात थिएसत थावि लोग।

भित्रगमा।

मत्रवाश क्लान्स्यामी शालदत्रनष्टानि त्रअपन क्ल्रमात

বরবোরদার ত্রীযুক্ত যাদবানাদ চট্টোপাধ্যায়-দিগ্র স্নে গ্রাণ্ডার দাস ঘোষ হকতা ভোহত नकारत्यानय !

রাজাধিরাজ নহারাজাতে পতা লিখিবার ধার।। অধিকারশ্ব ত্রালনের উতি !

1 320 5 33 1

অধিকাৰত প্ৰতিভাগাবাত্ত ভবন অভ্লাগিকার বাহিত দণতি তিক্ষালয়েই ইতি বাকোন প্ৰিপালিক এলানা खनाम (मरणक्षाः भावत मुखामेराः तामवः। मह ५,वर खेर् छ পতা কি নবেকুপতি কেশবী নরপ্তি মণাশ্রের মটোক্তি टेवकव अर्काष्ट्रम् शामन कृषा जनावित व (कमन,५,४)हर विरम् वार्थमा भुक्षेटक राज सर्वाहरणयः।

रिमायमा भा ।

ন প্রাক্তর প্রবন্ধ প্রচার প্রভাবা বিছ জ্রীল প্রীয়ক মহাবাক। ीत्रतीय किरावरम्स याग राष्ट्राप्त समर्भा सीन व्यक्ति सम्बद्ध ।

खेगर स्त तिशिष्ट। भर्तिकारक कविष ७ रेक्या ७ में उर्देश ক্ষাভর পল লিখিয়ার খারা। १०० भक्र।

অধিকারান্তপ্রার ভাগান্তকিক দুরিত কলাংশে রুলার-लाक्नाधिशरका खिक्यानिक श्रीलकानामालाका, नर्सनः জিয়া যেন হাত্ত কিয়া দাসংখ্যে প্রাভি নরেন্দ্রকেশ্রী নর-क्ष महाभारतत परशासिक रेनजन मर्नेट्स बामय जना ভবাভিলাষ কেশৰ পদারবিন্দে প্রার্থনা পুরুকে জত্র শুড়-ANTHING ! णिवनामा ।

উপরের ঐপ্রাঠ।

न्धिरिष धरम धर्म धर्मभाविक कील कीव्य महोताका ধিবাৰ ভিলকচন্দ্ৰ রাধবাহাত্বর অসংখ্যদীন প্রতিপালকেয়ুঃ।

> ল্রাক্ষণ মহাজনকৈ পত্র লিখিবার ধারা। ব্রাহ্মণ খাতকের উক্তি:। १३० श्व

स्क्रिकोती कीलोडीमञ्चत स्वयमम्बन्धः मनिमञ्च भुष्यक नगरकारा जिट्टमनथाटम् नदामाटभत् सुनान्दलाक्त कार्यास्य क्षांत्रात्रम्म भारतः च्या खानिताम्मः।

भित्रनामः।

কমলাশ্রিত মুর্ঘতিন্তিত জীয়ত সুত রাশকর লোট 🖒 मशान्य मः श्राह्मण्यद्यम् প্ৰস্থান্তৰ :

> ল'দ্যা আজককে পত্র লিখিবার দার।। खाला भश्चरन्त्र छेलि।

> > 1 500 图图 11

पुषा **शिक्षु वक्षां पान्त राजभू स्वतः सन्ना १७३** (स. इस्मारा (सन् ্ডান্যর তুমকল ঐশ্বিকরিভেচ্ছন ভারতে ফারনেফ ১,১০১

भित्रभाषाः ।

· शास्त्रीयम् श्रीयुक्त भोतीमक्कत्र देशनवर्तः। "মহাশর দশাসং গরিতেও खंभाग मश्जनक भव निशिवाद धारा। क जार अ देव मा अ शूख बहै, किन काहि था अदक्त के लि।

1 ३०२ शडी

निवक खीर्थामश्लहस्त्रवर्भनः किया कर्वछ किया मान मिज श्रामा मञ्जवस्य निर्वयसभारमी महामरहत 🕮 हत्। -मिनिद्विक्र ग्राव्यक्त व्यक्तिभाति विद्युत्त क्रिक्षित्र क्रिक्रियः।

শিরনামা।

পরম পুর্বনীয় জীঘুক্ত শিবলক্ষণ কুশজি মহাশয় জীচরণ যুগলের :

প্রভার ।

ক্ষত্রিয় ও বশ্য ও খুদ্র এই দিন জাতি খাভকে পত্র লিখিবার ধার। '

।। ५०० भव ।।

खांका मशकत्मत्र छेकि।

নিভান্তা গ্রিক শ্রীশিবলক্ষণ দেবশর্মণং পরম শুভাশীবাং রাশয়ংশন্ত পরং ভোষার সুস্থিরা কমলা শ্রীশ্রীকরিভেছেন ভাহাতে অত্র গুভায়শেয়ং। শির্মামা।

মহামহিমাপর সর্বাঞ্চণর জীল জীযুক্ত খোলহালচন্দ্র দেন কিছা গুণ্ড মিত্র চিরজীবেয়ু গ

্ ভাত্মণ মহাজনকে পত্র লিখিবার ধারা।
মুগলমান ধাতকের উক্তিঃ।

708 82 1

করমাবরদার শ্রীণেখ হবিছোলা ছালাম বছত হ সারোজ নিবেদনখালে প্রীধুক্ত ঠাকুরজীর নেক শ্রীশ্রীদরগায় হামে-হাল মেরত করণে বান্দার ঘোকরর হর বিশেষঃ।

मित्रनामा।

্থোলা যেগানি নেক জেলেগানি শ্রীযুক্ত শিবলক্ষণ কুশুড়ি মহাশয় নেক নজর করমুদরের।

প্রভান ।

মুগলমান খাভককে পত্র লিথিবার ধারা। ব্রাহ্মণ সহাজনের উক্তি:।

· 300 পতা 1

दमार्श्वरकाटनामा जिल्लाभिकाण्यम दमचमार्थाः वटमात्री विका

পন্ঞাগে ভোমার খেরের খোবি এতি করিছেছেন ভাহা ভে অত্ত মকল বিশেষ:।

শিরনামা;

নবিন নয়া জেব কোনেন্দা শ্রী দেখ হবিভোলা গোকর বরেষু।

ক্ষরির ৩ বৈশ্যও পৃত্রা এই ভিন জাভি নহাজনকে পরি লিখিবার ধারা। নাজন থাতকের উক্তি।

500 PM 1

শী শীক্ষনশিরে নিরস্তর স্বাশীর্বাদক শীক্ষেব্রজ্ঞ দেব শর্মণঃ পরম শুভাশীর্বাদ বিজ্ঞাপনস্থাদৌ ভোমার দদা নুষকল শীশী করিভেছেন ভাগতে অত্র মক্ষ্য বিশেষঃ।

मित्रनामाः

প্রিয়প্রির ধান্মিক শ্রীযুক্ত অপুর্বলাম এছি। কিন্তা কর গুল পালিত মহাশয় মধ প্রক্রিপালকেণ্ড

প্রকাতর।

ভাদাণ খাতককে পত্র লিখিবার দায়। ক্তির ও বৈশা ও পূজ্য এই জিন জাতি মহাপ্রনের উক্তিঃ । ১০৭ পত্র !

শ্রীচরণাপ্রিভ শ্রিহরদয়াল বর্মাণঃ কিয়া কর গুপ্ত দাস পালিছ প্রণাদা নিবেদমঞ্চাণে মহাশ্রের শ্রীচরণাশীর্কাদে এসেবকের মঙ্গল হয় বিশেষঃ।

শিরনাম:।

পরম পুজনীর জীবুক্ত কুবেরচন্দ্র গড়গড়ী
নহাশর জীচরণের।
ক্ষত্রির মহাজনকৈ পত্র লিখিবার ধারা।
ক্ষত্রির খাডকের উক্তিঃ।

### 300 ME 1

অক্তাকারি জীপিবল্যোপাল বর্মণঃ নমকারা নিবেদন-ফাদো বাবুজী মহাশরের অনুগ্রহাশ্রম মাত্রে, অত্র শুভবি শেবঃ। শিরনাশা।

नर्मक्षशारं निश्च श्रीयुक्त वांद् वाल शालाल मरहत महालाह भनाता एक यु।

পাত্যন্তর।

ক্ষতির থাজনতে পত্র লিখিবার খারা। ক্ষতির মহাজনের উক্তি:।

১৩৯ পত্র।

ভবন মঞ্জাকাজিণ জীবালগোপাল ওর্মণঃ পিভা নম' কারা নিবেদনঞ্চানী ভোমাব সুমঞ্চলে আসব সর্বদা মঞ্চ লম্বিশেষঃ।

### - भित्रमा ।

গুণভিত্তিক সৌমন্যভা বিশিষ্ট শ্রীযুক্ত শিবগোপাল

মাহাছা সক্তগাবলহিত্তে ।

ক্ষত্রিয় মহাজনকে পান লিখিবার ধারা। বৈশ্য ও খুদ্র এইছেই জাতি হাতকের উল্জি।

১৪° পত্ৰ !

প্রতিপাল্য শ্রীপুরন্দর দেন গুণ্ড দাস পালিত সাবন্ধ পুর্বক নমকারা নিবেশনকালে শ্রীপুক্ত বাবুলী মহাশহের অনুগ্রহাবলয়নে অত্র শুক্তবিশেষঃ।

শিরনামা।

পরনারাধির শীরুক্ত বারু জালমচন্দ্র মেহের । মহাশয় পরম ধার্মিকেরু। প্রভাবির।

বৈশা ও খন্ত এই ছই জাতি থাকুক্রকে পত্র লিখিবার ধারা।

# कवित्र महाकारमञ्जू छे जिः।

১৪১ প্রা

পোষা জীআলমচন্দ্র বর্মনঃ পরম প্রিরবর বিজ্ঞাপরঞ্ছা দৌ ভোমার মঞ্চল জীনী দারায় প্রার্থনা করিতেছি ভাষাত্ত

### শিরনামা।

শর্ক ধর্মা আছে জীবুক পুরন্দর শেন গুণ্ড কিছা পালিভ শদা শং চরিজেছু:

বৈশ্য ও শুক্ত এই স্কৃই জাজিশহাজনকৈ পতা লিখিলার ধারা ক্ষত্রিয় খাতকের উক্তিঃ।

उतर शबा।

প্রতিপালিত জীউমেশটন্দ্র বর্মাণঃ পর্মাণ্যারিত গুলক নিবেদনঞ্চাদৌ আপনকাব অতুল বৈভব ভবদার। পদ প্রান্থে প্রার্থনা পুর্কিক জাত্র কুশলঘিশেযঃ।

শিরন'মা

সমাত্রার কর্তৃ হ জীকৌশলগাকিশোর কব্যরি মহাশয় সদাশবেষু।

প্রকাঞ্ডর।

ক্ষাত্রিয় থাতককে পত্র লিথিবার বারা। মহাজন বৈশ্য ও সূদ্র এই তুই জাতির উক্তি।

580 शब ।

্ ভবন সুথাভিলাবাকাজ্যি। শ্রীকৌশল্যাকিশোর কর্প্তথ্র কিছা দাসবসু প্রম ভাজনবর বিজ্ঞাপন্ধাদৌ ভোমার রাজপ্রভাপ অনবরত প্রার্থনা পুর্দকে অত্র শুভিহিশেষঃ। শির্নামা।

সর্ব গুণাক্ষমিত জীযুত উমেশচন্দ্র মাহাত। পরম প্রিক্রান্তঃকরণেয়ু।

# " TANKT!

মুক্রমান মহাজনকে পত্র লিখিবার ধার।। আদাণ ও ক্ষুত্রির ও বৈশ্য ও শুত্র এই চারি জাতি

্ৰাজ্ঞ । ১৯৯ পত্ৰ।

বজের মেহেরবানি শ্রীনোমনাথ দেবলমান: কিছা বর্মান:
কিছা সেন গুপ্ত কিষা দাস সিত্র ছেলাম বেসুমার বাদ সাহৈ
বের মেহেরবানি ছাদের সুরাভ এ গরিবের গম্বা বেহেভের সোদ।

শিরনামা।

. গরিব পরওয়র শ্রীদেথ আসরদীন ছাত্রে নেকরওসনেযু

প্রকারণ

ব্রাহ্মণ ও শুদ্র ও ক্ষত্রিয় ও বৈশ্য এই চারি জাতি থাতককে পত্র লিখিবার ধারা। মুদলমান মহাজনের উক্তি।

1 380 93 1

न अवादण व (मन कटकादन पा) कि एम व जामक की न वाक विकास के विकास के व्यवस्था विद्युष्ट को मान्य विकास के विकास के

शिवनामा।

- वश्हानिवम्बदम्म (थानदक्तमाव

শ্রিয়ুক্ত গোমনাথ মুথর্জা কিয়া মাহাতা কিয়া গেন গুণ্ড কিয়া মিত্র খোস্তাবা বাহালেয়ু। ভাষাণ মনিবকে পত্র লিখিবার ধারা।

ব্ৰাহ্মণ চকিরের উক্তি।

11 282 AM 11 194

काकावाती किरकतातनाथ स्तत्रक्षांनः नविनम् भूकिक

নমকারা নিবেদনগোদৌ মহাশরের শ্রীয়থমণ্ডল ক্রুরিছ শ্রীজাজা প্রতিপালক মাত্রে অত্র শুভবিশেষঃ।

শिवनामा।

পরম বন্দনীর জীগুকু শিবটৈতনা কুলভি মহাশর মং প্রতি পালকের।

প্রভারর।

ব্রাহ্মণ চাকরকে পত্র **লিথিবার** ধারা। ব্রাহ্মণ মনিবের উক্তি।

11 189 পত্র !!

ভবন সুথাভিলাষ জীশেষতৈতন্য দেবশর্মাণঃ প্রদ্ধিয় জনাত্ত নিবেদন্ধাদৌ তোমার মনোভীষ্ট সং তল মাত্রে অত্র শুভাগিশেষ।

শির্নানা।

পরমন্ত্রাজনবর শ্রিয়ক্ত কেলারনাথ পাক্তামি দিল। নিশি কাশীবাদী প্রশাসিবমেণু।

ব্ৰাহ্মণ নমিৰণে পত্ৰ লিখিবার ধারা। ক্ষত্রিয় ও বৈশ্য ও গৃত্র এই ভিন জাভি চাকুরের উ ক্ত । ১৪৮ পত্র।

পদাবনক ভ্তানিভ্তা প্রবাদে পরিপালিত জ্ঞানাকী ছলত ব্যান কিছা কর তথ্য কিছা দান নিত্র প্রণামানংখা-কাটি নিবেদনপ্রানৌ মহাশবের জ্ঞাচরণ প্রবাশ্রম মাজে ক্রেশুভিয়িশ্য। শিরনাম।

ভাহিক পার্বাক্তিক নিজার কর্তৃত শ্রীযুক্ত কোকিলকণ্ঠ দীর্ঘাক্লি মহাশ্য অসংখ্য দীন প্রতিপালকেছু।

প্রভাত্তর ।

क्विय अरेवना अ गूंछ वह जिन आं कि ठांकतरक

পত্র লিখিবার ধাঁরা। ভাজাণ মনিবের উল্জি:। । ১৪৯ পত্র।

পুষ্য শ্রীকোকিলকণ্ঠ দেব্শর্মণঃ পরম শুড়াশীষাং রাশয়ঃ সন্তু পরং ভোমার কুণলারবিন্দ মকরন্দ গৌরভ গ্রহণ মাজে জাত্র শুভাষ্মশেষঃ।

### শিরনামা।

সংশাশ্রিভ শ্রীযুক্ত জানকী চূর্লভ মেংহর কিয়া গুরু কিয়া মিত্র অতৃল গৌরব সৌজন্যভাগ্রিতে দু । ক্ষরিয় ৪ বৈশ্য ও শৃত্র ও ব্রাক্ষণ এই কয়কাতি মমিবকে পত্র লিখিবার ধারা। মুসলমান চাকরের উভিনা

11 200 ME 11

করমাবরদার শ্রীবেথ নাজেমর্দিন বন্দিগী বছত বভঙ বাদ আরোজ বরোজ মহাশয়ের বেছেডরি শ্রীশ্রীএলাহি দর গায় হামেহাল রঙ্গন করবাতে বান্দার বেহেডের গোদ।

শিরন্মা।

পরতাক্ত কোনেনা শ্রীযুক্ত রামলক্ষণ চাটুর্যা।
নহাশন গরিব পরওরারশেসু।
প্রভাৱে।

মৃণ্ণমান চাকরকে পত্র লিথিবার ধারা। ব্রাক্ষণ ও ক্ষত্রিয় ও বৈশ্য ও প্র এই চারি আভি মনিবের উক্তি।

্বা। ১৫১ পত্র।।

শুভানুধ্যারী এরীমলক্ষণ দেবশর্মণ: প্রম হিতার্ধ বিজ্ঞাপন্থাদৌ ভোমার সুমঙ্গল এই ছারা সর্বদা চাহি ভাহাতে অত মঙ্গুল বিশেষ।

# . १८८८ वर्षा **ित्रतामा ।**

त्थामाञ्जानि श्रीत्यः मास्यविन कवम त्थामन्

ক্তিয় দনিষকে পুত্র লিবিবার ধার। । কৃত্রিয় চাক্রের উজি। ।। ১৫২ পত্র।।

আজাকারি প্রিমানিবিং বর্মাণঃ সবিনয় পূর্বক নহায়ার। নিবেদনঞ্চাদৌ প্রীযুক্ত বার্জী মহাশয়ের প্রীজাক্তা প্রতিপা লন পূর্বকে জামার সর্বাত্তিক মঞ্জ হয় বিশেষঃ।

शिव्या ।

প্রতিপালন কর্তা প্রায়ুত গোকুলচন্দ্র মাহাত। বাবুলী মহাশর সর্বাচ্ছাদকেনু। প্রক্রান্তর।

ক্ষত্রির চাকরকে পত্র লিখিবার ধারা। ক্ষত্রির মনিবের উক্তি।

369 MJ |

কলা সুমঙ্গণাকাংকিত জীগোড়ুকুতুক বর্মাণঃ পরমাপ্রিয়বর বিজ্ঞাপন্ধাদৌ তোমার পরম কুশল জীগ্রী অনবরত করি-তেছেন তাহাতে অত্ত শুভ্রিশেষ।

ागदनामा ।

तुर्वीक तुजासन शिपुक मानगिर्ह (महस्त

कित्र मनिवरक शत तिथिवात धाता। देवना ७ मूख हाक्टूब केंद्रिक

भवम अविभागा मी भूतम्बरम् त्यम क्ष तिमा बांक त्याय

गविमत्र श्रृक्षक ममक्त्रं निध्यममधारमा श्रीयुक्त वावूको महा मद्यत कृशावटनाकम क्वांस्टम मक्वतिस्मय।

भित्रमाभा ।

পরম বন্দনীর অধর্মপ্রেরজীয়ুক্ত বাবু গোকুলচন্দ্র মাধাছ। মহাশর অসংখ্য দীন প্রতিপালকেরু।

क्षकाख्य।

বৈশ্য ও পৃত্ত এই ছুই জাছি চাকরের পত্ত লিখিবার ধারা। ক্ষত্রিয় মনিধের উক্তি।

100 四面 1

নদা সুমকলখারী জীলোপালচন্দ্র বর্ষানঃ পর্ব ক্থেতি ফিত ভব বিজ্ঞাপনফালৌ ভোষার সুমকল সদাবর্গদ। প্রার্থনা পুরুকে জন্ত মঙ্গল বিশেষ।

শিক্ষামা।

গোরম হিত্তকারী গুণসাগর প্রীযুক্ত পুরন্দরচন্দ্র গুণ্ড কিয়া দান ঘোষ অভুগ গৌরব প্রাপ্তবরেষু।

रेवना ७ म्स बहै क्षेत्र काकि यनिनक लेख निकि

वाज थाता।

কতির চাকরের উক্তি।

DE SIE OUT

बाक्षाकाती श्रीमुख्जाकूमात वर्षाः विमन्न शूर्वक मिटवण नकारणे महाभदन्तक नर्वाजिक श्राचारम खद्ध श्राच्यायः। । श्रीचन्नमा।

मीन श्राष्ट्रिभाक्तक अन्दरक्षनाश्चात्र विभावम किया नत-कान अवस्थित गर्कश्चन चाकरम् ।

The matter of the following will be

# रेवणा **५ मूल वर एके कार्कि मन्दि**तत के किला है। अंक श्रम है

সদা সুমকল চিন্তাকারী জীনরেন্দ্রনারারণ বিশারদ গুণ্ড কিয়া দাস পরম প্রিয়বর বিজ্ঞাপ্রকাদেন ভোমার সুক্র জীলী করিতেছেন ভাগতে অত্র মঞ্চল পরং।

### বিরনাম।।

নানা গুণাভিধিক শ্রীযুক্তসুভত্তাকুমার মাহাত। পরম ধার্মিকবরেয়।

বৈশ্য ও শুদ্র এই ফাডি সমিবকে পত্র লিখিবার ধার। : বৈশ্য ও শুদ্র এই ছুই লাভি চাকরের উক্তি।

### । ज्यान नाजा ।

আজ্ঞাকারী একালীনিভাই বিশারন গুরু কিয়া দান নিংছ সবিনয় পূর্কক নমস্থানা নিবেদনকালেই মহালহের মহোরতি শুশ্রীয়া প্রার্থনা পূর্ককে অন্ত মঙ্গল বিশেষ।

### चित्रामा ।

সমাশ্রের সদাশ্রের প্রিয়ুক্ত সদনশস্কর সেন কিয়া বসুজ মহাশার শ্লীন প্রতিপালকের। বৈশ্য ও শুদ্র এই ছুই জাভি চাকরকে পত্র লিখিবার ধারা। বৈশ্য ও শুদ্র এই জাভি সনিবের উক্তি।

ा ५०० शब ॥

শুভানুখ্যায়ী প্রীমদনশস্কর সেন গুপ্ত কিয়া দাস বসু পর ম প্রিয়ম্ম বিজ্ঞাপমঞ্চাদৌ ভোগার সুমঞ্চল প্রীপ্রী করিছে হেন ভাহাতে অন্ত মঞ্চল বিশেষঃ।

गर्नेख्याम ए जीवाकी निकाई (गर्मा विका

করির ও বৈশ্য ও শুর্র এই তিন জাতি মনিবংক পরি লিখিবার ধারা। বাহাণান্তবিহুর উক্তিন

আজাকারী শ্রীউদ্ধবক্ত দেবশর্মাই পরম শুভ্যিতি বি-জাপনফাদৌ মহাশয়ের পুণাপলবাতার মাত্রে অত শুভ ছিলেখঃ:

### निहस्या ।

आश्चिक शहिशानिक श्चीयुक्त विश्वेष्य स्वाधिक शहिशानिक श्चीयुक्त विश्वेष स्वाधिक शहिशानिक स्वाधिक शहिशानिक स्वाधिक शहिशानिक स्वाधिक शहिशानिक स्वाधिक शहिशानिक स्वाधिक स्वाधिक स्वाधिक शहिशानिक स्वाधिक स्व

### প্রাপ্তর ।

ভাকাণ চাকরকে পরে সিখিবার খার।। ক্ষত্তির ও বৈশ্য ও সূত্র প্রই জিন জ্যাত মনিবের উক্তিন। ১৬২ পত্র।

मुश्क्रलाकोशकिक श्रीमृत्रुक्तवलक वर्षाः किया राग खिख किया गांग मिळ श्रामा निटक्तमग्राहिनो मशांगद्यत्र काकाः-का नकलका शुक्रदक काल खळचिटांच ।

### ्र किएम्प्रमान् ।

পরম সৌ**ভাজন শ্রীযুক্ত উদাকান্ত চটো**পাখার

মুগলমান মনিবকৈ পত্রবিধিবার ধারা। প্রাহ্মণ ও ক্ষত্রিয় ও বৈশা ও প্রত এই চারি জাতি

### The Part of the State of the St

क्रमानवमात्र कि क्षिति त्या दिस्य दिस्य गर्यानः विषा वर्षानः । राम श्रेश क्षित्र नाका राज्यस्य देशके व्यक्ति व्यक्ति गाटक

### मिहमामा।

क करण अवास्मित्रदेशहरूत सारमन्त्रा और एका नहन रहिक्म **मार्ट्स्ट आफ्रिक्न का**कंदर रशांत्ररस्था। MAJORA I

ত্রাদা ও ক্ষত্রিয় ও বৈশ্য ও খুক্তগ্রেইন্চারি আভি চাকরকে পত্র লিখিবার খারা। ধুশলমান মনিবের উক্তি।

11 五四.000 11

वरकार दिकांक छ छवा कार्यका खिलावपुर्व ट्विम বাজ বন্দিনী দোরা বছত্ত আপনকার থেছের খোবি সুরা তে বান্দার খেছের বেহেছের সোদ।

# रेमंटजन्न श्रकत्न।

পিতামহ ও মাতামহ ইত্যাদুি ঠাকুরদাদা সম্পদীর করেক ব্যক্তিকে যেহ পাঠ লেখা বার্ম ছাহারদিগের স্বস্থাতি নৈত্র क रमहे भड शांठ निशिद्वक।

শিরনামা।

ভূভীয় চট্টোপাধ্যায় ঠাকুরদাদা মহাশর কিন্তা বিভীর ঘোৰত ঠাতুরদাদা মহালয় কিয়া नम्भक्ति स्वामाख्दतक वृक्तिशा माम छे स्त्रिय कतिया अर्था को के तमामा मश्रामम किद्रदेशम्।

शकाबर।

्यमाचि रेमरजन (भोक ७ मोहिन हैकानिः करत्रक वाकिएक गांकि शतिरक्षत्वत (के शांके ে জাহাই লিখিবেক।

### ्रे के जमाना

নাম উল্লেখ কৰিয়া অনুষ্ঠ চটোপাধ্যাৰ কিংবা অযুক্

পিতা ও পিতৃত্য কিংলা মাতুল অশুন্তর এবং মেনে। পিনে
ইত্যাদি সম্প্রীয় যে কেন্ডান্তরদিগের মৈত্র শুকাতীয় অথ
বা অপরাপর জাতীর কিংলা স্বনাধিকে ভদনুষপ গৌরব
বুঝিয়া পাঠ লিখিবেক ও লিখনামা দিবেক যেমত উপরের
লিখিত পিতামং কাত্রমত ইত্যাদির মৈত্র পক্ষে এ পক্ষেপ্র
গেই কপ আনিবেন ইন্ড্যানির কৈত্র পক্ষেপ্র

### अक्। खेतू ।

পিডা ও পিতৃয়া টভাগি উপতির জাগিত করেক বাজির নৈতের পুত্রশ্বনাশ নার গৈপানীর কো বদাপি লিখে তবে প্রভাতবির নারে বাংশাহি ব্যক্তানারার পুত্র আভন্পুত্র কিয়া ছাতে ও গালিবাদ উত্যাসিক দগকে বেম্ব পাঠ- लारथ । भित्रमामा हत्का, रक्षम्कि निविद्यक हैकि निर्म श्राटकम किकिक्षकिद्यक्षा। क्रिट्रिक हैकि।

ভারতব্যে প্রচলিত যুদ্ধ সম্পূর্কীর আছে সকল বিস্তার করিয়া পৃথক্ষ সকলের ইম্ত্রনাক্তে প্রশ্ন প্রভাগের লিন্দি। ভা রাম বিস্তার বাত্তা হয় প্রকারণ সংক্ষেত্প নিবেদন করিছে ছি যে হিন্দু ও মুসলমান স্ত্রী অথবা পুরুষ সকলের হৈত্র গৈ-ত্রনীকে মূল সম্পর্কের সম্প্রকীয় গৌরক রাণিয়া এই পুস্তা কের ভাবত সম্প্রকিব পাঠাপাঠ বিবেদনা করিয়া পত্র লি গিবেক লিখিলে সমন্ত সমাপন হইতে পারে।

আপেন মৈত্র যেনন জাতি উদ্ধাহন ভাহাই বিবেচনা করিয়া কোণাও গেবক জী কোখাও আজ্ঞাকারী কেংখাও পোশ্য জী যেখানে খেনন শন্তন হয় নেরপ লিখিবেক ইতি বৈবাহিকের পিতামহ ও মাত্যমহ ও বিবাহিকী ও নাত্

মধ্য ইভ্যাদিকে পঞ্জ লিখিবায় বার।। পৌজ্ঞ ও গোহিতেইর বৈবাহিত্যক উণ্ডি।

#### Dec 181

এট উ ওপ্রশারীপার বৈন্দালেখা গার্ডির ছাত্ত আনু ছাতে বিজ্ঞানিত করিয়াছি বুলোচরাথে পুনরায় নাজেলে লিখি ভ্রানুভ্রা কিয়া বেবজানু বেবক বলিয়া পাই লিখিবেক শিক্ষানা

भारम भूकतीय त्यान गाता चाटह काशहे निविद्याः त किंदुक घराम घटडे लियात्य शक्त पाम। के मर्शमम विद्या कृतीय शक्तां भी निष्

পোল ভাগেছিলের বৈবাহিত স্পানীয় ইত্যাদি দিশটক প্রতালিখিবাই মরী देवदाहित्सत्र भिष्ठाम्य ६ साकामर ६ भिष्ठामरी ६ माधा-मरी हेक्सामिकदम्ब वालित खेळा।

পুরুষ উক্লি। প্রতিপাদ্য প্রীজনুক দেবপর্মণ: কিয়া দাস ঘোষ স্ত্রী উল্লি প্রতিপাদ্য শ্রীমতী অনুক দেব্যা কিয়া দাস্যা এই রূপ লিখিবেক। সির্মান

পরম কলাবীর যে ধারা তাহাই লিখিবেক। বৈবাহিকের লিভা ও মাজা ইত্যাতি কল্পজীয়কে পত্র লিখিবার ধারা।

भूरखाइ देवनाहित्कत हेकामि मण्यकीत्मत छेलि।

३७० भव ।

त्रदक शिक्यूक (मवसर्मानः किया श्रुष्ठ यमाणि वय श्रूष्ठ श्रियुक मान (याय कर कर्णा भार्त मिनिश्टवक।

শিৱনামা ৷

পরম পুরুষীর হেমত ধারা ভাগাই লিনিবেক।

श्रकु। इत।

পুজের বৈবাহিক ইভ্যাদি সম্প্রকীয়কে পত্র লিইববার ধারা। বৈবাহিকের পিতা ও মাতা ইভ্যাদি সম্প্রকীয়ের উজিঃ।

भूक्रावद छिखिः।

१ छाए एए १

लाया की अपन (एउमर्यनः पूछ घनालि वय कटन अपन नाम (घाष जीडिक्टि श्रहिलाना। क्रीमनी अपनी (एनी किया प्रानी यनालि वय कटन अपनी नामा।

्रित्रमाम।

भारत क्लानी इं त्यमण थाता जाशाहे निविद्यकः। कुमरान बहर बद्याधिक देवतुर्धिक मण्यकी ह हैक्साहि पिशदक शक निविदाद याता। ১৯৭ প্রা

### আজ্ঞাকারী নমক্ষার পাঠ লিখিবেক। শির্নামা ঐ মজ্ঞ।

বৈবাহিককে পত্র লিখিবার ধারা বৈবাহিক পদ্ধীর উত্তি:

পাঠ শিরনামা ঐ কুলিন মৌলীক জার্চ কনিও নিবে-চনা করিয়া উপরের জিবিজ যেমত পাঠ শিরনামা ভারাট লিথিবেক কনিও ভারাশন্ন বৈবাহিককে পান লিথিবার বারা দ্বীর জীপাঠের যেমক গারা ভাহাই লিথিবেক শিরনাম। সংস্কে সদয় লিথিবা দিবেক।

ন্দার বৈবাহিকের স্ত্রীকেও ঐসন্ত পাঠ লিখিবেক। শিরমামা।

বৈবাহিক পড়ী ঠাকুরাণী সঁদা সংচরিতেষু। বলিয়া শিৱনামা দিবে।

প্রভাৱন।

বৈবাহিকের পুত্র ও আভপ্পুত্র ও কন্যা ইভ্যানি দিন কে স্থাপন পুত্র ও অভিপুত্র ও কন্যাকে যেমত পাঠাপাঠ লিখিবেক।

বর্ণবাদ্ধণ ও অঞ্চলনি ইন্ডাদি নিগকে পত্র লিখিবার ধরে।
ভাদ্ধণের উক্তি:।

SEP माछ ।

सूमकल जावक श्रीश्रम्क (प्रवन्धानः किया विवस शूर्वक विद्यम्बर्शामी विद्यम्बः।

चित्रमाया।

সুপ্রতিষ্ঠিত প্রীযুক্ত কৈলাশ চন্দ্র চক্রব ভা । শরলান্তঃকরণেয়।

প্রভাগর

खाकनदक शक निविदात थाता ।

# - বৰ্ণবাহ্মাণ ও অগ্ৰদৰ্শনির উক্তি:। সংক্ৰিটি । ১৬২ পৰা ।

আভাকারী প্রীঅয়ক দেক।বালঃ নত্রভারা নিবেদন্তা-লে বিজেশ্য:।

### चित्रनाथा।

ৰহামহিম ভীষুত অনুক চটোলাগাধ মহাশর নত্তরিজেয়।

কবিশা ও অর্থানি ইড্যানিকে প্র নিশিষার ধারা।
কবিয় ভ বৈশ্য ও শুদ্রের কবিঃ :

#### 190 ME 1

পেৰক জীলদুক বৰ্মন কিয়া কেন গুল্প কিয়া সাম ঘোষ জনাম। নিবেলমঞ্চ বিচেশনঃ।

भिवन्ता।

भूकतीय शिकुक अब्क छक्क छक्क शिवराभ्य । शिवराभ्य ।

ক্ষত্রির ও বৈদ্য প্রতের পত্র লিখিবার ধারা। বর্ণনাক্ষণ ও ক্ষত্রদানির উজি:।

### 393 प्राथ F

প্রতিপালা শ্রীঅন্ত দেবশর্মণঃ পর্ম শুরাণীর্কাদ বিজ্ঞাপনক বিশেষঃ। শিরনামা।

গ্রম কল্যাণীয় দিবুজ অনুক মাহাজা কিয়া অযুক লেন গুপ্ত কিয়া বসুজ মহাশার চিত্তটোবেয়ু।

नर्श्वाका ও अधानानि देशापित श्रेष्ट्रीपिशटक अम्ब शार्थ विशिद्धक विश्वनाद्याद्य मधाम एकवर्षी शृंद्री शिक्तारी दथमा अविशालिकांद्र।

ত্তীয় কাণ্ডের প্রথমান্ত্রিয়ন্ত যত পুরুষকে পত্রলেখা গিয়াছে তাহাদের জীলোককৈ স্থ স্থামীর মত লিখিবেক अवर के जोत्नादक्डा संस्थानिक केर जोन्यदर्क श्रुव लिटिन करन के कामीन मक शांध निवस्ता किथितक।

भूदर्शिष्ट्रक मञ्चारमक लाखींश विश्वात वाहा । स्रोक्षत नक्षमार्थन केल्डा

A CONTRACT OF SHEET SHEET SHEET SEE

ব্যেসের ভাষাতিরিক বিবেচমান্ত্রীররা বধ্বমান ও শু-রোছিক ব্যেসের জোষ্ঠ কমিষ্ঠ বিবেচমা ক্রিয়া শেকক শু কিয়া আজাকারী কিয়া জড়িপালা জী যেন্ত লাঠ কছন হয় সেই পাঠ ও শির্নামা লিখিবেক।

शक्रका ।

वान्तव प्रवस्तायदक शेक विविधात थातः । । । भूदताविद्यत केकितः । । । । ।

300 Mary 1

एक्जिनिटक स्थमक शांकेटलका द्वितीर ए तिहेशक रायरमञ् भागोकिकिक विरुद्धना कवित्र। निश्चितक।

পুরোহিভকে পত্র নিধিবার ধারা।
ক্রিয় ও বৈশা ও প্র এই ডিন আডি সলমানের উবিং।
১৭৪ পত্র।

श्करक रावन नाठ । भित्रमाधा रनशानिशाहर रनहें वन निविद्यक टायुक्त गुर्दशहित्वर वेकि भित्रादकारम्बद्धाः नाठे । भित्रमामा रन्थानिशाहर राष्ट्री सन्व स्विधियम्।

ব্য না ক কৰিব ও গৈছা ও হ'ত এই লাহবাকি প্র-ব্যে যে কল পাঠাপাট লেখা নিয়াতে ঐ চকুকিন কীলো-কেয় প্রশার উদার লাটাপাট ঐ লিবনানা ঐ কা নিষি-বেক। ।। ১৭৫ পর ।।

COME MATERIAL OF THE MENTINES OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

# A PARTY AND SOUTH

शतस शृक्षनीत श्रीयुक्त क्यांच प्रत्योशाया है। कृतकाण सर्गामत श्रिक्त क्यां स्था द्याकीयत सिंदुक क्रमस्त वसू शाहिकी विक्रमीय है।

### किंद शक्ता,

ते मूहांन मणांत्र कालीन सम्। लानस्थान शब्द त्यूट र काक्ष

अध्या पूजा । आकाती पूजा डेक्सिक चार्यः पूजात

কাৰ কৰাম কৰি।।

1: 348 MM (

ं छन्दर्भाविभित्रं नुप्रावानि अवस्वत नाम त्य क्षेत्रकाशा निप्राट्य त्वरं मन् मन्त्रीक अधिकामा कि जवसन विकासना कति हो भिन्न मा निर्दिदक (मदक की किन्न) आखा।
कार्ज किन्न अखि (मदम्भा दिस्त किन्न) किन्न मम्बद्ध (मदक किन्न) किन्न मम्बद्ध (मदक किन्न) भन्न अखानी ना तामा महिल्ल किन्न। भन्न महिल्ल किन्न। किन्न महिल्ल किन्न। किन्न किन्न। किन्न। किन्न किन

### অভাতর।

্ উপরের লিখিত পুরাণের নিরনাম। মত। পুরুলাত ও কন্যান্ধান্ত সংবাদ পরে।

পুরাণাদি ভাবণের নিমন্ত্রণের পত্রের পাটাপার বেমক লেখাগিরাছে দেই রূপ স্কাভি ও জন্মফাভি লকু গুলু বি-বেচনা করিয়া পাট ও শিরনাম। লিখিবেক ন্যকুমারেস পিভামহ মহাশব্দের ও মাভামহ মহাশব্দের পার উভন্ন পাত্র লিখিধার ধারা।

### া ১৭৭ পত্র। ১৯১১

त्नवक की किया आकाकाती है किया प्रमीत लीकानी हिमास प्रविभागः किया मान प्रांत श्रमाना क्या समस्वीता विद्यास्त्र प्रविभागः किया मान प्रांत श्रमार्थक रामस्वीत वार्ष मान विद्यास्त्र के निष्ठ सम्बद्धिक रामस्वीत वार्ष मान विद्यास्त्र के निष्ठ स्था के निष्ठ स्वाप्त के निष्ठ स्था स्था के निष्ठ स्था के न

লোও মন্তালি হয় তবে লিখিবেক প্রাণাধিক প্রীযুক্ত অমুক্ষ
চট্টোলাখার ভাইছার এক নবকুমার হইরাছে কিয়া নবকুমারের থকা মন্তলি লেখে ভবে লিখিবেক প্রীযুক্ত জোওঁ
ভাঙা মহাপানের কিয়া মধ্যমনাদা নহাশরের এক মবকুমার
হইরাছে কিয়া কন্য হল লিখিবেক এক নবকুমারী হইয়াছে
মহাশবেরা সকলে আধীর্মাদ করিবেন নিবেদন মিভি।
সহাশবেরা সকলে আধীর্মাদ করিবেন নিবেদন মিভি।

अशहम भूषानीम किया परमक नमन क्षित्रक समृक वरमा। भाषाम क्षित्र क्षित्र समामाराम्।

্বেমন্ত নত্পর্ক হর বিবেচনা করিয়া লিখিকেই তি । ত্রমন্ত অম্প্রাশনের নিমন্ত্রণ পত্ত লিখিবার ধারা। ১১৭৮ পত্র।

### ি শিৱনাম।

ঐ রণ সম্পর্ক হিসেচনা করিয়া লিখিবেক।

চুডাকরণের নিষম্ভণ পত্র লিখিবার ধারা।

। ১৭৮ পত্র।।

ख्रभदात लिशिक क्षेत्रिक निष्णितक निर्मान करिया भागामाठे निश्चितक विद्याप निश्चितक निर्मान करिया छ श्रक्षकात्र क्षाणाशिक विद्युक इत्युक्ति वसूच वानाणीत पूणा-कर्म इहेटवक महान्यत्र निर्माण विस्तित्र वाणिटक स्थानिया जानीसीमाणि करिटन विस्ति

# ः निहिनामान्तिः

मन्भके विरयहना कतिहा है गटतंत्र मह लिखिसका जिलनगटमक निमहण शक्ता

-11 SHO ME 11 1

उगरदा लिविक सूनामूमीता मन्नके विर्वनमा केतियां गांगानां कि विद्या निरमणं उप आवास प्रवात मित्रक द्रक्ष-कास वरन्यां भाषा वांचा जीत जिल्लासमा कि किए। निर्माण का एकिए निर्माण का एकिए स्थानियां कि शिक्षणात वांगिरक स्थानियां स्थानीकीमापि कि विद्यम भरता वांचा निर्माण कि निर्माण कि निर्माण कि विद्या भरतां मित्रका कि निर्माण कि विद्या कि निर्माण कि निर्माण कि विद्या कि निर्माण कि निर्माण कि विद्या कि निर्माण कि निर्

### শিরম্মাণ

राज्यक निरंपण्या कविश्वा छेशरतत निश्चिक संख्र निश्चिरक । बाकारगत रूप्त भएका गिर्गत्र श्रव्य ।

### প্রকাপতরে ম্সঃ!

কুলবান পাত্রে কন্যা পাত্রন্থ করন নিমিত কুল মর্যাদা গোরবাণ্য মৌলিক কন্যা কর্তার দাত্র্য পত্র লিখিবার। নিম্ম

বরকর্ত্তার উক্তি

1, ५५५ भव

यक्तिः गुरुव महताबद

विष्ठ भाविनानका नत्मानामात्र - स्थानत वर्गावत्रस्य

নিশ্র পাল মিদং কার্য্যনাঞ্চলে মহালহের মহামা কলা ক্র

मही क्रमलक्षातीय महिल लामात कार्कन्त अपूर क्लान एस मुट्याशाक्ष्याद्यात छ च मसक चि देकतन श्रूक्टक बतानू-ेशमम बाङ्गित (नोक्षां अवत्रभादवत मर्गामात भग नर्क मुका मवलरशकाम नाकानि होता बाहे बानी हिक्कितिश প্রশার টাকা অভ্নম পুর্যাতে বাহাল ভবিয়তে সম্ভবস্থ ं द्ववाक लहेलाय र खडाशहर के लामबाद बाजि एवं नटखड मन्त्र १९७० विवादन्त लग् चित्र प्रदेश थातिथ मस्कृद्वत म-कारि नम्म अटड व्रांति এक एक कि॰ना इते वटछत नमम महाबद्धत नाजिटक् वद्यभाज मझकुत्रक गणाक विदेश विर ्देशाटक खनाशा कवि अवना मसकूतो यात्र सुम ७ महाना-टब्रंब द्वांगनाई चंडच आटगाक्रम चंडक ख्रावडक क्वंबरक्त्र ्रिमा क्रिन এडपर्ध श्रम ताहात हो ला लहेत्रा मुल्य मय-िलिक खुडमपन दिन्ध भाग लिलिश मिलाम ठेकि नम ३२७० রাল ভারিথ ২৭ আয়াচ এই পত্রে মধ্যস্থ শ্রীকোকিল্ফক কিক চুড়ামণি সাংজামতা আমি এই লয়পত্তে মধ্যন্থ রহিলাম ্ৰরকর্ত্তা লগ্নাৰুগতের ব্য়প্তি সজকুরকে সভাভ না করেন ্ভাগতে মহাশহের যে লোক্সান ইইবেক আনি ভাগার निना कविय है छि।

हेमांकी।

শ্রীবন ঘটক সাং ভৌগ্রান শ্বিমেহন বেধিবাল সাং কোল্যাড়া

প্রিপ্রাণ্ড্রক ঘোষবাল শং কুড়া এ

লিখিতং শ্রীক্তিরাম ঘোষাল করা রাসদ প্রমিদং কার্যা নথানো উপরের লিখিত প্রবাহার ২৫০ ফুইলক প্রধাশ হী-কার মধ্যে নিজ রোক্ত সিকা ৫০ প্রধাশ টাকা পাইরা রসিদ লিখিয়া বিধাম ইতি কন ১২২২ কাল ভারিথ ১০ ভারা

# क्या कर विकर्शत नशकु नज नि दिशा मौते।

के भरत यस र जिल्लानि रुक्त की स्पान्तात करूर रुक्त कार्ड में कि कार्ड

শ্রমাপত্রে নর্ম: হতি সকল মক্তালয় শ্রিমুক্ত গদাধর চক

TIC A CANADA

লিখিতং জীপতিয়াম খোষাণ কৰা বনিধ পত্ৰ বিধং কাৰ্যা নথাত্য উপৰেন্দ্ৰ লিখিত কাৰ্যানাৰ বহন পাছাই প্ৰত টাকার মধ্যে নিশ্ববৈদ্যি নিজা ৫০ টাকা পাইরা রদিদ লি-বিয়া দিলান ইভি সন ১২৩ঃ নাল ১২ ভাতা।

इंगामी ।

ব্ৰীকৃত্তাত ঘটক বাং ভাষতা -জীবাসরাস ঘোষাল সাং ব্যস্তপুর

পরিবর্ত সরক্ষেত্র পক্ত কিথিবার ধার। ১৮০ পরে।

্ উশরের লিখিত যেনত ধারা লেখা গিলাছে ঐ সভ কিন্তু উভয়ের পুত্রকে উভয়ের কন্যা সংগ্রাদান করিব এবং করিবে এই মল নিথিবে।

> কারত ইত্যানি সর্ক জাতির পাচ সমস্ত পত্র বিশিশ্য হলে দ

沙女女母

উপরের লিখিত প্রান্ধা পক্ষে নেমন্ত লেখা গোল এ মন্ত লিখিতেই ক্ষিত্র

ওও বিবাহের নিমন্ত্র প্রাক্ত কিবিরার ধার।।

। ३७० श्रेष्ट्र।

কর্মকর্মার স্বয়াতি ও জনা আতি যাহার সহিত বেয়ত সম্পাক তালা বিবেচনা করিয়া পাঠ লিখিলা বিশেষপাল-থিবেল ১২ মাঘ লানিবার জামার আঠে পুক্র প্রাণাধিত শীংরিনারংয়ণ মুখোপাধ্যার শুভ বিবাহ ভইবেক মহালয়ের কিবো জাপনারা শ্যামবাজারের বার্টীতে আগমন করিয়। শুভ করা স্থাপন করাইতেন প্রভারা নিমন্ত্রণ করি-লান ইতি।

শ্রনাম।

হ'হার সহিত ক্ষেমক সন্সক ভাষা বিকেচন।

ক্রিয়া লিখিবেক।

## পিত্রালয়ত্ব কন্যা স্ত্রীধর্মিনী হইলে ভাহার পিতা ঐ কন্যার প্রভারকে পত্র লিখিবার বারা। কন্যার পিতার উতি

300 PO 10 16

शास्त्रां ति । शामान देनले वि दनवन संव के निर्म के के नमका वा निर्म न स्थान कि विमान के विमा

न्धितस्य भाग

মদেক সৰম উন্তুক্ত রাবাকান্ত বন্ধোপ্রাথ বৈধাহিক মহালয় স্বান্ত্র বু ইন্দ্রান্ত্রাকার বিধায় বাংলা।

শ্রীদেশনার্থিত দেবনির্মাণঃ সংস্কোতির নির্দেশ হিচাং

১১ বৈশাধ গুরুপরি বেলা আড়াই প্রত্তর সমল লামার ।
পিকা কিয়া মাকাঠাকুরাণী।
কিয়ো প্রাণ্ড ইয়াছেন কিয়ো শ্রীশ্রাল ইয়াছেন
কিয়ো । প্রাণ্ড ইয়াছেন কিয়ো শ্রীশ্রাল ইয়াছেন
কারণ লিখিনাম ইতি।

## भित्रमात्र।

াৰ্থ বিভাগ কৰি শ্ৰিকাশকৰল বলেচাপাৰ, বিজেপ্তাত কৰি কৰিছে কৰি

পুনত বৰাপি এতি আছি ক ভূঁকের ত্রী সংগামিনী হয় ভাষার পাঠ অধিকান্ত লিখিবেক প্রক্রিমাভাগ্রাকানীরংগ্রা-মিনী ইইভেছে ইভি মাত্র প্রভিত্ত কার্যুক্ত রূপ ককল লিখিবেক

# 100mm 100m

শ্রীলক্ষীনারারণ দেবশর্মনা ব্দরক্ষান্ত নিবেদন নিধং
১১ বৈশার শুক্রবার আমার-জীল্রীপিজাঠাকুরের আগালাদ্ধ
হইবেক মহাপ্রের। শ্রালকার বাসিকে আগানন করিয়া
জিলা স্থাপন করাইবেক প্রের হারার নিমন্ত্রণ ক্রিবাহ
নিবেদন ইতি।

## total pakin saka i **fripajski j**ank i tra 1970.

্রের প্রতিক্রিক ক্রিক্ত ক্রিক্ত স্ক্রের বিশ্বর । এর জন্তর স্কর্তন কর্মান করে। এর জন্তর ক্রিক্ত করে বিশ্বর প্রতিক্রিক বিশ্বর বিশ্বর প্রতিক্রিক বিশ্বর বিশ্ব

STATE OF SHEET OF SHEET STATE OF SHEET

ক্রিয়া কর্ত্তার জ্বাতি ও জন্য কাতি যাহার সহিত যে
মত মণার্ক বাছা বিক্রেন। করিয়া পাঠ লিবিরা বৈশেও
লিবিবেক ১৬ চৈত্র শবিবার আন্মার ইন্ডি পিতাঠাকুরে বাং
বংগারিক আন্ধা হউবেক মহাশ্যেরা নিয়া জ্ঞাপনায়া শারিত্র
কার বারিকে লাগমন করিয়া ক্রিয়া সনাপন করাইবেক
পারে বারা নিমন্ত্র করিলান নিবেনন মিভিন্ত

गण्यकं दिर्वहना कवित्रा याश्राटकं एयक मस्तव रस शहर भूजनीय दिसा राजनीयकाशाहे लिखिदनकार्वकि । अ

### III Some of II.

উপৰেব বিধিত মত সম্পত্ত বিবেচনা কৰিয়া পাঠাপাঠ লিখিবা বিশেকপলিবিবেক ১০ আবাত ববিধাৰ আমার পি ভাটাক্ষের এটনা দিবী আছে ইউবের সংখ্যানতিয়া বালবা ভাবের বারীকে অধিঠান ক্ষয়া বিদ্যা সমালান ক্ষাইত্বর পানে বারা বিসম্ভাগ ক্ষিয়ান ইক্সিকিন ক্ষয় সমালান ক্ষাইত্বর A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH

छे शरत है विशिष्ट केल कुला व विराह्म । " শ শ করিয়াগলিখিয়েক।" শি শি শি भूगेल भारमंत्र सकत्र ।

পীর স্থুরিদকে বভালৈবিবার বেলেভা

১৯১ পরে।

া বক্ষ দর্থ। দেখি আউন্নরদা বর্তমত্ত বন্দিনী বহাত। রিয়িদা বাস্ত্র আথবাজ বেহেইতেরি এরারা কোনে আ জিনেধ लिब्रिश मशासाम् । इंगाम विक्रमा काम हो इंग् मार्थ हो देश कत्रम्मा त्याम छूत्राकः नाम्मातः त्यर्क्टकत त्याम श्रीत श्रुदिन THE PARTY OF THE STATE OF THE S

ভ্যাকে এই ফেরেস্তা লিখিবের ইভি। শিরনাম।

আইল আকৰত ভাজেনিলী আকৰ বলেৱাছত 🕆 (काटबाना, नमत्रश्चारर, इस्त्रोग काञ्च। (नका कळ 🐪 🌱 क्तर्म 🎒 युक्त देश्यम नुतंसदशम। अविमकी नाट्य कम्म त्र अन्दम् ।

ে প্রিক্তির বেশিয়ার ।

আবিদ্যকে ধন্ত লিখিবার ছেবেন্ড।। বিশ্ব ক্রি श्रीत सुविद्यात त्यातीन । १००० । 300 Mail 1977

्रवाम (माल्या जाटबालानी जरूमक छना वनसना मर्कून अक्टम्ब विषय्वादर दमयक किटनमा किटनमुक्त रहाचा দোও বছ ছ বাদ ভোমার থেবের খোবি প্রিন্তম। জেব त्वामः माद्रा (वदक्**ष्य**व त्यामः ।

ि श्रिमामा

অভিনলে এনেস্মিরর জগন হালো মঙলা দেল।

দর্বী বিধানতর নোহান ওজালা ধারাজন

নোহলে এমান ভীমুক্ত নহাল্যন স্বিপা

জোদেশীনি এনহানি রঙসনের।

খাদেস সুপালে ভাষামন্তে এই ভেরেস্তা লিখিবেক।

নাদোকে পোভার বহু লিখিবার ছেরেস্তা।

वादित्र महथादित औदिहत कर्मा होता होता नह क वह वान तादना छाद्श्यत कर्मा होता नुवा के वीदम-दमत खाइन खाद्श्यत द्व्यत ह्यांवि त्यानवान छोत शाह भा दिना खाइ छाद्श्यत द्व्यत ह्यांवि त्यानवान छोत शाह भा ना स्वादक स्क्रशाहितक व्याप्ति वादिहाछ मध्या ना स्वादक स्क्रशाहितक व्याप्ति वादिहाछ मध्या ना स्वादक स्क्रशाहितक व्याप्ति वादिहाछ मध्या ना स्वादक स्क्रशाहितक विश्विष्ठा भणात व्याप्ति स्वाद्य द्वादक स्क्रम मुवाक उप्तरमायात साह धायान मास्नाक्रक हाट्य स्वाद्य व्याप्ति व्याप्ति साह धायान मास्नाक्रक हाट्य स्वाद्य व्याप्ति हात्राहित माद्या कर्माह व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति हाट्य व व्याप्ति स्वाद्य स्वाद वादश्यक्रितक स्वाद क्रिमानविष्ठ मादमा कर्माह कर्माह दक्ष

Plante:

पार्राहत्रद्रमात्रा काट्यमा किलानवक्षण नामाकी । हाट्य कनटम्यु ।

भारतिक पारमात यह निश्चित्रति साह्य।

मदश्यदमारा किटार के श्री का स्थान का नि (यह प्रत वर्ष वर्ष कियी गत अग्राकांग (यव क व्यामांग्र त्यार स्था पाहि स्वाक मजकूदत क इत्योददन्य (यह प्रत श्रीवि त्याम एगर स्थाप स्थाप का क्रिका क्रिकार है ।

रना नावसहिता अट्नदमात्रीक सोड कटन एक निवस आहे भिड व्यानी व्यक्तियाजामाम अप्राटकक व्हेटकि जाहे जी देव नकतिए७ (माक्टबार काइन्ट्रिंग महिर्देश वर्ष संव इक्टनएक বঙকরিতে মোকরোর হওঁরা সেতিকাল বেগর নজারতে যে টাকা কামাই করিভেছ ভাষার আলা টাকা আমার ভুলুবে প্ৰছিলে বাল নাচ্ছার- ভ্ৰুজলিব খারেজনা সে আলার নি বৈর গরকিস আমি জেন্দেগানিষ্ঠক যে ভছদিয়া ঠেকি इक हि तम खीखी मानू म अभाई चौरम शहरतिह अवतनाजि रतरत मुहाटक कतिएक अमरक दिली खिमि चालमा कविमा क वानवाक्या चयत्रमाति कता संद्र्णते वाटक पाटकाल ल्यों हरू ्योरमय आनाव योक्यत्र भूच चारिनोत्र क खाँतिस्य कोखीः মক্তা,রওয়ানা হইবেন আমি ঐ সামিলে এককাটা রওয়ানা -रुष्टे बहामा (सरम्मनानी आर्द्यत रुप्र खीली एककालांत मुन अप्रामाप त्याटकके द्राव द्रकाकक हार्चि व कलत रमाप বেশি গালেকে মুলাবকর কেরাল্ড করি এরালা খোলাম उक कृषि अक जनना भागी सम्म व्यट्ट इत ना तमम ভের

## भित्राम्।

গাউরবে এনছান ধরগোস খোসবর জোবান বর্থসন ছালো মওলাদেল উজালা ভাই জান গোছবো এনান শ্রীযুক্ত হৈছ এনাজোলা ভেডেগানি এনছানি র্থানের

ाति के मानो देव पर्क कि प्यान (के द्राचा) श्रेणों के कार्कि वहें द्रान्त (काहां करें दहर रहा

at Ma

ক্ষম পাৰ্মাবরদার বেদ্যত্যার এবেথ সামকলা বন্দি नी रवसूमात सारवार्क मानिकोतं दल्क नानिकीतं स्वाहा त्मक मण्ड (तांत्र वान्सांत व्यक्टिकति ताम ।

शिद्रसामा ।

থাৰ্মেয়া পাক্ষৰ ব্ৰস্থানি বোলন্দ কর্ণনি अपनी मानिक दिया नानिकी कमम शाहाना प्राप्त विकास स्वाप्त स

केशरतत ्ति विक शाकि क नित्रमाम भानी (e नानी . सूर्धिक शुप्रदादक दाया यात्र त्यांका अ ना कि कहें (मानदक अंक त्यश्रे कर ात्राव इहरत्व्य नामी ड नानी कर ः द्वाना । त्याना क्यावान ।

ा ज्ञान भन्न ।

तम्बर्गाट्य होत्या मस्या त्याद्य त्मन् कर्मान विषक् खाल्वकि विनी मोद्रा प्रकृष्ट छाईकीत स्थाप स्थापि स्टाटक कामान स्वरहरूडन और मिल में

निवनामा । अत्यादम्हा अद्भावात शित्व भामकता देखी े ता दलरमधानि अनेहानि द्वालरमध के जिल्लाइ निविष् भारे ७ भित्रनामात्रभावा छ नांच मूर्शांत कामगढक विचिट्न मित्रांकी e stein s माम्बोक गानुकी क ्र उत्पानी क प्रधूत के तथा नाह मुक्तिमान सफ लिशिगात

CECASE I

: ३२४ लेख ।

शाहां सहबार बिद्यान विषु हिलाम बिक्की त्रदेशांबाह

## क निर्मास्त्री

विकास । असे कार्या क

क्ष्मारकातम त्यारकात त्कारकामा श्री का त्क्ष्माणा वारस्य अवा जानाको कारका वीक्ष्मो वारस्य अवा यानाको कारका विश्व गुरुषाको कारक्य अवा रणा विकासको वारस्य स्टब्स्ट स्थान

ভাব বেতৃকীক ভাতিকা ও জাজাও সামাৰ ভাষতাকৈ লিপিবার হেরেজা। মিঞাও চাচা ও মার মধকুরার ভোতাবি।

আহেন্দ্র কর্ত্ত প্রিমাণ ক্রিকের নোকর বেছদ বক্ষের আছ প্রায় দরবাগবক কর্মান্ত কর বিশ্বাদন সূর্ত পর দাকে দনিদম কে বেহেতের সোদ

inarimit

चारकरमतो भीका स्थापन मार्च विश्वस्था । तथ चिक्क तारामान्य असा मार्चमाम अन्हाति । स्थापन स्थापन

কে। শালা ও হড়। বছাই গরাকে লভ লিপিবার ছেরেছ। ।

(होते। बहारे के व्हाति। लोगात क्यावीनि।

ace refit cold a out Bank la date al leit. Fa Dien Blainisch bioliniaen bierran ches alla Ance an albem (han Chin Chin)

देक जिसक क्षारित्सा शिवुष्ट (वस क्षांच ।

क्ष रशोग मानगरक सकर् ्या (कारबाखा ।

বভাব**হাই ও** ২৯। শাল্য**ে ভোইট** নিটাইটেট ২০০ শাল্য ।

मोदिने इस्ट्रेसिक किया थे जुन कियानी कार वर्ग की होटदन वक त्मक अध्य अध्यम भूगाक त्या रचत्मा रचत्मा रचाम

जिन्ह्या विकास होतार्शिन होटन्स तादम्बा (वात्र दशमादसम्। द्याप्रदेश रहा जिल्ला है। श्रीका कावान।

पुत्र तीय (पर एवं पहेंचे के के के के के के के किया है कि के किया है कि किया है कि किया है कि किया है कि किया है अर्गान स्थात विषयी वस्त्र केर्य केर्य हिंदित क्रिता छ दर्गरमा गर्ने उन्हान प्रमारक दमेश द्वेद एक वि THE STATE OF THE S

१३२ सूत्रक (बारम व ब्लिम ३) दक्ता का छ दक्त " विकास रामस नामम केतानी रमाख्यी

Transfer to

The same and sing age to the

#### Ded we

Constitution of the second sec

নিগালনের উক্তি:

বিগালনের উক্তি:

বিগালনের হারনের কিনিবার গাস।

বিশালনের কিনিবার নাস।

বুলাক্তিক ক্রিব্রুপ শ্রেমন থোল

TIN TINIA CONTROL STATE STATE OF THE STATE STATE STATES

Approxite start

7. 3. 27 N 3 / 1

मरामहिम क्रिया गुलदामक्स साहती

নংশিক প্রাথতে

निविद्धः अधिनविद्यां निविद्य क्षेत्र क्षेत्र विकार व स्था । विद्या क्षेत्र क्

न इसा ताल कि विचाल बीका :

विकारके विवाद क्षेत्रके विविधिक मान

THE STATE OF THE S

1 1 1 1 1 1 1 1 1 1

नहरंगिरंग की युक्त । छिड्ट्सिम छात्रितित । जाटक्य नवाग्टकपु ।

ति विक्रं कित्र विभागा सम् क्या कार्या कार्या कार्या

म नवमाराज विज्ञा कार्या कार्या आणि मेशामाराज निकेष्ट अस अति इस हो इस मान्याक काला अवस्था वर्षात्रक का कृतिय अबदन किएमान ३०२छ। बात्र शाद्य किर अबन मूत्रक यक त्यात श्रेटब्र कांचाल जाम त्यथाक ब्राम्म किन यांच अवटल विका किया दक्षि काछे। हैया सन्भ निय करः गृहक्दित पक्षि विश् कार क्रांड नाव ननार्यन महिक बांगांड अनाक। गाह अक्रमान महामान देवाचिमा किलान है कि २२३४ माल का विश्व

बिहामही ए एक हिना है। किल्का मान्य अस निर्शिक्त वर्ष कर कर है। मार रवना कर

many of the state of the state of (प्रकार कि क्रिकाट्ड क्रिकाट हानीवार्ती कार्युव स्वया शुखाई शकि । कालू रसादत क्रवण कि

कालूकमारवक के कि

The state of the s

अहा विद्य विद्युक्त हाका विद्याल विद्याल विद्याल को दिएस श्रेष मश्रम्य वहारावस्

लिशिकः खीरमञ्जूनात् शहिक क्या क्यूनिक शख भिमः त्रम् १२०० मालास्य लिथमः वाद्यानकार्यम् मर्ग्यदेश्च समीता बीव मध्य मध्यमधाढे अवस्तात नार क्यानम्भूदवत गामिन क्ष्मी क को कभूत जाम रमस्याप्र कार्यताच स्थ्यां कमी का-निल उ शक्ति उ सकत अ दिल अ श्रितिनी अन्त-त्र मुख्य कि विभक्तिय लीम मुझबुद्देश क्रिकेट प्रामीन भाव हैशाय बाल खायी मालिकाना रे कर शका है है कि ने व ने कि ने कि ने कि ने व ने कि निर्माण कि निर्माण कि ने कि ने

## इतानी।

म् १ हिन्दुप् को धुरी भार मिनां जभूत बीशांदांकमी वस्तार मार्ग विभिन्न पुर

श्रीतायद्याशां करें। भार यहांशां भूत १००० जात विश्वीतयो

মাত বৰ্ণাৰ
মাত আগাড়

406

«...

> = =

276

- 3° c c

. .

\* \* C

1.150

200

মাহ কাত্ৰে ও মাহ কেলে

व्यास कार्य कार्य

2 - 9 P

मानार मान के प्रति है के जाता है। विकास के किसी मान मान के किसी के किसी मान के किसी

नुकल भन्ना विष्णु क्या कृषित गांश है। प्रकारक

वाउँ। (ववाक महबबाह कहित्व छाड़ा समाणि न। शांबह कहित माधिक धाहेन काना छोल्किनाइक निकछ प्रश्न मसकूत बल्लाबल कुल साई दिक छोशा छ कामाई कान को लखा भारे अकर्ता अने सोशांत होका दिवाक कर वन्छ शाहेंबा बग्रमामा लिखिमा सिलाम हेकि मन्द्रस्थमाल छोत्ति धरेलार्फ

643

## खाइ किन्द्रीवकी क

মাত্ বিশাবি
নাত্ আঘাত
নাত আঘাত
নাত আঘাত
নাত আঘাত
নাত আঘাত
নাত আঘা
মাত আঘ

মাত আঘ

মাত কাৰ্তিক
মাত অৱহায়ণ
খাত পৌগ

মাত মাত্ৰ
মাত মাত্ৰ
মাত মাত্ৰ
মাত্

भः हुई शकात होका माकिक किछीदणी यम यस माला-धवानी कहिर्देश है जि

#### ENIM!

श्रीह दि (हो पूर्व) जार विमाय पूर्व

क्षा सामा के बागरशा शांक मिला ।

ste afvaresia

रिनिम करलेशा वर्त्व बसमामांत जनवांचा मध ३००० माल नात भाव खिलामा मान डाहिय त रकार्थ।

म्हरम्ख भारता विवस् अञ्च जिल्लामः।

विश्वारत तामुकी नाः पिनाश्यव

विविवित्ती मन्त्रात नार शिमिल्लीव

खातांमदशांभांत चित्रके। नाः महिनामन ।

डांनु उपात्रक कानुक्तत मर्थाल लिविहा, पिराव था न्त्रमाद्वतं के कि

यक्त या है अवर्तना नाह इक्तिन भूटकत माबिल इमेर

वानिया श्वननाव मिक्रू व नाकिटमह खिदनसकुषा मार्श-ভাবে ভাৰপুৰ আম পত্নি ভালুক (দৰ্বা গেল অভবৰ ভোগরা মাহালা ম্ককুরের কাছারীকে হাজির ক্রা আপন ध्यालम समी समाह सरमावस्र कतिहै। कवुम कि वाहित क-রিবা সাটো গটবা নামগুলানীর টাকা সরবতাহ কয়িবা ই-राहर काम अवदार दिया सा श्रीक नम १२०० मांग का दिये क देखाई ।

> ইৰায়া ৰন্দোনজেক লিখিয়াৰ সায়া : हेकारमादतत कत्नांक : 🗀 1 2 1 × 5 5 महासरि की राक्ष नगरकुर्यात मानाहा N. वानुषीयश्रमत वज्ञास्त्रपुः।

लिथिकः शैकित्। ौकुमांत महकात करा कर्माक भाव मिन्दर,कौर्यामध्यादनाः, सञ्चलवाने, श्रात्तवानानं लाहे क्रुट्यामध्यः, द्वत मामिल भीटन काम्युन द्वाम भश्मद्वत काल्क ते আমি মঞ্জুর ইন্তেজ সন ১০০০ দলে ৰাগাইৰ ্ম ১০৪০ मक्षि,५५वनात् एम रमम्बदम वर्गमद्यव विकडे १५८७ इस्राप्त जरेनाम हराइ पालक्षाकी शालिकारा समस्राप्त संदेश क बलय मूर २००० आधार शंकाव देका निमार्क्स किलीनकी মেয়াক ভোর মহাপ্রের নিকট সর্বর্ভ কবিব ছালা ভ্রু প্ৰিতের ওঅর করি দেবাজিল ও নামঞ্র মেয়াদ পুরা क्ट्रेटन महानाम महता जयकुत्र थे। १४ त्रांथिटवन किया (कामता বন্ধোবস্থ করিবেন ভাহাকে আমার আপত্ত নাই এডসর্থে আপুন খুসিছে ইজারা লইয়া কবুলতি লিখিয়া দিলাস हैकि यन ১२०० वातमक टबलिम यान वादिय ५२ देवाई।

*	
	The state of the s
	र १९ १४७३ विकेश मार्थ विकेश रेन्स्वीत स्वाप्त करावा करावा
和中华	TAMES AND A CONTROL OF THE OFFICE
,	the second of the second of the second
	WITE CO. T. S. C.
	PARTY OF THE PROPERTY OF THE P
	TE TO SURE THE STATE OF THE STA
	. जो विस
	THE SECTION OF THE PROPERTY OF
**	क्षार्भन्न विकास करिया है। किस्सार के किस्सार के किस के किस
16 to 1 to 1	The state of the s
মাৰ্	THE COUNTY OF THE SERVICE SERVICE SERVICE SERVICES
115	The state of the s
মাহ	Tom the same of th
	Later was the same of the same of the same
1, 1, 14	मः इरे शकात शहन छाना मार्किक
**************************************	विकी मान्यभारी करिय हो है।
1.4	The state of the s
,	चिट्नाहम द्रोह
424: 7	नार शास्त्र
; \$	विविध्याश्चित्र ग्रेट्शनिष्णित्
4 5 %	
,	माः सन्दर्भते
ť	रक्षात्रमादवत मनन्त्र काट्यकमादतत छेलि।
	11 232 40

वेदमहक्षां वाश्यः वः १८८- णाण्ये श्रम्ता देशि वाकिस् विश्वीयम् वास्त्रकाति व्यक्तिस्था

নীক্ষকি। ীতাৰ সরকার সং চরিত্তেল।

मन ३२% मालायम कि इंगर कार्या नगरिन महलका है भारत शांत परवा जाते कुलानम शिरवर गांतिन मोरक कालामूर ब्रांग कालाई होन्य जे जीन हर मग्र २००मान लार मन ३२८० माल कहे विगार मग मिरादिन क्लांति के कांत्र महर मग्र २००मान लार मन ३२८० माल कहे विगार मग मिरादिन क्लांत्र कि कांत्र मिरावर के विशेष मालाक हो मिरावर कि विशेष के कि विशेष के विशेष

(4)

で使さし

बाय किन्हो बन्हो

मार देवणाच

300

A STATE OF THE STA	
माह देकार्छ .	300
माह खावाह	200
নাহ আবিশ্	904
भार काम	<b>ు</b> ల గ
মাহ আখিন	300
মাহ কার্ত্তিক	> = =
সাহ অংগহায়ণ	₹,३८
नार (भोष	÷ ; *
अहर अहम	₹ 4 €
মাৰ্থ ৰণ্ডান	21.1
चार्व देवक	9,50
	Maghague approved a 4 de

यः चाफाई श्रकांत मिका शिक्ष किलो वन्ती भारान छत सनर शांशक्षांत्री कतित्य देखि

> ইকারদারের দর্যনি ভালুকারের উদ্ধি। ২১৯ পঞ্জ।



মৌজে ভাজপুর গ্রামের মন্তল্ ও পাইক ও প্রজা হার প্রাজি ভাগে বাঘনান গাকিমের জ্রীক্রাক্যিণীকান্ত সরকারকে গ্রাম মঞ্জুর ইং সন ১২০০ সাল লাঃ সন ১২৪০ সাল এই এগার সন মেয়াদে ইজারা দিলাম ভোমবা সরকার মঞ্চ কুরের নিকট হাজির হইয়া আপনং মালগুজারীর টাকা বিমর্জিম।কিস্তীবন্দী এই মেয়াদ ভর সরবরাহ করিবে ভা-হাতে কোন ওজর করিবে না ইতি সন ১২০০সাল ভারিশ ১২ জ্যৈষ্ঠ

> ইজারদারের মালজামিনী লিখিবার খারা । তালুকদারের নিকটে জামিনদারের উক্তি । মহামহিম শ্রীযুক্ত বসস্তকুমার মাহাত। বংগুজী মহাশর বর্গাবরেয় ।

Antonia ingla

লিখিতং জ্রামণাত বিশ্বাস কান্য মালজামিনী পত্র মিদং কার্যানঞ্চাণে মণ্ডলঘাটে পরগণাব লাট ক্রম্থানন্দপুরের
গামিল মৌন্দে ভালপুর গ্রাম মহাশরের জালুক ঐ গ্রাঘ
বাঘনাম সাকিনের জ্রালজ্যীকান্ত সরকারকে ইস্তক পর
১২০০শাল লাং সন ১২৪০ শাল এই এগার সন মোনাদে ইজারা দিলেন আমিহ আপন খুসিতে সরকার মজকুরের
মালজামিন হইলাম সরকার মজকুর মালগুজারীর ট্রাকা
মাজিক কিন্তীবন্দী মেয়াদ ভর মহাশরের সরকারে বরবরাহ
করিবেক ভাষা না করিয়া কিন্তী খেলাপ ছইয়া মালজারীর
টাকা দাখিল করে ভাহাতে মহাশরের যে লোকসান হই
বেক এবং সরার্জি করিয়া খাজানা না দের মহাশরের
হিসাবক্রই বেবাক টাকা আমি নিজ আদারে বিনা ওজরে
সরবরাহ করিয়া সরকার মজকুরের কোন ওজর করিব নাই
এজদর্থে আপন খুসিতে মালজামিনী হইয়া জামিনী লিবিরা দিলাম ইতি সন ১২০০শাল ভারিখ ১৫ জ্যৈষ্ঠ

## इंशामी

बीवामर्शव नर्छ. गाः कलूरिशाना শ্রীপঞ্চানন হাজারা সাং সামকর

গ্রিকিনারারণ কর मार कामे। শুভ প্রাহের চিঠি লিখিবার ধারা : समीमादनत छेलि। २७ शहा

**७** इम्स

िठि उन्तव श्रीकां ना स्रोटक का कश्व लंदगर्ग गर्धनगढि. সন ১২৩৩ সাল ভারিও ১২ আবংড

ভালুকদার কিয়া ইজাবদার জীবদন্ত কুমার , মাহাতা जु मूज।

कागामी

क लग

ইং বৈশাপ্ত

লাং আঘাত

৩মাহ;র

গিকা

४०० गांत्रिम् गेका है कि

প্রতি আগে আবাঢ় মঞ্লবার বেলা 33

এক প্রহরের সমর গ্রাম সক্তবর ওড় পুণ্যাহ করিয়া ২৪ জা याज बुधवात (वला म्म्मराध्य मर्था फ्लाटवत (ववाक है।क। ७ एवि मद्यामि लहेबा स्मीमाती काहातीत्रहरासित रहेबा শুল পুলা করছ ইহাতে ভাগিদ লানিবে ইভি।

থাজানার দাখিল। লিখিবার ধারা।

वभीमादत छेकि।

#### **२** % शब ।

" नाविनी कटलहा त्मीरक काजभूत शहरोर्ग मर्थनमोहे जन ५२०० ताल कातिय २८ व्यांबाह

कार किया है? जीवन छकुमान माहाक!

आ नामी

अर्था .

कलंब

ৰলেয়া

গুংরামকান্ত আরিনা বাঞ্চাল বেল্ক নোট

१९९। ७००। > पुरे (कर्णात कांच

रिक्का

400

মঃ চাগ্রিশত টাকা মাত্র ইকি পাজানা বাকীর কারণ ভালুকদাবের পান ও ইজারদারেয় পার তলব চিটি কমীধাবের উব্দি।

1 = ३८ श्रं ।

চিঠি ভলত থাজানা মৌজে ভাজপুর পরবংগ মধ্রম্থাট। সম-১২০০ সাল ভারিধ হয় ফাল্ডান

> का-गुक्तांत श्रीयमधकुणात नाहांचा । बागांची खुरुवा

> > ある四日

ডলবের বাকী ভরাশীনবাদে নিক্কা

৮০০ আট্রশত তথ্

मालूग कतिया एकामात्र महत्म कन्नत्वत्र मन्ना होक याको এ ककि तिकाम कक्षत्र हिति स्वित् कन्नद्वत्र देवता क होता 'नरमक थाए। थाए। समोनाती काहातीरक लो हर देशटक काणिन कामिटक है कि एक

श्रादनांच

্চ পিরাদা রোজ মার ধোরাক আন: ্চিটির পূর্ফে লিখিতে হয়

> थाकामा नासीत कातन कालूकमारहत थाउँ ३एशामात ।

> > त्मावरोत्र गारश्रवर छोलः।

। २५७ लख ।

ভুকুম ইস্তাহার :

মণ্ডলঘাট পরগণার মৌজে ভাষপুর গ্রামের ভাষ্যকদার

শ্রিবসন্তকুমার নাছাক্ষা লালুম করিবা ভোষার নামে ব প্রামের জমীপার শ্রিকীর্তিও রাম প্রাম মজকুরের সন ১২৩০ সালের নাগাইদ ২০ চৈত্রের থাজানা ৫০০ প্রচমত টাকা বাজীর কারণ আদালত মজকুরে দরখান্ত করিয়াতে অভ এব ইন্ফক ১ বৈশার্থ লাগাইদ ১০ রোল এই হক মাস মেয়াদে ইন্ফার দেওয়া যাইতেতে আপনি কিয়া আপনার ভর্ষ মোক্তার এই মেরাদের মধ্যে কাছারী স্লাকুরে হাজির হই-রা উপরের লিখিত বাকীর টাকা বেবাক টাকা দাখিল করহ শেরাদ মনক্ষি হইলে ১ জাৈর্চ ভারিখে মহল মজকুর দো সরা বদ্যানত হইবেক পশ্চাৎ ভোমার কোন ওজর শুনা যাইবেক না সন্ত্রহত্ব সাল ভারিখ ১১ বৈশার।

हेकाशादतत शुर्ख निविद्ध हत्र

धाम मजकूरतेह शामान्ता के महाने के शाहेकान श्रीक-चारण क्षिता करें हेन्द्राहात श्रीम मजकूरतेत्र काहाती क किया नक क्षेत्र जातीय लेकेकारेत्रा मिर्ट हैकि। ३ किशा प्रस्तरका श्रीमी।

ं बहे इंछाशादत्त्र त्रिका

भागका । मध्य । अशहक वह जिमामना नक्षधि। भागका । अग्रेत्रहरू छेल्हि ।

· 1 259 931 1 · ·

মহামহিম শাকুল জেলা ছগালির যাদিউর :
নাহেৰ বগাগেরের। ল

লিবিভংশ্রীধারাণদী খালদার গোমস্তা ও শ্রীরামন্তর দা
মঞ্জ ও জীপাচকজ্মিপাইক ক্ষা রুপিদ গ্রেমিন কার্থানকাশে গ্রাম মঞ্চকুরের অমীদার তালুকদারের পর গালানা
বাকীর কারণ ৮০ নং হন্ধুরে দর্থাক্ত করিবা ইস্তাহার নহল
মঞ্জুরে পাঠাইয়াছিলেন রুমুন্ধী। পেরাধার মারক্ত পাইরা গ্রাম মঞ্জুরের কাছারীতে লট্কাইটা দিলাম ইতি।
ভারিব ২৫ বৈশাখ।

ভালুকদারের পর ইজারদারের পর ক্রীরারের কার্যা সংক্রেপে সমান্ত করা গেল।

ভালুকদানের কারদারতঃ।
ভালুকদার বরাবর।
ভারিপের আমীনের কপুলভি।
। ২১৮ পত্র।
মহামহিন শীযুক্ত পার্কভীনাপ রায়
বাকুষী মহাশয় বরাবরেরু।

वित्रायकांक महकाति महिक्या

निधिष्ठः कीतामकान्त महकात कमा कत्नकि शत मिनर गर्गामकादम यानिमा शतग्रात नात कुळावदम्य मानिन भोटक महाशाना वान महानद्वत जानक जीत महान्त्रम स्विद्य कामोमी कदम् कामादक सामग्रेक क्रियान काम নাম মলকুরে বর্ওজ হাজির থাকিয়া নীল ১৯০০ নালের
চিঠা বিমজিন রাইরাভা ও থামার ও চাকরাণ ও বাজেজন ওলত্ত্বং দর্বভা ভামাম জানেতা মাজিক জরিপ করিয়া ভাষাম কাগজাক তৈহার করিয়া দিব আর কোন
প্রজার সহিতে সরারতি করিয়া কিভাতুল ও বন্দ ছাপাইয়া রাখি বিলা রক্ষ কলাংকরে কারকে প্রমাণ শ্ম
ভাষতে মহাশক্তি শে লোকসান হইবেক ভাষা বিনা
ওজারে দংশিবরে সাকারে সরবরাহ করিব মাহিয়ানা মার
থোরাক পোষাক সর্কর্ম নিক্তা ১০জনশ্লীকা করিরা পাকর্ এই করালে জারিবলর আমীনী কন্মে মোকরর হইয়া
কর্ণাত বিধিয়া দিলাম ইতি স্ন ১০০০ সাল ভারিগ ০০
ইন্দী

শ্ৰীজ্ঞানৰ বাম গাং কাম-ৰূপ জীহরিনারায়ণ সরকার শ সাং নবগ্রাম

শ্রীনম্লাকান্ত সত।

সাং জোৎরাপুর

জরিপের অ,মীনের সমন্দ ভালুক্লারের উক্তিঃ।

১২৯ পঞ্জ।

**S** 

BRUNK NAME TOUCH!

कि के कि कारण शहर में बाजिया जाते के के बर्दन है गाँ

নিল মৌজে দেরাখালা আমার ভাতুক ব্রাথমজনুর ভরিপা কারণ ভোমাকে আমীনী কর্মে মোকরর করিলাম ভূমি গ্রাম মজকুরে বরপ্তত হাজির থাকির। সন ১৯০০ সালের চিঠাবিমজিন রাইছতী ও থানার ওচাকরাণ ও ব্যক্তমী গুগরর্হ দরকতি ভাষাম আবেতা মাজিক জাবণ করিয়া গুগাম কাগজাত ভৈয়ার কার্যা দিবে আব কোন প্র জাব সহিত ক্রাণ্ডি ক্রিয়া নিভাভুল ও বন্দ ছাপাইর। গোখহ ভদারণে এন্ড প্রমাণ শ্ব ভাহাতে পামার যে পোক লান হইবেক জাগা বিনা ওজার আমার সরকারে সর্ব্যাহ গাঁববে মাহিলান। দর্মণে নার খোরাক পোধার সর্ব্যাহ গাঁববে মাহিলান। দর্মণে নার খোরাক পোধার স্বিদ্ধা বি দ্বান করিল। পাইতে এই গ্রারে অরিশের কামীনী

> ভালুকণারের নিবার রোমনগিরি ক্যুক্তি নামিল ২০০ প্রা:

সহামহিত জীনুত: প্রিভীন্য বায় ক্রী ৭৭৫ মহাশ্র বচারের র Antigory of state

তিনিতি হ জামহেন্দ্রনাথ ধানা করা করুলাই পরা মিদ্র কার্নানঞ্চালে সহাপালের জালুকের মধ্যে বালিয়া পারগানার কার্ট কুঞ্জবলের সামিল ফোজে দেয়াগালা আম মঞ্জকুরে হরবিরু জনী পান্নাদ কারণ ছরিপাল লাকিন্দের জীরামকান্ধ শরকারকে মোকরর করিলেন এবং জামাকে পরকার মঞ্জ-কুরের দহিত রোদনগিরি কর্মো মোকরর করিলেন আমি আম মজকুরে বরগুক্ত হালির থাকিরা দরকার মঞ্জকুরের ভকুম মাজিক জনী পর্মাণ করিব মাহিয়ানা দর্শাহা মার ধোরাক পোরাক দ্রক্ষুদ্বা ৪ চারি টাকা পাইব এভদর্শে রোসনগিরী কর্মে মোকরর হইয়া কবুলভি পাত্র লিখিরা দিলাস ইভি.সন ১২২০ সাল ভারিখ ১২ অঞ্চারণ

द्रांमनशितित्र मनमः २२० श्रेष्ठ ।

Spring and spring and

শ্রীমহেম্ফনাথ ধাভা সংচরিতে খু।

লিখিতং কার্যানজানে আমার ভালুকের মধ্যে বালিয়া
পরগণার লাট কুঞ্জপুরের দামিল মৌজে দেহাথালা গ্রামের
হরবিত্ব জমী পরমাদ কারণ হরিপাল দাকিলের শ্রীরামকান্ত্র
দরকারকে মোকরর করা গেল এবং দরকার মঞ্জুরের দহিত ভোমাকে রোদনগিরী কর্ম্যে মোকরর করিলাম ভুমি গ্রাম
নজকুরে বরগুরু হাজির থাকিয়া দরকার মঞ্জুরেরট ভুকুম
নাকিক জমী প্রমান করিবে মাহিয়ানা দরমাহা মার থাে
রাক পোষাক দর্মসুদ্ধা ৪ চারি টাকা পাইবে এতদর্থে রোদর্শিরী কর্মো যোকরর করিয়া দরন্দ দেওয়া গেল ইপ্তি দন
১২০০ দাল ভারিখ ১২ জ্ঞাহায়ণ

রোশনগিরীর সনক ব্যুস্থা ।



শ্রীমংক্রেনাথ ধাড়া সুচরিত্রেধু। লিবিডং কার্যানঞ্চ আইগ আমার ভালুকের মধ্যে বালিয়া गतनभात्र नाठे कुळ्णूदतत गामिन स्मोदण दमश्चाना खास्मक शतिक कमी शत्रमान कात्र शतिशान गाकित्मत बीतामकाण गतिक विक कमी शत्रमान कात्र शतिशान गाकित्मत बीतामकाण गतिक विक दम्में दाकात कात्रमान कात्र का दम्में द्यां कात्र कात्रमान कात्र विक भिक्र कात्रमान कात्र महिलाम क्रिया गतकात्र महत्र १००० हिल्म विक कमी शत्रमान कांद्र माकित महिलामा मत्रमान मात्र व्याद व्याद । व्याद व्याद कार्य कार्य कार्य व्याद कार्य कार

कालुकलारनत विधि श्रामाखा देव आका कारतह लात कामीरनड निक्षे शास्त्र थाकिया कामी अवस्थार कृष्णि एष्य । । २०२ श्रामा



বালিয়া প্রগণরি মৌন্দ দেহাপ্লি প্রাধের গোষভা দুপুল ও পাইকান ও গ্রন্থার নাজ্ম করিয়া হরিপাগ পারমের শ্রিয়ামকাল গ্রন্থার দে গ্রাম্মককুরের হর্নিজ্ এন প্রমাস কারণ কারণি কর্মে খোকরর করা পেল তে। নবা শ্রার নিকট খালের খাকিয়া জাবেভা মাফিক ১৯৮২ শংলের চিঠি বিম্নজিন রাইয়াজি ও খামার ও চাফরাণ ও শাপেরাজ ওগমরহ ভাষাম জনী ওয়াজীব ওয়াকই জারিপ করাইয়া দেওমাইবে ইহাতে ভক্তি না হয় জানিবে ইভি . তালুকদার বর

্বর নোরখানা ও হৈমন্তিক ধানা কুতের আমীনের কল্পজির সেবেকা।

আমীনের কর্লভির সেরেস্থা। আমীনের উত্তি।

I BY CES

মহামহিগ জীঘুজ রঞ্জনাথ চৌধুরী অমীদার মহাশন্ত বরাতবেনু। नेगाञ्चित्राप भागिक गाः श्विभाग

इमानी

শ্রীরামরাম কর । সাং শান্তিপুর

জীরাজীবলোচন দপ্ত গাং ইলালরা

শ্রীয়ামগোপাল দন্ত সাং হাটসিমূল ধানাকুত আদীনের সমস্ম

## जानुकनादवत्र **जेन्द्रि** २२२ श्राव

জরিশের সামীনের তে প্রাহার সমন্দ লেখা গিয়াছে সেই মত লিখিবেক

अटल धरे लगी जांतर कांट्र हैंसे ना शिथित देश रेश से भागा अ वाह्यांना कुटलत आमीनी करमा कांकरत करा काल बरे शकांद निथिता साथ के मेर भव निथितक।

मध्य अञ्चल भाव भाव रियामारा नियम स्वयं करिएलार अन्तर्भ निया नियादक स्वयं मध्य नियदक अदेखन करें माथी अन्य निक्षे मंक्षित थाकिएत जात्रभ करिएक हेरा ना निर्माल अस्तिक कार्योदनत नियम स्वयं मानित्र मिनि अम् साना कुरू करिया निर्माहित

> जानुस्मादस्य मिक्टे जागस्ताः कवृण्याः किथियात धानाः।

दशांबद्धात जिंडि। २२० सन्दर्भ

भशमिरिय शिव्क नटब्राधनाय कोपूरी।

BRETTAN OF

লিগিতং শীনিভাবনদ খোব করা কর্পতি পত্র মিদং
কার্যানঞ্চানে বালিয়া পার্যণার মেটিক থিপিলপুর ক্রাম্ব
ন্যাল্ডের ভালুক ক্রানের গোমস্তাগিরি বেদমতে জনা
হ সাকিনের ভারামরতন ক্রুকে মাল্লামিন দিয়া আদি
নাকরর হইলাম গ্রাম মন্ত্রে কর্ওক হালির থাকিরা
ভক্তমাবাদ ক্রাইর এবংখালানা গুল্ভা কুরাতে লা দায়

कतिव लिएएड कोन् मर्ड शिकिनि कतिव नाहे यगानि जा मात नाकितिहरू अवर ध्यादि महिक महिकान कदिता कम कर्मीन क्रि काराटक मेराभूद्रत त्य लाकगान इरेद्रक व्यर याकामात प्राका कहकता कृति काहा विमा अकरत निक কোণায়ে মহাল্ডের পরকারে সরবরাই করিব আর যুদ্যলি थाम मधकुरत करतम थोलानि त्लाक शारक छाहात छनातक कतिया मांट्यांबात किया किया मिर केरर आटमत पृति छा-कारेकी वता जारादेश देग देगाकन्त्रमा देश देश काशा आभाव किया महाभरवड गहिक कान बनाका नाई काद इन्द्र इडेटफ गथन त्य एक्स सारक्षेत्र एक्ट्रिक काश आमहल लागिय आव आर्ग समद्भारत क्या कालुक्षात त्वष्यम करत कावात नहिक स्माक्ष्मण कृतिए देश काशास्त्र कामानट कारवकः माफिक कां गुला के मालिल कतिव माहियां । मत्रमाह माह र्याद्रीक (भीषांक मर्क्सूम्हा ० है। का कत्रिया शहिब ब्याह माम अ दिनियाई अगस्त्र अ लांहाजीय माआस मनकात हेहें क পাইৰ এই করাবে কবুলতি লিগিয়া দিলাম ইতি সুন ১২০১ मान जादिस ५० ट्यार्ट !

हैरा हो।

नार ज्ञान संब

खिडामनान तम् नाः शाबनुत

elejavičas Sieci



श्रीविष्ठानिक त्यांचे मुठविद्यंतु ।

लिशिकर कार्गानकारभे वालिका भन्नेभगात स्पोरक गिरिष त्य जीनं भागात कालुक से डाटेमत लामछानिति ध्यनगढड ভোষাকে গোকরর করা গেল ভুমি প্রাম মঞ্চকুরে বরওজ राकित शाकिया कञ्चलावान कवाहित्व अन्य खन्छ। मुहादक গালানা আদায় করিবে ভাগতে কোন মতে গাকিনি করি त माहे यसानि लोगांत चाकिनिटक अंतर आशांत मिक्क বাংলোগ ক্রিয়া কন ভহণীব কাহ তাহাতে আমার যে লো ক্ৰান স্ট্ৰেক এবং থাকানার টাকা ভছ্জকাভ করহ ভাষ্ াৰনা ওভাবে নিজ আমানে আমার সরকারে সরবরাগ করি বে অবি ব্যাপি প্রমি ম্ভকুরের জমী অনা ভালুকদার বেদ -वल करत्र काराव मारम आवालरक मालिन कविरुठ ६४ ला-शदक बादवका माक्तिक कागादक कागवाक मारिल कतिटक ংইবেক মাহিমানা দর্মাহা সাম খোলাক পোচাক সভাসুদ্ধী ं किन हेल्ला कृतिया शाहरत गोमा ও तामना है अभवतर अ কাছারীর সরঞ্জাম সরকার হুইতে পাইবে আর ভোষার মা-লজামিন জনাই লাফিনের জীরামরতন সমুকে লইলাম ইতি শ্বন ১২০০ সালে ভারিল ১৫ ভোষ্ঠ

ं भामकात मानका मिनी तियो भणात पाना।

काविमणात्वत्र हेन्।

>२५ भन्

मशाहिम अपूर्क नद्रश्यनाथ छोद्रशी

मश्मत रहान्दक्ष्



शिविकर जीतामत्रकन उत्तर् क्या मानमामिनी श्विमण कार्वनिक कार्रेश वालिया भवतनगत्र मोरक विकित्तभूत श्रीम मर्मित्यत कालूक दे आरम्ब भागकानिती कर्म मध्वावाधी गांकित्वत शिन्द्योनना धारतक त्याकतत कतित्वन आमि अभिन श्रुतिर ह नारात खिन्नर एका मसक्रत मालका-विम इट्टोन एए ए स्थक्त महल स्थकृत बत्त्वराज शास्त्र थाकिया यक्ष्मावान कडाइरद्रक बहुः खबसः महाक बालाना कर्तीत अतिदयक काराटक भाकित्व किंद्रित्य माहे समाणि रशीय मण्डाद्वर प्राणामा कर्मीत् शाकित हर वरः अवाद त्विच नार्मान कविया कम कर्गील करत छोडाएक प्रशंभ (हाँ) स्व त्वांकर्गाम क्**डेट**नक बदर श्राकानात होता प्रमुखकाड করে ভাষা নহাশ্রের হিস্ত মাজিক রিনা, ওলারে নিম वानादम महाभटम्ब सङ्कादम स्तरत्वार कावन बाच धान मक्तूद्रतत (कान मोक्समार धाम समक्तूदक् सार्यका मा क्रिक कोशकांक माचिल कविटल एवं काशांटक ग्रंवशांकिव इव क्षांभित्र कविहा किन धर्ने वृद्धारत नामकानिनी निश्चित्र पिना म है कि गर ३२४२ नाल काहिय २० देकार्य ।

हेनामी।

জীরামকান্ত দত্ত প্রীরাগারুক মিত্র গুপাইকের কর্কভি লিখিবার ধার **लाइएकरत्र खेल्हा**। रश्म शिक्षा वशनिक्ष कीयुक् ,नरतकनाथ कोयुत्री बंदिकी महान्ह उत्रावदत्तु

निर्विष: श्रीतामश्राम राष्ट्रा क्या कहनांक श्रव मिक् वाणिश्र त्रिश्चात्र , त्योदम विकास अधि

मनाबद्यत कांनुक के आम मलकूद्रत थानांना किनीदलक कातन शाहक कर्या धाम मस्मकूरतत्र शितामहति मारे बिर्फ काभिनि मिन्ना भाकतत इहैगाम महानिदात कर क रशामान्त्री निकते वत्रवास शास्त्र थास्त्रिक श्रीहात हुनूम माधिक स्न-कामा करणीय कदिए छाशास्त्र साहिति कदित गाहे गणाणि थाना वहनीटमः नाकि मिस्स वन शकात नावय असन ক্রিয়া কম ভহনীল করি এক যাজানা ভছকণার্ভ করি তদা शतक **द्धमान एवं कांदा निमां शकाय निक** आकर्त्य महानाटवर সরকারে ছারিল করিব মাহিয়ানা সালিয়ানা ও বিহা হসী इक्क्रमार्थाम कतिहा (चार्ग भवन कहिद अहे दहाइड गाहेकि व तर्मा स्माकंत्रत एहेशा कर्मांक लिनिश किमान क्रिक मन १२०० । मान कार्तिर्भ २५ देसार्थ

अने हिन कि पाष्टा हिना की र अने खिलाम भारतन সাং বিজ্ঞাম

अः" विकास म

माहिटकत मनन लिखिवाड थाता। बाज्यमाद्यत डेक्सि। ॥ १२७ श्रेष्ठ ॥



প্রীরামপ্রসার বাড়া মুচরিডেশু निविचर कोर्यामशार्य वालिया भर्त्रथरात सोटब विविध পুর আৰ আমার ভালুক ঐ আম নজভুরের খালানা ভং-শিলের কারণ পাইকি কুর্মো ভোমাকে মোকরর করা গেল তুমি आम सणकृत्वद्व প্রোমস্থাম নিকট হাজির থাকিয়া

शहरक महिन शंकात लाग कत्व छाइट गांकि कि कतिरव मारे हमान श्रीका ना करनेटन याकिन कतर डाइएक बाबात रच लाका मान इरेटन जर शंकामात डाइ। पराणि कहर शहर कर्षण हिना उक्ट किन जा बाटन बाबात महनाटन वाकिन कितिर इरेटन बात खामान मानवामिन ना मन्यकक्षण यह रावद्वि मारे हिट बाबान क्षित्र गांकामा अहन विदा कमी करूड-मार्थान क्षित्र लाग करण क्षिट हिंह तम ५६०० मान

(शामकात भागका गिमी ट्यमल निया निवारक कार्यालयहें मक आहेटकप्र मानका मिनी किविद्यक ।

> े अमेरि से का गाँउ मानियार कि चितान की लें। १ १०० १४१ व्यक्ति । २८० मत्।



कार्चिम क्टनेया कोटेक विकित्तश्व लड्डाटन कार्निया जन प्रदेश जान कार्मिक किया म द्वारान

> নুধুন। ব্ৰুপুৰা

ः खारन कः उपस्थाप शाहक निकला

### कतिश कमांवन्त्री मुत्रांक द्यांबा

লিখিবার ধারা। धवात अकि।

। २०५ संबंधित

मंश्रीम किंग के बुक्त महत्रसमाय हो पुत्री काला कर्तात करी नहीं करी बार्क कर राज्य

লিখিতং প্রীদানখনাল মাইছি ক্সা করুলতি পরা ফিদং कार्यातकारण लडकरन मधलपाठे स्मीटका बुन्याकनपुर्वा मधीन द्यत हांन्य के जाम भगकूटवंत व्यक्ता आणि आमात य अभी बमा आदए काश नव राजन कविल कविश कि बंबादिकी सुद्रा मीटपंद केक्सील महिक्छ १/२ हादि विश्वो हादिनकाठा क्योव को इ स्या ताबियाना निक्का २०॥० होका गनर सा-किक किन्दीनकी पश्चित्रज्ञ नवकाद्य मानक्षणांची कवित्रा सभी टक्क्सावान कांत्रमा दर्शास्त्रियम कविन स्वातं वाह्य-किः कटक अ॰ टकत कछात्र हिनाटेंबे भित्र शाबा खका अधिएकत বোন अन्नत करित नाई लाई वश्राल अभी विन्द्रकृत्रा इस कटन (अडे संघीत समा तक्य बहाति के है हाटत भान खनाती করিব এই করারে পাতা গইছা করুণ কি নিথিয়া দিলাম देखि मन १२०० जान जातिस ५ देवनाच

> क्यों क्या विः खनावन

## न घां है मन् १०० मान दात मं अने कि लिम भाग कार ३३ देन मांच

क्षा श्रीवामक्	लाम भारे कि	the state of the s
ख! नां <b>मी</b>	क्यी भन्न	T.E.
•	जूबना 💉	WA:
तर्तत्व निक्षाः		1
TT 3	The same of the same	
ज्ञा अप्टिस	8/	\$ 50
to the market	and the section	211.

पर गांक विशा शांधि कांग्रे। क्याँत कांक कता करावनी हुआर राष्ट्र अकुल क्षेत्रहत्यामा स्वाधि मंदित क्रिटीयसी नवर राजसाव ही मनवबाद कहिएद रहिए फिल्ट्स टा॰ ८७ १ रूषात दिवार्षेत्र निध्य खर्ध एकारित कभी निधारकका एक अवन কিছাভুল ও কল ছাপাইরারাধ জনারকে অসাকলন ভবে ार्डे समीत कथा प्रकम्ब्रम्हि बहे हाइत भीगळवाती संचाय .

#### कार किखीरकी

टेनमां श	5. (	CMA	"
रेकार्च	. 5	कार्शिक	5
খাবাচ,	₹	कार्य श्रापन	3/10
<b>ज्या</b> ४५	2 . A.	কৌন	
'sta		wisi .	
আ্শিন	3110 1	reter	5110
3 43	is an interpresentation of the contract and particle for the contract and contract	har anno ambana ambana ambanda mataman	33110

মং একুৰ টাকা আট আনা নাফিক কিন্তীৰ্ভ \* मोलक्षात्री कतिरत है हि।





भोरक को हो गाँग मृहिम्द कर्माणदि शिनास्त्रिताम त्यन सूच्दिरक्ष

विधिन कार्यानकारण स्य वाकाना भागित्रा किरण विश् होलान माथिन दर्ग आविका मार माथिता विशिह लहेटव आत कामाद्र मरा नका लिया हान द्र काहेन कविहा थ'-आमा आमाद कविदन याहार कृषि वाचिति कतह कहिन जनमां कामाद कविदन याहार क्षा हार्यह ने के नीय वा आमा आमाद हम काहा कविदन है कि कादिर है। आवाह !

গোঁমভার পর ভালুকরারের প্র বিধিবার ধার্। ্ সংগ্রুমারের উক্তিঃ ১২১ প্রতঃ

の表

विकि कन्य श्रीकाना स्मेटक इन्माननभूत नदशर मश्र चार्डे मन १२०० मान कार्तिक १२ कार्यन । अर श्रीकामनिधि महकात

वागामी

আ্লান্ত : ক্রতারণ

লাং নাম ভগ্ন নিক্ত

८०० शास्त्रक छोका

প্রতি আবে তোনার নহলে লাং মাথ দ্বলগতীকা বাকী এ অভি বেজার অভএব লেখা বার রাতি দিন স্থান করিয়া থাজানা ভংশীল করিয়া থাড়াং কছিটিটেড চালান করং ইংভে ভারাধী জানিবে ইডিয়

> कविकाची **गराहेंद्र** निक्**रेष्ट्र गदल वादमत च**दः महर्द्रत ভिতत वाणि जाणात **क**पूलकि

লিপিশার খার। ) প্রস্থার উক্তিঃ।

ग रहते शक्य ।।

গহাসহিত্য <u>শিধুক কমলাকান্ত সংকাৰ</u> নাৰুকী মহাশক্ত বহাৰটেৱৰ, ' भित्र स्थापित स्थापित

हनाजी

वित्रामसम्बद्धाः नादक्षिक्षेत्रे

खेखेशक त्यू तर्भाविक

के नाहिनाका कमीड लाज। निश्चित्र वात्र। इस्मीमाद्यक के कि 338 PO 11 4

अक्ष्म्य (क्षेत्र त

श्चित्राम्बाद मानाकात मुहित्यहु ।

स्थीत अंदिन शाम कर करित स्थान कि शिक्षा स्थान स्थान स्थान स्थित स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

त्राविद्यम् । भिक्रमा । भिक्रम

वाहिष्ठांचा सिर्धियात देगदशक्षी।

নাইমধ্যে উজি ।। = ১৭ শান

नायुक्ती स्थानक रेती रहत ।

निविष्टः जिस्ट्रेस्क गामधी

कर्मा कर्मीक राज निमः कार्यामकारम महत्र कृतिकार्थात बर्ध्य क्षित्र क्षायाकारम महाश्रद्धत्र ३७ मध्दत्र वृद्धि है र मन मध्यक्षत्र क्षायाक सार भेच ३२०४मारमक रेकार्थ वह क्ष माहा २६ होका महानद्यत्र कत्काद्य मान् र रत्याप कृतिन कात्र এই भ्रतादम्ब मध्या प्रमानि देनवान ना कृतिना छिति। याहे कद्य এই এक स्ट्रम्ब मुक्टक्ड काका द्यांक रिभाव कृतिक विश्व छित्र। याहेब এই क्योद्धि काष्ट्र क्यांत कर्ने कि जिथिया क्रिया हैकि नम्प्रभुभ नाम प्रभाषा है १८४० र-

हमानी

श्रीहासमय गतकात्र शिक्तिनाय तम नाः जानवामात्र गां॰ आधानामात्र वाणि जाणात्र मर्शाण निश्चात्र धात्रा। याणिकप्रांनात्र छेल्लि। २०० शक्षा। शिक्टहरूक बाजकी मूक्तिरकपु।

Control Ballian All

मश्रील श्रव मिनः कार्यानश्रार्ण गत्रह कार्निकाकात मर्छ।
जालवासारत जायांत ३० नगरत्रह वाणि हैः गन मध्कुरत्र ३
जावाइ जाः गन ५२०८ नारणत रेजार्क कहे वक नः गत रमता
रम कार्यारक नगर्याम कित्रिक किनाम देशीत खाछा मत्रमांश
रव क्षेत्रक किनाम साणांत नत्रकारत मानर नत्रवंशः कित्रव खात कहे स्मत्रारमत्र मर्था वस्त्राम ना कित्रिमा केत्रिमा खाँक किना याहरत कहे मुन्दकत खाँछ। त्रयांक हिनाव कित्रमा मिन्ना केत्रिमा याहरत कहे कत्रारत काँछ। क्यांत कन्नकि शहेना मर्थनि रमक्ष्री शहे केत्रारत काँछ। क्यांत कन्नकि शहेना मर्थनि रमक्ष्री शहे केत्रारत काँछ। क्यांत कन्नकि शहेना पर्यान

निविकदवनी समात कर्ताक निविदात्र थात्रा।

# mintal styl

## 'अवात विकि।

निष्क अविता । भर्ग पर्भ श्रीपृष्ट स्वेतिस भन्न मनाव क्रांज्यात मेंश्राममं प्रतिष्ट्य क्रिंश

निविष्ठः शैदक्वभवात्र वृद्धिः

कता क्यूनकि शज विषय कार्यानकाह्य अवगद्भ त्यांत क्योंट क नोकामगत वान गरामध्यत कालूक के वादमत शका भागि नामाव रेट/ विश्व अभोव काक नमा क वेकि सारह जाव श्वादनी ३० छाटा बक्टन यहि होना आक्रिक विश्वीतको गनः मशाभारम्य मत्रकारम गाल्कानी कृतिव शका सका शकि इका द्यान क्षत्र करिय नाहे बाउनेया मनोइन वहे समान (कर दिनों कटत कार उठ्ठ कतिव बनुत ना कति महानाह प्यालन अकडाहत (नामहा खमादत खमी समा वटकांवछ कड़िट्टम खाराटक लामात टकॉम खंबा नाहे अखहर्स चारान प्रित्क भाग । वहरा बर्बाक तिथिया विस्त में स्थि ३२०० मान कार्रियोक्ट रेक्स हैं है। CHAMPINE TO SEE SEE

WHITE IN CHIS.

A1410 :35

व्यक्त भारत

STO

का भिन

मा शहा दे ग

(M)

न्या

B. C.

1 3

\*8

क भारति खडा

न कि किन्द्री तन्त्री भवत् मालक काली कार्त है कि

श्रीवास्त्य गांगर सार ल्याना

শ্রীশ্রামধ্য বাস সাহ বাশ্যাপাতা

श्रीकाताम ध्याप भार स्ट्रानीहा

के निरोक तानी जमात भागे। निविदात राहा। सामुक्तांद्वत छेकि।

11 280 413 11

Sefrance required in the series of the serie

ब्रीटकरणद्रांच राष्ट्रीण सूर्वावदावम् िः

समीत भावका सर्वामनश् कार्यामनाटण त्यात भएत्रगांत त्यात्म नीस्रामनत्र ज्ञाम स्नामात स्वामूक विश्वाम मस्यूदतत्र व्यासः स्वाम कामात पर विद्या खमीत कोक रू होका खमा खाद जात श्राम विचे ५ होका केवरम उन्होंका मासिक किछोबमो मनर भागात मत्रकारत माम छलाती केवरम श्राम छका अखिरकत काम अबन खमा पाहरवंक माहे भात है श्रास्थित कहे समाम दक्षर रामी करत कोश करून रहिर्द करून मा कर भागि काशम किछादित खमी खमा रमामता खादारक बरणा रख करित काशस्त कामान रकाम आश्रीक माहे करूम केवरम श्रीक करित काशस्त रकाम स्था राम है कि मन ५२०० माल जातिक २२ है हो है।

(AZ GA)

मान किन्द्रीराक्षी

Tanta Ta

> क्षां माहि कहा माकिक किन्छी -यभी माह्यक्षात्रीत्मेतिहर्गाः समा निष्यत् सूत्रकार्यक लक्ष्मे देखानात दुनके संस्थित मात्रा ।

#### SHEATEN !

विवृद्धारतमः देखिः।

384 Marks

रुप्त रेश्वारात महाशह वर्गातात

Maralfold

\* BATA

खीदामकार्श्व शाह्य गार निक्रमाण ক্রিকাণীনাথ মিল " শং হরিপুর",

खिपेनीतेथ त्रात्र नार'भाति प्र

2.4.#

পোষভার পর **ও**জ সুণ্যাহের চিটি শ্রীনারের উজি।

ভালুকদারের গকে যেমভ পাঠাপাঠ লেখা। গির্মান্তে নেই মাফিক লিখিবেক। লাখেরাজ লমীর ক্যলহাড়ি লিখিবার ধার।। ভালুকদারের উক্তি।

।। २१२ शव ॥

জাহানাবাক প্রগণার মৌজে সাদিপুর প্রাচমর কর্মচারী, প্রক্রেলরাম আনা সুচবিত্রের।

विधिष्ठः कार्यम्बन्धः से अवनगात गोट्स क्यारमण्य धारमत क्रियुक्त निध्वाम अग्रेतिशि क्यारम आग्रिता पर्व-साख्य किर्तिम ए जाम स्वकृत्त सामान १९०० जन्मत स्वो २/ तथा आहि कोई स्वार्यम स्वव्यत के स्वेतिश्वास्त्रम क्रियम स्वित्र स्वयं किर्मा स्वार्यम स्वित्र के क्रिया गाँउ जिल्ला मधीनत स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं व्यव्यं गाँउ स्वार्यमात्र क्रियम स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं प्रारं स्वार्यमात्र क्रियम स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं प्रारं स्वार्यम् स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं प्रारं स्वार्यम् स्वयं स्ययं स्वयं स

नाट जो वे श्राहे मान क्षणाही नहन वार रो पर्याचन करत छ। हो देव करता क्षणि रेम ध्राहत

८सदब छ।

॥ २८३ शब ॥



Alvino eministra

ं करणहा फिल्ला कि मरः कार्या नृष्टारग अवगर्ध सार्विन टमोटक मन्मिन्से बोमात कृष्ट्विक में बादमक प्रवाध शका जिल क्लव बाहेकि एउपिक समात मालक्षाडी नवदहार नाडम कामारक मशसम अविद्यक् विद्युतकार्वत दिगायकर यक हिका भागक्षकातीत भाजना इहर्स्ट हैं। देकार्य नाजाईम २१ देशीय विश्वक छोका फूर्यि निर्के इंडेटक मत्रवेतीह करिया महिलि प्रकट्टरात क्षित्क प्रकात करेल एवटक आधार क-तिशा कहेरच महदारत काम आवेक माहे अकपार्थ एमगधा छि दम खेरा । अस हो के मन ১२०० मान का दिया में रेका से ।

ুঞ্জার ভাগাবি ধর লিখিবার ধরি।

अषात डिक्टि।

M.W. WILSER &R W. II.

निरामहित्र क्रियुक्ट नियहस्य अपि । ्रावुकी मशासम बन्नावदन्यू ।

Carlot Carlot State & Same Sagar ্ৰ লিখিকং জীপধানন মেধে ক্স্য ভাগাতি পছ পত সিদং ক্রিনার্থারে প্রগ্রে অভিন্ডা কাশীপুর মহাশ্যের ছা-मुक्षे बारमत समा भागि भाउनाम ग्रिक्ट अनुष्ट यमी व्यास्त्रके व्यक्तिक व्यक्ति । अव्यक्तिया (त्यानुष्ठाः व्यक्तिया विकास विकास ভোৰালের ভেছনিক হইতে নগত গৈলা ৪ টাকা ভাগাৰি कंड्य लहेलाम गम मञ्जूषात्र कारिशियक गाकिक वसत सूप र्का त्रवाक होना हिन विष्यूर्थ आलन श्रीतर् कार्गानि केंद्र वह के अब अब कि निजा कि नाम ३२०३ मान कांत्रिय ३१ देवाके

জনাৰাৰাস পাইক TOTAL STATE OF THE STATE OF THE

এ ভিনকতি মাগণী

े विकासकी वाही (सरदक्षेत्र तथा अव्यव शहर मरर करन त्तवा धान पर्यम अपम क कामना क्रिमान क्रिकिटक हेश किटन मना नुस्तर में द्राद्वका मुख्य सहिता निविद्व क विकास ্ৰাপরমিটের পান লিখিবার খারা 🕾 🕸 💸

भरामस्मि क्रियुक्त का केंद्र मादश्व 🖙

्रिक्ति प्रश्तास्त्र । स्वतः । स्वतः

## H XXX SQ HER CONT. TO COME

া লিখিছট শ্রীবাদ্সোহন মুখোপ্রাগ্রাম ক্লা দক্ষাস্তংপত मिनः कार्नानकारत विद्वानीरम् त कक्नीन मुख्यि कार्रमा किनि-स्मित अंक तक्का भीम छक्म व्य निर्वित्त ग्रा ১००० माल ভারিখ ১৫ জাখিন।

আসামী যোগ কালিকাতা ক্টতে মুগু বালিয়া প্ৰগায়ে

स्वार्थिता होते ।

भौडर अपन अपन अपन अपन अपन

1. 773# \$155 HEAR (1980 JULE) 44 C78\$

P TO STITE OF THE PERSON OF TH

CALLED CALLED TO THE STATE OF T

ALL FILE AND PERSON NO.

---दर्गामीरगढ् मुनम्।

化 大台灣 問題 自然 2.

विश्वासभाताम् । चारानं व्यक्ति साटनः विर्दित्तानाम् (भा-नान त्यानान भारम प्रतिन राष्ट्र त्यादक रखाइ नानिन काशादह अववत हक्म (म्यमा माईदेशदह स्मि माहन आरमध्य कावित्य ३३ मृष्टित समग्र ,कामान क्लाद्य जाटक्यान . अवकृत्वत कारोके एक की विण प्रकृत्वत क ब्यान एक क कारने का बाह सहरत है कि यन २०३५ गान भाविक १०० मार्थक

बर २२७

। मान शक् जिलियात्र शाया । দাখন্য হাজির উজি। 11 284 11 **लत्य शृक्षेत्र अधृत्यः** कालीक्षतान ্হটোপাথার মহাশয় कितन प्रास्थ्य ,

मिबिकः अवृत्रीश्रमामः तस् कमा महजान कमी नानभव जिन्दं नम ১२३० मानास्म लिथिकः कार्यनसारम अनगर्य बीतकुर्य स्मादक त्मानास्थी आहमत किन माटके कामात हैन ভুক মহজ্ঞাৰ একবন্দ শালীক্ষী বাং পাঁচ বিঘা দাক কাঠা আহছ ইহার ভৌহন্দি সমাভন রায়ের নালের ক্ষমীর পশ্চিম ছকিব বোলীনাথ মিত্রেছ ভেড়িব পুর্ক প্রাণ পাইকের **ঢাকরাণ অমীদ ডিল্ডর: এই: ४**চীছদির মধ্যে উপরের লিখিত कमी मकक्षुत्र सामि जालम त्यक्ता भूक्टक भूका ने ते वा न ब्लाम भूर्नदेव मात्र मलिल मखादवर याणात होती खर्गार्ज भशंनग्रदक वाव करियान स्थायात नगीन स्थान सबी असी-कृतः अशामा आमनिषयत खत्र का निता शुळ लोखा पि कटम शहर मूद्रव एम्ब्रो मुचल करिएम तर सभी महत्त्वास आर्थि सि:इस देहेगांग असीगढ राम विकास क्षाविकारी क्टेट्सम "कविव्यास्य भाषि किया जा गाउ अवादियान दक्ष কৰন পাৰণা কৰি কিন্তা কৰে৷ সে বৃটা ও বাতিল এবং একি निवादि विकास अकार्या का क्षा पार व भी मचकूत सरा-नेवां काव व्यक्ति। मामलक निनिया प्रिनाभ देखि मन अस्थः THE REPORT OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF T

Manager on Sales of S

# বরিছকি কওলা লিখিবার ধারা চ করক্রীয় নিজ্ঞী বিজেশকর্মীয় উলিপ

यहां महिम श्रीकृष्ट कमलेक्ट व्यक्तां लाधा व अटलाटल १८ एवां केट्र वेट्नगां शाधा व अटलंटल १८ सुवनक्ट वटलगां शाधां व वटकेटल १८ सुवनक्ट वटलगां शाधां व and the state of a sta

किलिक्ट अधानकति भटकानामात्र अटलाटम बामजीत अदंबांशांचाति बद्ददम् ८८ अकार्वि अदंबांशांचांच क्या हैन-कुक नार्थिक अफाउन करी निकार करना भाग निमर नेम 32-33 गोलांटक निवंतर कार्यामधाटल स्थानस्य जानीशाहि टमीटम वोक्रीहाजी खाटमत लिक्क क्रांताक का माह अकटल कामांक्रमी ३० वर्षा विद्या बाटए छेरात छोर्शन क्रिमाम्निवि जिल्लिकोते नात्थताम जाया मनीव शुन्त रविनिधि पनित नात्मत छ। का कनीय छ दर क्रकनिति नामधिक श्रेमार नता क लाका समीत लिक असितिक विकासकाट्यक गार्थशास-नानि समेत्र मुक्ति । केर्तिम्बिक्तम्पर्य जनाउन निविक नमः वियो जनी नाम मनिया में स्टेडिनक स्टेश मुख मनीरंड नाशानः कविवादक काश्म (यहाः सुक्दिक शासका कालक SETTE TO BE OF DISTRIBUTE OF STREET विक्छ विकास कतियाचे समा नक्ष्य क्रिक्स श्री करा पुक्र क्लोक्सांक करम शहम सूर्व द्वांना क्रमण कर्त्र वामी मक कुर्व कार्य मध्या रहेगान, जेरांभव नाम दिकासक अवो व्हेर्गन को दिनको कारण कालिकिसम्बार्व

अग्रादिनान कर कथन मां क्ष्मा कि विश्वा कर दिन मुहै। क वाकिन समानि जामाई अग्रादिन्दानित निरुष्ठ महाणकुरक गांकिमा कदिए इस कार्यत निर्मा कदिन क्षमार्थ छ नर्द्रद निश्चिक जमी विकादन भन नांशाह तन्त्रक नेका बन्ध वम्स्ट गांदिया अदिन कि कश्मा निर्मा निर्माम दिकि नर २०० नांन कारिय २० व्यावन ॥

> ्रेशनाम्बर्धाः श्रीति । श्रीति । श्रीति श्रीति । स्ट्रिक्टलवास्य

श्रीनिधीष द्वरहाः वाः त्यांद्राश्री

की नांश्हींम स्थाहि नांश्हानाथां है

But the land the second

्रभौभ वटलंश जांचुम लारचंत्रांक भगे। विकास व । १४८ तम् ३२०० मोल काहिस २३ खावन ।

भागांगी

WE TEN

निम स्त्रीम का स्थाप राष्ट्रांत्री त्वस्त्राहे अर्थित वेदेश क्षत्राह स्वकात कोच किसी ४०० में: जातिसंस् वेदिश स्वयास मुस्तित्री लाहेनीत स्थित

THE COLUMN

मिनिकाम दवरखा नार दमात्रांशिक জীলালটাদ খোষ সাং রাণাঘাট তথ্যসূক লিনিবার খারা। খাছকের উল্লিঃ।

মহামহিন শ্রীমুক্ত লালবেহারি চট্টোপাখারি মহাশর বরাবরের। श्रिमातरवर्गात करके भाषात्र मा कृष्टक्छ। याद

लिखिकः शिर्विष्ठ मान देकवर्षं कमा देखे शेळ गिमः कार्यामकारंग आमि महाणद्वतं कार्य मान देवाक निक्का २० मण्डाहें ने जिल कर्क लिलाम उदात मुन किः भटक । हि-बार्ट्य मान्य निव है कि। सम ५२०० नालाव ४ कार्डिक मा-प्रमुन दिवाक होका अतिरुगांव कंत्रव ७३ क्यांद्रव आभन यूनिटक मनम होका मण्डवमक गरेवा हमःमुक शिक्षा हि-लाम है कि

#### हिनामी

জীরামপ্রশাদ ঘোষ প্রাংজহরামপুর ্ৰাং এই **শ্ৰিষ্টেক্ত ভোষাল** শ্ৰাং ধন্যাখালি

न्द त्रामभूत

লিখিতং শ্রীহরিচরণ দাস বৈষ্ণার্ড কসা রসিদ পরা মিদং কার্যানকানে ডিপ্রের লিখিত ভষাসুকে সিক্তা ২৭ সাড়া ইশ টাকা দন্তসম্ভ গেতাক পাইয়া রসিদ ক্রিয়া নিলান ইতি সন ২০০৮ সাল ভারিবাদ কর্তিক।

कामन्त्र कार हिनामी । **बिल्डाहरू** व्यक्तिक बाह्यसम्बद्धांमन्त्रम

### শ্রীরাম্পরি দে বাং বেমিপুর

নন ১২৭৮ নাল ভারিধ চ কার্তিক বিদ্যালয় বিদ্যাল

अभिक करनकी नावूटक कर्छनि

नन ४२२४ माल सादिग २ (शोध भागामी

學说:

পরগলে জাপ্তারহাদি দাং বন্য্যালি । গ্রিচবশ সাম

নাং পোদ কৰ্জ আদায়

बगम निक्का ५ छे।कः

सरस्य छक्ता व क्षेत्र अ विद्या

ম: কুডি জন্ধা যাত্র ইতি। কজা নিকার কিঞ্চীকনী লিখিবার ধার।। পাতকের উল্লেখ্য

280 ME 1

মহামহিম শ্রীবৃক্ত কুফকিলোর মুখোপাখ্যার। মহাশয় বরাবরেছ।

निथिद्धः श्रीलाष्ट्रमातास्य नताय कता किस्रोतन्त्री श्राव रिवदः कार्यामधादम् धासि स्थानद्यत् निकृते तन १२०० त्रा-लात ५२ देखाई कातित्थं अक दक्षण कर्मान्त्रकः विद्या १५ देखाँ कृष्य सहस्राहितास्य हैशात सुन्न दिनायुग्हे १४० द्वारा अकृत्य १९४० (माक्ट्रेसिन देश) बाहे चाम स्थानद्यत् दक्ष्मा इहें साम कात्रि कृष्ट्या आख्यान निकृत्य क्षित्र ग्राम सुन् स्वास्त्र

TO THE

हिका विका शांति माहे अकातन विमाहित मीटहत कर नी न जाकिक किसी वेन्सी तिवाक है। स्थानार पत कि मेर परंप्याप्ट केश्वित स्थानि किसी (अनात इकेश होका माथिन वृति जुम सांकिक सहिम कामारिक वित्र कर क्रांट्र किसी वर्गी किसी का विज्ञास है कि जैस ३२०० माने स्वित्र रम साम्रा

CN4		n de a
***	,	<b>िक को</b>
THE PER	•	×
भार् कासिन		· *
an utilia		'sta
भाक <b>्रे</b> गिए		<b>*</b> **
मार माम	`	, <u>b</u> w ,
vie wigge	ı	* . * ** ** ** **
जः श्रीकृष्टीक्षण है। के वार्षे ।	nga, utiwa tar	वीयाची
	ভারির ইন্ডি 🖂	•
<del>2</del>	(मार्गी)	•
श्रिक्षभाविकाराह		नेर्राधिकास वस्
नाः नाचकाका		भाः रसूलाणा
. अधिक विकास	রণ লঙরাত -	:
i mee	<b>拉伯斯斯</b>	•
कृति थे क	निभिनात गाना।	
	দের উতি।	
	) <del>-</del> शब्द	
	श्रीपुक्त स्नीवानव	THE PLANT

আমার পাওনা এহার অক্সরে বাদ রিয়াতি ৫ টারা বাকী
১৪ চৌত্রিশ টাকা বেবাক পাইকাম আর ঐ টাকার ভ্রমন্ত্র আমার নিকট ছিল ভাহা খ্যেন্ত্রিয়াছে পশ্চাই ফ্রান্ত্রি আমি কিয়া আমার ওয়ারিশান ক্রিক্ত্রিয়াত্র বার্থী টাকার লারী করি কিয়া করে গে নামঞ্জা ক্রম্বর্কে কার্থক ক্রিক্স

हैगांशी

শীরামক্রফ গোর নাং হরিপাল नीतां घट यांचन गतकांत्र । गांच तांगभूत

#### श्रीभागमञ्जू आहारी। मार इतिभाल

कीतम्भ कालत्स्व घ्रानव साहेम

ভনঃপুক ও ক্রিজীবন্দী মরিভকি করালা রগররহ ব দলিল দন্তাবেল লেবাপ্টা হইবেক ভাষার জ্যান্স কার্ম ক্রের আইন ভনঃসুক ওগররই টাকা স্ট্যান্স কার্মের গুল ১ ৷ ২৫ প্রচিশটাকা ২৬ ৷ ৫০ প্রকাশ টাকা ২০ ৷ ২০০ ক্রিশভ টাকা ২০ ৷ ৫০০ প্রচিশত টাকা ৫০১ ৷ ২০০ ক্রিশভার টাকা ২০১ ৷ ২০০ ক্রিশভার টাকা ২০১ ৷ ২০০ ক্রিশভার টাকা ২০১ ৷ ২০০ ক্রিশভার টাকা

৫০০০১ প্রকাশখালার টাকা	**
a-== । वेद-देन भाषास्त्रमास्त्र हो का	<b>Q</b> u
1400) 1 200000 acres (1 000)	* >
\$20000 1 26ccc (Adam als.	* * *
Suner : senen Bigde Biel	574
****	m # 4

नमा श्राः